CTET SS L1 Telugu L2 Hindi P2

Topic:- CDP_P2_CTET

1) Which of the following is **NOT** included in physical development ?

(1) Changes in body size and proportions

(2) Functioning of body systems

(3) Perceptual and motor capacities

(4) Changes in emotional communication

निम्न में से क्या शारिरिक विकास में शामिल नहीं है?

(1) शारिरिक आकार व अनुपात में बदलाव

(2) शारिरिक प्रणाली का कार्य

(3) प्रतिबोधिक व गतिक कौशल

(4) संवेगात्मक संप्रेक्षण में बदलाव

[Question ID = 31][Question Description = S12_CDP_Q001]

1. 1 [Option ID = 121]
2. 2 [Option ID = 122]
3. 3 [Option ID = 123]
4. 4 [Option ID = 124]

2) The course of development of children -

(1) Is fixed at birth.

(2) Can be altered with appropriate support from the environment.

(3) Is uniform and follows the same pace across cultures.

(4) Is totally unpredictable since it is disorderly.

बच्चों के विकास का क्रम :

(1) जन्म के समय निश्चित हो जाता है।

(2) पर्यावरण से उचित सहायता के साथ बदला जा सकता है।

(3) एक समान है और सभी संस्कृतियों में विकास की गति समान रहती है।

(4) पूरी तरह से अप्रत्याशित है क्योंकि यह अव्यवस्थित है।

[Question ID = 32][Question Description = S12_CDP_Q002]

1. 1 [Option ID = 125]
2. 2 [Option ID = 126]
3. 3 [Option ID = 127]
4. 4 [Option ID = 128]

3) An important primary agency of socialization is -

(1) Library

(2) School

(3) Family

(4) Government

सामाजीकरण की प्रमुख प्राथमिक संस्था कौन सी है?

(1) पुस्तकालय

(2) स्कूल

(3) परिवार

(4) सरकार

[Question ID = 33][Question Description = S12_CDP_Q003]

1. 1 [Option ID = 129]
2. 2 [Option ID = 130]
3. 3 [Option ID = 131]
4. 4 [Option ID = 132]

4)

Children in __________ stage can reason hypothetically and develop concerns around social issues.

(1) Sensori - motor stage

(2) Pre - operational stage

(3) Concrete operational stage

(4) Formal operational stage

किस चरण में बच्चे निगमनात्मक तर्क कर पाते हैं व सामाजिक मुद्‌दों से सरोकार रखते हैं?

(1) संवेदी चालक अवस्था

(2) पूर्व संक्रियात्मक अवस्था

(3) मूर्त संक्रियात्मक अवस्था

(4) अमूर्त संक्रियात्मक अवस्था

[Question ID = 34][Question Description = S12_CDP_Q004]

1. 1 [Option ID = 133]
2. 2 [Option ID = 134]
3. 3 [Option ID = 135]
4. 4 [Option ID = 136]

5) One of major criticisms of Piaget's theory of cognitive development is that -

(1) He did not consider children as active beings.

(2) He gave too much importance to the role of language in cognition.

(3) He did not take into account the influence of culture and society.

(4) He laid too much emphasis on use of reward and punishment.

जॉं पियाजे के संज्ञानात्मक विकास की एक प्रमुख आलोचना है कि :

(1) उन्होंने बच्चों को सक्रिय कर्ताओं के रूप में नहीं देखा।

(2) उन्होंने अधिगम में भाषा की बहुत महत्वपूर्णता प्रस्तावित की।

(3) उन्होंने समाज और संस्कृति के प्रभाव को ध्यान में नहीं रखा।

(4) उन्होंने ईनाम व सज़ा के प्रयोग को बहुत ज्यादा प्रमुखता दी।

[Question ID = 35][Question Description = S12_CDP_Q005]

1. 1 [Option ID = 137]
2. 2 [Option ID = 138]
3. 3 [Option ID = 139]
4. 4 [Option ID = 140]

6)

According to Piaget which of these factors does **not** play an important role in cognitive development ?

(1) Activity

(2) Exploration

(3) Language

(4) Biological Maturation

पियाजे के अनुसार इनमें से कौन सा कारक संज्ञानात्मक विकास में महत्वपूर्ण भूमिका **नहीं** निभाता है?

(1) गतिविधि

(2) अन्वेषण

(3) भाषा

(4) जैविक परिपक्वता

[Question ID = 36][Question Description = S12_CDP_Q006]

1. 1 [Option ID = 141]
2. 2 [Option ID = 142]
3. 3 [Option ID = 143]
4. 4 [Option ID = 144]

7)

The stage 5 'Social contract orientation' of post - conventional morality as given by Lawrence Kohlberg is marked by the belief that -

(1) The physical consequences of an action determine goodness or badness.

(2) Obeying rules should bring some sort of benefit in return.

(3) In order to maintain social order fixed rules must be established and obeyed.

(4) Moral decisions should be made in terms of self - chosen ethical principles.

लॉरेंस कोहलबर्ग द्वारा दिए गए उत्तर पारंपरिक नैतिकता के पांचवे चरण 'सामाजिक अनुबंध अभिविन्यास' में व्यक्ति मानते है कि :

(1) किसी क्रिया के भौतिक परिणाम ही उसकी अच्छाई या बुराई निर्धारित करते है।

(2) नियमों का पालन करने के बदले में किसी प्रकार का लाभ मिलना चाहिए।

(3) सामाजिक व्यवस्था को बनाए रखने के लिए निश्चित नियमों को स्थापित करना और उनका पालन करना आवश्यक है।

(4) नैतिक निर्णय स्व-चुने हुए नैतिक सिद्धांतों के संदर्भ में किए जाने चाहिए।

[Question ID = 37][Question Description = S12_CDP_Q007]

1. 1 [Option ID = 145]
2. 2 [Option ID = 146]
3. 3 [Option ID = 147]
4. 4 [Option ID = 148]

8)

The idea that children should be guided and assisted in their learning as per the cultural context has been proposed by :

(1) Howard Gardner

(2) Lawrence Kohlberg

(3) Jean Piaget

(4) Lev Vygotsky

यह विचार कि बच्चों के सीखने में उनके सांस्कृतिक संदर्भ के अनुसार उनकी सहायता व मार्गदर्शन देना चाहिए किसने प्रस्तावित किया है?

(1) हावर्ड गार्डनर

(2) लावरेंस कोहलबर्ग

(3) जॉ पियाजे

(4) लेव व्यागोत्सकी

[Question ID = 38][Question Description = S12_CDP_Q008]

1. 1 [Option ID = 149]
2. 2 [Option ID = 150]
3. 3 [Option ID = 151]
4. 4 [Option ID = 152]

9) Giving hints and cues ; modelling the thought process for the students are examples of -

(1) Conditioning

(2) Delayed imitation

(3) Rote memorisation

(4) Scaffolding

विद्यार्थियों को संकेत व इशारे देना; सोच-विचार की प्रक्रियाओं को 'माडल' करना, किसके उदाहरण हैं?

(1) अनुकुलन

(2) विलंबित अनुसरण

(3) रटकर स्मरण

(4) पाड़

[Question ID = 39][Question Description = S12_CDP_Q009]
1. 1 [Option ID = 153]
2. 2 [Option ID = 154]
3. 3 [Option ID = 155]
4. 4 [Option ID = 156]

10) In a progressive classroom -
(1) children engage in purposeful activities that realises their potential.
(2) teacher is at the centre of all the teaching - learning activities.
(3) textbook is the only source of learning.
(4) exams are at the centre of all teaching - learning.

एक प्रगतिशील कक्षा में :
(1) बच्चे अर्थपूर्ण गतिविधियों में संलग्न होते हैं जिससे वे अपनी क्षमता के अनुसार कार्य कर पाएँ।
(2) शिक्षक सभी सीखने–सीखाने का केन्द्र है।
(3) पाठ्यपुस्तक ही सीखने का एकमात्र स्त्रोत है।
(4) सभी सीखने–सीखाने का केन्द्र परिक्षाएँ हैं।

[Question ID = 40][Question Description = S12_CDP_Q010]
1. 1 [Option ID = 157]
2. 2 [Option ID = 158]
3. 3 [Option ID = 159]
4. 4 [Option ID = 160]

11)
Individuals with __________ are able to distinguish between specific pitches, tones and rhythms that other may miss.
(1) Logico - mathematical intelligence
(2) Bodily - kinesthetic intelligence
(3) Interpersonal intelligence
(4) Musical intelligence

__________ वाले व्यक्ति विशिष्ट स्वरों, लय और ताल के बीच अंतर करने में सक्षम होते है जिसे पहचानने में अन्य चूक सकते हैं?
(1) तर्क–गणितीय बुद्धि
(2) शारिरिक–गति संवेदनात्मक बुद्धि
(3) अंतरवैयक्तिक बुद्धि
(4) संगीतमय बुद्धि

[Question ID = 41][Question Description = S12_CDP_Q011]
1. 1 [Option ID = 161]
2. 2 [Option ID = 162]
3. 3 [Option ID = 163]
4. 4 [Option ID = 164]

12) According to Lev Vygotsky language -

(1) does not influence cognitive development.

(2) is critical for cognitive development.

(3) hinders cognitive development.

(4) lags behind cognitive development.

लेव व्यागोत्सकी के अनुसार, भाषा :

(1) की संज्ञानात्मक विकास में कोई भुमिका नहीं है।

(2) संज्ञानात्मक विकास में बेहद महत्वपूर्ण है।

(3) संज्ञानात्मक विकास में बाधा डालती है।

(4) संज्ञानात्मक विकास के पीछे रहती है।

[Question ID = 42][Question Description = S12_CDP_Q012]

1. 1 [Option ID = 165]
2. 2 [Option ID = 166]
3. 3 [Option ID = 167]
4. 4 [Option ID = 168]

13)

Assertion (A) : It is important for middle school teachers to enable the students to look at the portrayal of gender stereotypes in the media critically.

Reason (R) : Media is an important socialising agency.

Choose the **correct** option.

(1) Both **(A)** and **(R)** are true and **(R)** is the correct explanation of **(A)**.

(2) Both **(A)** and **(R)** are true but **(R)** is not the correct explanation of **(A)**.

(3) **(A)** is true but **(R)** is false.

(4) Both **(A)** and **(R)** are false.

कथन (A) : माध्यमिक स्कूल के शिक्षकों के लिए यह महत्वपूर्ण है कि वे मीडिया में जेंडर रूढ़िवादिता के चित्रण को आलोचनात्मक रूप से देखने के लिए छात्रों को सक्षम करें।

तर्क (R) : मीडिया सामाजिकरण की एक महत्वपूर्ण संस्था है।

सही विकल्प चुनें।

(1) **(A)** और **(R)** दोनों सही हैं और **(R)** सही व्याख्या करता है **(A)** की।

(2) **(A)** और **(R)** दोनों सही हैं लेकिन **(R)** सही व्याख्या नहीं है **(A)** की।

(3) **(A)** सही है लेकिन **(R)** गलत है।

(4) **(A)** और **(R)** दोनों गलत हैं।

[Question ID = 43][Question Description = S12_CDP_Q013]

1. 1 [Option ID = 169]
2. 2 [Option ID = 170]
3. 3 [Option ID = 171]
4. 4 [Option ID = 172]

14) Which of the following statements about assessment of children is NOT correct ?

(1) Assessment should help in assessing readiness levels.

(2) Assessment should help in generating anxiety and fear.

(3) Assessment should be carried out using a variety of means.

(4) Assessment should include peer and self - assessment.

बच्चों के आकलन के बारे में निम्नलिखित में से कौन सा कथन सही **नहीं** है?

(1) आकलन से बच्चों की तैयारी को परखने में मदद मिलनी चाहिए।

(2) आकलन से चिंता और भय पैदा करने में मदद मिलनी चाहिए।

(3) मूल्यांकन विभिन्न साधनों का उपयोग करके किया जाना चाहिए।

(4) मूल्यांकन में सहकर्मी और स्व-मूल्यांकन शामिल होना चाहिए।

[Question ID = 44][Question Description = S12_CDP_Q014]

1. 1 [Option ID = 173]
2. 2 [Option ID = 174]
3. 3 [Option ID = 175]
4. 4 [Option ID = 176]

15) How is assessment linked to learning ?

(1) There is no link between assessment and learning.

(2) Assessment should take place at the end of learning.

(3) Assessment should be an integral part of learning.

(4) Learning should be directed towards assessment.

आकलन सीखने से कैसे जुड़ा है?

(1) आकलन और सीखने के बीच कोई संबंध नहीं है।

(2) आकलन सीखने के अंत में होना चाहिए।

(3) आकलन सीखने का एक अभिन्न अंग होना चाहिए।

(4) सीखने को मूल्यांकन के आधार पर निर्देशित किया जाना चाहिए।

[Question ID = 45][Question Description = S12_CDP_Q015]

1. 1 [Option ID = 177]
2. 2 [Option ID = 178]
3. 3 [Option ID = 179]
4. 4 [Option ID = 180]

16)

Inclusive education in schools should -

(1) aim at eliminating the discriminatory and exclusionary practices that are a result of an attitude towards an individual or a group.

(2) identify, classify and appropriately label group of children who have specific learning needs.

(3) make provisions for special education of children who are 'not normal' only.

(4) seggregate children based on academic abilities.

विद्यालयों में समावेशी शिक्षा :

(1) को किसी व्यक्ति या समूह विशेष के प्रति दृष्टिकोण के परिणाम स्वरूप उपजी भेदभावकारी और बहिष्कारी गतिविधियों को दूर करने का उद्देश्य रखना चाहिए।

(2) को विशिष्ट अधिगम आवश्यकताओं वाले बच्चों के समूह की पहचान करनी चाहिए, उनका वर्गीकरण करना चाहिए व उनको उचित रूप से लेबल करना चाहिए।

(3) को केवल उन्हीं बच्चों के लिए विशेष शिक्षा का प्रावधान करना चाहिए जो 'सामान्य' नहीं है।

(4) को बच्चों की आकादमिक योग्यताओं के आधार पर उनका पृथकीकरण करना चाहिए।

[Question ID = 46][Question Description = S12_CDP_Q016]

1. 1 [Option ID = 181]
2. 2 [Option ID = 182]
3. 3 [Option ID = 183]
4. 4 [Option ID = 184]

17) Teachers can encourage children to think creatively by -

(1) asaking them to think of different ways to solve a problem.

(2) asking them to memorize answers

(3) asking recalls based questions

(4) asking them to focus on only one aspect of a problem

शिक्षक बच्चों को रचनात्मक रूप से सोचने के लिए प्रोत्साहित कर सकते है?

(1) उन्हें किसी समस्या को हल करने के विभिन्न तरीकों के बारे में सोचने के लिए कहकर

(2) उन्हें उत्तर रटने के लिए कहकर

(3) प्रत्यास्मरण पर आधारित प्रश्न पूछकर

(4) उन्हें किसी समस्या के एक पहलू पर ध्यान केंद्रित करने के लिए कहकर

[Question ID = 47][Question Description = S12_CDP_Q017]

1. 1 [Option ID = 185]
2. 2 [Option ID = 186]
3. 3 [Option ID = 187]
4. 4 [Option ID = 188]

18) To cater to diversity in a classroom the teachers should focus on -

(1) Seggregation

(2) Labelling

(3) Negative discrimination

(4) Equity

कक्षा में विविधता को पोषित करने के लिए शिक्षकों को किस पर ध्यान देना चाहिए?

(1) पृथक्करण

(2) नामीकरण

(3) नकारात्मक भेदभाव

(4) समता

[Question ID = 48][Question Description = S12_CDP_Q018]

1. 1 [Option ID = 189]
2. 2 [Option ID = 190]
3. 3 [Option ID = 191]
4. 4 [Option ID = 192]

19) In a diverse class with students from disadvantaged backgrounds a teacher should -

(1) discourage all children from bringing their experiences to the class.

(2) encourage only children from dominant groups to share their experiences.

(3) encourage only children from disadvantaged groups to share their experiences.

(4) share her own experiences and encourage all children to share their experiences.

वंचित पृष्ठभूमि के छात्रों वाली विविधता की कक्षा में एक शिक्षक को :

(1) सभी बच्चों को अपने अनुभवों को कक्षा में लाने से हतोत्साहित करना चाहिए।

(2) केवल प्रभावशाली समूहों के बच्चों को अपने अनुभव साझा करने के लिए प्रोत्साहित करना चाहिए।

(3) केवल वंचित समूहों के बच्चों को अपने अनुभव साझा करने के लिए प्रोत्साहित करना चाहिए।

(4) अपने अनुभव साझा करना चाहिए और सभी बच्चों को अपने अनुभव साझा करने के लिए प्रोत्साहित करना चाहिए।

[Question ID = 49][Question Description = S12_CDP_Q019]

1. 1 [Option ID = 193]
2. 2 [Option ID = 194]
3. 3 [Option ID = 195]
4. 4 [Option ID = 196]

20)

Assertion (A) : It is important to provide appropriate materials such as manipulatives calculators and maths apps to students struggling with dyscalculia.

Reason (R) : Students having autism perform repetitive motor actions.

Choose the **correct** option.

(1) Both **(A)** and **(R)** are true and **(R)** is the correct explanation of **(A)**.

(2) Both **(A)** and **(R)** are true but **(R)** is not the correct explanation of **(A)**.

(3) **(A)** is true but **(R)** is false.

(4) Both **(A)** and **(R)** are false.

अभिकथन (A) : गुणज वैक्लय से जूझ रहे विद्यार्थियों को उपयुक्त सामग्री जैसे कि हस्त–कौशलयुक्त वस्तुएँ, गणक यंत्र और गणित के ऐप उपलब्ध कराना महत्वपूर्ण है।

तर्क (R) : स्वलीनता से जुझ रहे विद्यार्थी गत्यात्मक क्रियाओं को बार–बार दोहराते हैं।

सही विकल्प चुनें।

(1) **(A)** और **(R)** दोनों सही हैं और **(R)** सही व्याख्या करता है **(A)** की।

(2) **(A)** और **(R)** दोनों सही हैं लेकिन **(R)** सही व्याख्या नहीं है **(A)** की।

(3) **(A)** सही है लेकिन **(R)** गलत है।

(4) **(A)** और **(R)** दोनों गलत हैं।

[Question ID = 50][Question Description = S12_CDP_Q020]

1. 1 [Option ID = 197]
2. 2 [Option ID = 198]
3. 3 [Option ID = 199]
4. 4 [Option ID = 200]

21) The process of problem - solving is hindered by :

(1) Analogical thinking

(2) Heuristics

(3) Means - end analysis

(4) Functional fixedness

समस्या–समाधान की प्रक्रिया किसके द्‌वारा बाधित होती है?

(1) अनुरूपित सोच

(2) स्वानुभाविकता

(3) साधन लक्ष्य विश्लेषण

(4) प्रकार्यात्मक स्थिरता

[Question ID = 51][Question Description = S12_CDP_Q021]

1. 1 [Option ID = 201]
2. 2 [Option ID = 202]
3. 3 [Option ID = 203]
4. 4 [Option ID = 204]

22)

Assertion (A) : Teachers who believe that ability is not fixed and can be changed by putting in efforts are likely to motivate students to improve their performance at schools.

Reason (R) : Motivation is linked to beliefs teachers have about the abilities of students.

Choose the **correct** option.

(1) Both **(A)** and **(R)** are true and **(R)** is the correct explanation of **(A)**.

(2) Both **(A)** and **(R)** are true but **(R)** is not the correct explanation of **(A)**.

(3) **(A)** is true but **(R)** is false.

(4) Both **(A)** and **(R)** are false.

अभिकथन (A) : जो शिक्षक यह मानते हैं कि क्षमता निश्चित नहीं है और प्रयास करके उसे बदला जा सकता है, छात्रों को स्कूलों में अपने प्रदर्शन में सुधार करने के लिए प्रेरित करने की संभावना प्रस्तुत करने हैं।

तर्क (R) : अभिप्रेरणा उन विश्वासों से जुड़ी है जो शिक्षक अपने छात्रों की क्षमताओं के बारे में रखते हैं।

सही विकल्प चुनें।

(1) **(A)** और **(R)** दोनों सही हैं और **(R)** सही व्याख्या करता है **(A)** की।

(2) **(A)** और **(R)** दोनों सही हैं लेकिन **(R)** सही व्याख्या नहीं है **(A)** की।

(3) **(A)** सही है लेकिन **(R)** गलत है।

(4) **(A)** और **(R)** दोनों गलत हैं।

[Question ID = 52][Question Description = S12_CDP_Q022]

1. 1 [Option ID = 205]
2. 2 [Option ID = 206]
3. 3 [Option ID = 207]
4. 4 [Option ID = 208]

23)

Which of the following statement does **not** support a belief in socio - constructivist perspective of learning ?

(1) Children's interactions with their peers are an important source of cognitive development.

(2) Children acquire knowledge through their actions.

(3) Pedagogy must incorporate activities that encourage experimentation.

(4) Assessment should be undertaken only at the end of teaching.

निम्नलिखित में से कौन सा कथन सीखने के सामाजिक–रचनात्मक परिप्रेक्ष्य का समर्थन **नहीं** करता है?

(1) अपने साथियों के साथ बच्चों की बातचीत संज्ञानात्मक विकास का एक महत्वपूर्ण स्त्रोत है।

(2) बच्चे अपने कार्यों के माध्यम से ज्ञान प्राप्त करते हैं।

(3) शिक्षाशास्त्र में ऐसी गतिविधियाँ शामिल होनी चाहिए जो प्रयोग को प्रोत्साहित करती हैं।

(4) मूल्यांकन शिक्षण के अंत में ही किया जाना चाहिए।

[Question ID = 53][Question Description = S12_CDP_Q023]

1. 1 [Option ID = 209]
2. 2 [Option ID = 210]
3. 3 [Option ID = 211]
4. 4 [Option ID = 212]

24)

Assertion (A) : To ensure meaningful learning students should be expected to reproduce knowledge in the exact same way as it is received.

Reason (R) : Learning is the process of passive reception and reproduction of knowledge by children.

Choose the **correct** option.

(1) Both **(A)** and **(R)** are true and **(R)** is the correct explanation of **(A)**.

(2) Both **(A)** and **(R)** are true but **(R)** is not the correct explanation of **(A)**.

(3) **(A)** is true but **(R)** is false.

(4) Both **(A)** and **(R)** are false.

अभिकथन (A) : अर्थपूर्ण अधिगम सुनिश्चित करने के लिए विद्यार्थियों से यह अपेक्षा की जानी चाहिए कि वे ज्ञान को ठीक उसी तरह से पुनरुपित करें जैसे उन्होंने उसे गृहीत किया है।

तर्क (R) : अधिगम बच्चों द्वारा ज्ञान को निष्क्रिय रूप से प्राप्त करने और उसका पुनरुत्पादन करने की प्रक्रिया है।

सही विकल्प चुनें।

(1) **(A)** और **(R)** दोनों सही हैं और **(R)** सही व्याख्या करता है **(A)** की।

(2) **(A)** और **(R)** दोनों सही हैं लेकिन **(R)** सही व्याख्या नहीं है **(A)** की।

(3) **(A)** सही है लेकिन **(R)** गलत है।

(4) **(A)** और **(R)** दोनों गलत हैं।

[Question ID = 54][Question Description = S12_CDP_Q024]

1. 1 [Option ID = 213]
2. 2 [Option ID = 214]
3. 3 [Option ID = 215]
4. 4 [Option ID = 216]

25)

Charu studies only to get passing marks in all the subjects and has no interest in any of the subjects. She is -

(1) Intrinsically motivated.

(2) Failure accepting learner.

(3) Mastery - oriented learner.

(4) Failure avoiding learner.

चारू की किसी विषय में कोई अभिरुचि नहीं है तथा वह केवल परीक्षा में उत्तीर्ण होने के लिए पढ़ती है। चारू :

(1) आंतरिक रूप से अभिप्रेरित है।

(2) असफलता स्वीकार्य विद्यार्थी है।

(3) महारत उन्मुख विद्यार्थी है।

(4) असफलता परिहार विद्यार्थी है।

[Question ID = 55][Question Description = S12_CDP_Q025]

1. 1 [Option ID = 217]
2. 2 [Option ID = 218]
3. 3 [Option ID = 219]
4. 4 [Option ID = 220]

26) Which of the following is **not** an effective strategy for learning ?

(1) Meaningless recitation

(2) Explaining to a peer

(3) Self - questioning

(4) Making concept maps

निम्नलिखित में से कौन–सी कार्यनीति अधिगम के लिए एक प्रभावी कार्यनीति **नहीं** है?

(1) अर्थहीन अनुवाचन

(2) अपने किसी साथी को समझाना

(3) स्वयं से प्रश्न करना

(4) अवधारणा–मानचित्र बनाना

[Question ID = 56][Question Description = S12_CDP_Q026]

1. 1 [Option ID = 221]
2. 2 [Option ID = 222]
3. 3 [Option ID = 223]
4. 4 [Option ID = 224]

27) In a middle school classroom emphasis should be on creating an environment of -

(1) Cooperation and collaboration

(2) Competition and individualism

(3) Drill and rote memorisation

(4) Fear and stress

मध्य विद्यालय की कक्षा में किस प्रकार का वातावरण बनाने पर जोर दिया जाना चाहिए?

(1) सहयोगात्मक और सहकारात्मक

(2) प्रतिस्पर्धात्मक और व्यक्तिवादी

(3) वेधन व रटना

(4) भय और तनाव

[Question ID = 57][Question Description = S12_CDP_Q027]

1. 1 [Option ID = 225]
2. 2 [Option ID = 226]
3. 3 [Option ID = 227]
4. 4 [Option ID = 228]

28)

Contemporary policies of education such as New Education Policy 2020 propose that learning should be :

(1) Teacher oriented

(2) Experiential

(3) Behaviourist

(4) Textbook centric

नई शिक्षा नीति 2020 जैसी समकालीन नीतियाँ सीखने के किस शिक्षाशास्त्र को प्रस्तावित करती हैं?

(1) शिक्षक केन्द्रित

(2) अनुभवात्मक

(3) व्यवहारवादी

(4) पाठ्यपुस्तक केंद्रित

[Question ID = 58][Question Description = S12_CDP_Q028]

1. 1 [Option ID = 229]
2. 2 [Option ID = 230]
3. 3 [Option ID = 231]
4. 4 [Option ID = 232]

29) What should be the sequence of introduction of new concepts to children ?

(1) Global to local

(2) Abstract to concrete

(3) Application based to conceptual understanding

(4) Familiar to unfamiliar

बच्चों को नई अवधारणाओं के परिचय का क्रम क्या होना चाहिए?

(1) वैश्विक से स्थानीय

(2) अमूर्त से ठोस

(3) अनुप्रयोग से संप्रत्यात्मक समझ

(4) अपरिचित से परिचित

[Question ID = 59][Question Description = S12_CDP_Q029]
1. 1 [Option ID = 233]
2. 2 [Option ID = 234]
3. 3 [Option ID = 235]
4. 4 [Option ID = 236]

30)

Meaningful learning of students at school is negatively influenced by __________ and positively influenced by __________.

(1) Exclusionary practices; learner - centred pedagogy

(2) Exclusionary practices; exam - oriented pedagogy

(3) Inclusive practices; exam - oriented pedagogy

(4) Inclusive practices; learner - centred pedalogy

विद्यालय में विद्यार्थियों का अर्थपूर्ण अधिगम __________ से नकारात्मक रूप से प्रभावित होता है और __________से सकारात्मक रूप से प्रभावित होता है।

(1) बहिष्करण प्रथाओं; शिक्षार्थी केंद्रित शिक्षाशास्त्र

(2) बहिष्करण प्रथाओं; परीक्षा–उन्मुख शिक्षाशास्त्र

(3) समावेशी प्रथाओं; परीक्षा–उन्मुख शिक्षाशास्त्र

(4) समावेशी प्रथाओं; शिक्षार्थी–केंद्रित शिक्षाशास्त्र

[Question ID = 60][Question Description = S12_CDP_Q030]
1. 1 [Option ID = 237]
2. 2 [Option ID = 238]
3. 3 [Option ID = 239]
4. 4 [Option ID = 240]

Topic:- SS_P2_CTET

1) Mesolithic period is marked by which of the following changes ?

(1) Development of grasslands

(2) Development of semi-arid zones

(3) Massive deforestation

(4) Colder temperature on the planet

मध्यपाषाण युग को निम्नलिखित में से किस परिवर्तन द्वारा अंकित किया गया ?

(1) घास वाले मैदान बनना

(2) अर्ध शुष्क क्षेत्रों का बनना

(3) अत्याधिक वनउन्मूलन

(4) ग्रह पर तापमान का और ठंडा होना

[Question ID = 121][Question Description = S12_Social Science_Q031]
1. 1 [Option ID = 481]
2. 2 [Option ID = 482]
3. 3 [Option ID = 483]
4. 4 [Option ID = 484]

2) Which among the following could be a valid reason for choosing a particular site to live by hunter-gatherers ?

(1) Availability of good quality stones

(2) Familiarity with the local tribes

(3) Fear of god and other forces

(4) Decision of the group leader

आखेटक-संग्राहकों द्वारा रहने के लिए एक विशेष स्थल का चयन करने हेतु वैद्य कारणों में से निम्नलिखित में कौन सा कारण हो सकता है?

(1) अच्छी गुणवत्ता वाले पत्थरों की उपलब्धता

(2) स्थानीय जनजातियों के साथ घनिष्ठता

(3) भगवान एवं अन्य शक्तियों का भय

(4) समूह के मुखिया का निर्णय

[Question ID = 122][Question Description = S12_Social Science_Q032]

1. 1 [Option ID = 485]
2. 2 [Option ID = 486]
3. 3 [Option ID = 487]
4. 4 [Option ID = 488]

3) In which of the following parts, mentioned in Sangam poems, evidence of trade was found on the East Coast ?

(1) Dharanikota

(2) Puhar

(3) Madurai

(4) Korkai

निम्नलिखित में से किस बन्दरगाह में, जिसका उल्लेख संगम कविताओं में मिलता है, पूर्वी तट पर व्यापार के प्रमाण मिलें हैं?

(1) धरणीकोटा

(2) पुहार

(3) मदुरै

(4) कोर्काई

[Question ID = 123][Question Description = S12_Social Science_Q033]

1. 1 [Option ID = 489]
2. 2 [Option ID = 490]
3. 3 [Option ID = 491]
4. 4 [Option ID = 492]

4) Match the following in the context of earliest cities in the Indian Sub-Continent and choose the appropriate option.

	List-I		List-II
(a)	Citadel	(i)	Lothal
(b)	Fire Altar	(ii)	Harappa
(c)	Store houses	(iii)	Kalibangan
(d)	Dockyard	(iv)	Mohenjodaro

(1) (a)-(iv), (b)-(iii), (c)-(ii), (d)-(i)
(2) (a)-(ii), (b)-(iv), (c)-(iii), (d)-(i)
(3) (a)-(iv), (b)-(i), (c)-(iii), (d)-(ii)
(4) (a)-(ii), (b)-(iii), (c)-(i), (d)-(iv)

भारतीय उपमहाद्वीप में प्रारंभिक नगरों के संदर्भ में निम्नलिखित का मिलान कीजिए और उपयुक्त विकल्प का चयन कीजिए :

	सूची - I		सूची - II
(a)	नगर-दुर्ग	(i)	लोथल
(b)	अग्निकुण्ड	(ii)	हड़प्पा
(c)	भंडार गृह	(iii)	कालीबंगा
(d)	बन्दरगाह	(iv)	मोहनजोदड़ो

(1) (a)-(iv), (b)-(iii), (c)-(ii), (d)-(i)
(2) (a)-(ii), (b)-(iv), (c)-(iii), (d)-(i)
(3) (a)-(iv), (b)-(i), (c)-(iii), (d)-(ii)
(4) (a)-(ii), (b)-(iii), (c)-(i), (d)-(iv)

[Question ID = 124][Question Description = S12_Social Science_Q034]

1. 1 [Option ID = 493]
2. 2 [Option ID = 494]
3. 3 [Option ID = 495]
4. 4 [Option ID = 496]

5) Read the statements **(A)** and **(R)** and choose the appropriate option.

Assertion (A) : Both Mahavira and Buddha laid emphasis on abandonment of homes in order to attain spiritual attainment.

Reason (R) : They felt that only those who left their homes to stay at Sangha could gain true knowledge.

(1) Both **(A)** and **(R)** are true and **(R)** is the correct explanation of **(A)**.
(2) Both **(A)** and **(R)** are true and **(R)** is not the correct explanation of **(A)**.
(3) **(A)** is true but **(R)** is false.
(4) **(A)** is false but **(R)** is true.

निम्नलिखित कथनों (A) और (R) को पढ़िए तथा उपयुक्त विकल्प का चयन कीजिए।

अभिकथन (A) : महावीर और बुद्ध दोनों ने आध्यात्मिक ज्ञान प्राप्ति के लिए घरों के त्याग पर बल दिया।

कारण (R) : उनका मानना था कि संघ में रहने के लिए अपने घरों का त्याग करने वाले ही सच्चा ज्ञान प्राप्त कर सकते हैं।

(1) **(A)** और **(R)** दोनों ही सही हैं तथा **(R), (A)** की सही व्याख्या है।

(2) **(A)** और **(R)** दोनों ही सही हैं तथा **(R), (A)** की सही व्याख्या नहीं है।

(3) **(A)** सही है परन्तु **(R)** गलत है

(4) **(A)** गलत है परन्तु **(R)** सही है

[Question ID = 125][Question Description = S12_Social Science_Q035]

1. 1 [Option ID = 497]
2. 2 [Option ID = 498]
3. 3 [Option ID = 499]
4. 4 [Option ID = 500]

6) Consider the following statements regarding Kathak and choose the appropriate option.

I. Kathak was performed in the court of Mughal emperors and their nobles.

II. Kathak began evolving into a distinct mode of dance in the 15th and 16th centuries.

III. Kathak was viewed with favour by most British administrators in 19th and 20th centuries.

Which of the statement(s) is/are correct ?

(1) Only I

(2) Only II

(3) Both I and II

(4) Both II and III

कथक के संबंध में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए तथा उपयुक्त विकल्प का चयन कीजिए।

I. मुग़ल सम्राटों एवं उनके अभिजातों के राजदरबार में कथक नृत्य प्रस्तुत किया जाता था।

II. पंद्रहवीं तथा सोलहवीं शताब्दियों में कथक एक विशिष्ट नृत्य शैली का रूप धारण करने लगा।

III. कथक को उन्नीसवीं तथा बीसवीं शताब्दियों में अधिकाँश ब्रिटिश प्रशासकों ने पसंद किया।

कौन सा/से कथन सही है/हैं?

(1) केवल I

(2) केवल II

(3) I और II दोनों

(4) II और III दोनों

[Question ID = 126][Question Description = S12_Social Science_Q036]

1. 1 [Option ID = 501]
2. 2 [Option ID = 502]
3. 3 [Option ID = 503]
4. 4 [Option ID = 504]

7) Read the statements **(A)** and **(R)** and choose the correct option :

(A) : Shankara was an advocate of Advaita or the doctrine of the Oneness of the individual soul and the supreme god which is the ultimate reality.

(R) : He considered the world around us to be an illusion (Maya), and preached renunciation of the world to attain salvation.

(1) Both **(A)** and **(R)** are true and **(R)** is the correct explanation of **(A)**.

(2) Both **(A)** and **(R)** are true but **(R)** is not the correct explanation of **(A)**.

(3) **(A)** is true but **(R)** is false.

(4) Both **(A)** and **(R)** are false.

कथन **(A)** तथा **(R)** को पढ़िए और सही विकल्प को चुनिए।

(A) : शंकर अद्वैत के समर्थक थे, जिसके अनुसार जीवात्मा और परमात्मा जो कि परम सत्य है, दोनों एक ही हैं।

(R) : शंकर ने हमारे चारों ओर के संसार को मिथ्या(माया) माना और मोक्ष प्राप्त करने के लिए संसार का परित्याग करने का उपदेश दिया।

(1) **(A)** और **(R)** दोनों ही सही हैं और **(R)** सही व्याख्या करता है **(A)** की।

(2) **(A)** और **(R)** दोनों सही हैं लेकिन **(R)** सही व्याख्या नहीं है **(A)**की।

(3) **(A)** सही है लेकिन **(R)** गलत है।

(4) **(A)** और **(R)** दोनों गलत हैं।

[Question ID = 127][Question Description = S12_Social Science_Q037]

1. 1 [Option ID = 505]
2. 2 [Option ID = 506]
3. 3 [Option ID = 507]
4. 4 [Option ID = 508]

8) Under which of the following system Sikhs offered protection to cultivators on the payment of a tax of 20% of the produce ?

(1) Jatha

(2) Khalsa

(3) Chauth

(4) Rakhi

निम्नलिखित में से किस व्यवस्था के अंतर्गत सिखों ने किसानों से उनकी उपज का 20 प्रतिशत कर के रूप में लेकर बदले में उन्हें संरक्षण प्रदान किया ?

(1) जत्था

(2) खालसा

(3) चौथ

(4) राखी

[Question ID = 128][Question Description = S12_Social Science_Q038]

1. 1 [Option ID = 509]
2. 2 [Option ID = 510]
3. 3 [Option ID = 511]
4. 4 [Option ID = 512]

9) Which of the following social reformers used the ancient texts to suggest that widows could remarry ?

(1) Swami Dayanand Saraswati

(2) Raja Rammohan Roy

(3) Veerasalingam Pantulu

(4) Ishwarchand Vidyasagar

निम्नलिखित में से किस समाज सुधारक ने प्राचीन ग्रंथों का उपयोग यह सुझाव देने के लिए किया कि विधवाएँ पुनर्विवाह कर सकती हैं?

(1) स्वामी दयानंद सरस्वती

(2) राजा राममोहन राय

(3) वीरसालिंगम पंतुलु

(4) ईश्वरचंद विद्यासागर

[Question ID = 129][Question Description = S12_Social Science_Q039]

1. 1 [Option ID = 513]
2. 2 [Option ID = 514]
3. 3 [Option ID = 515]
4. 4 [Option ID = 516]

10) Why in some schools of Bombay Presidency in the 1820's, young students belonging to certain castes were allowed to sit down only in the veranda outside the classroom and listen to the lessons ?

(A) Because they did not pay the fees

(B) Because they were making unnecessary noise when the class was going

(C) It was felt that allowing those students would pollute the classroom where students of other castes were taught

Options :

(1) Only (A) was true

(2) Only (C) was true

(3) Both (A) and (C) were true

(4) Both (A) and (B) were true

1820 के बाद के वर्षों में मुंबई प्रेसीडेंसी के कई विद्यालयों में क्यों कुछ जातियों के किशोर विद्यार्थियों को केवल कक्षा के बाहर बरामदे में बैठने और पाठों को सुनने की अनुमति दी गई थी?

(A) क्योंकि उन्होंने फीस नही दी थी।

(B) क्योंकि जब कक्षा में पाठ पढ़ाया जा रहा था तब वे अनावश्यक शोर कर रहे थे।

(C) यह महसूस किया गया कि ये विद्यार्थी उस कक्षाकक्ष को प्रदूषित कर देंगें जहाँ अन्य जातियों के विद्यार्थियों को पढ़ाया जा रहा है।

विकल्प :

(1) केवल (A) सत्य है

(2) केवल (C) सत्य है

(3) (A) और (C) दोनों सत्य हैं

(4) (A) और (B) दोनों सत्य हैं।

[Question ID = 130][Question Description = S12_Social Science_Q040]

1. 1 [Option ID = 517]
2. 2 [Option ID = 518]
3. 3 [Option ID = 519]
4. 4 [Option ID = 520]

11) What was the purpose of Parmahans Mandali founded in Bombay in 1840 ?

(1) Abolition of Caste

(2) Abolition of Sati

(3) Abolition of Purdah

(4) Abolition of Child Marriage

बम्बई में 1840 में गठित परमहंस मंडली का उद्धेश्य क्या था?

(1) जाति प्रथा का उन्मूलन

(2) सती प्रथा का उन्मूलन

(3) पर्दा प्रथा का उन्मूलन

(4) बाल विवाह प्रथा का उन्मूलन

[Question ID = 131][Question Description = S12_Social Science_Q041]

1. 1 [Option ID = 521]
2. 2 [Option ID = 522]
3. 3 [Option ID = 523]
4. 4 [Option ID = 524]

12) Match the following in the context of nationalism and art and choose the appropriate option.

	A		B
(a)	Krishna Sandhan	(i)	Nandlal Bose
(b)	Jatugriha Daha	(ii)	Abanindranath Tagore
(c)	My Mother	(iii)	Okakura Kakuzo
(d)	The Ideals of the East	(iv)	Raja Ravi Varma

Codes :

(1) (a)-(ii), (b)-(iii), (c)-(i), (d)-(iv)
(2) (a)-(iv), (b)-(ii), (c)-(iii), (d)-(i)
(3) (a)-(iv), (b)-(i), (c)-(ii), (d)-(iii)
(4) (a)-(iii), (b)-(iv), (c)-(ii), (d)-(i)

राष्ट्रवाद और कला के संबंध में निम्नलिखित का मिलान कीजिए, और उपयुक्त विकल्प का चुनाव कीजिए।

	A		B
(a)	कृष्ण संधान	(i)	नंदलाल बोस
(b)	जातुगृह दाह	(ii)	अबनिंद्रनाथ टैगोर
(c)	मेरी माँ	(iii)	ओकाकुरा काकुज़ो
(d)	पूर्व के आदर्श	(iv)	राजा रवि वर्मा

विकल्प :

(1) (a)-(ii), (b)-(iii), (c)-(i), (d)-(iv)
(2) (a)-(iv), (b)-(ii), (c)-(iii), (d)-(i)
(3) (a)-(iv), (b)-(i), (c)-(ii), (d)-(iii)
(4) (a)-(iii), (b)-(iv), (c)-(ii), (d)-(i)

[Question ID = 132][Question Description = S12_Social Science_Q042]

1. 1 [Option ID = 525]
2. 2 [Option ID = 526]
3. 3 [Option ID = 527]
4. 4 [Option ID = 528]

13) Match the territory which were annexed by the East India Company using the Doctrine of Lapse and choose the appropriate option.

	List-I		List-II
(a)	Satara	(i)	1848
(b)	Sambalpur	(ii)	1853
(c)	Nagpur	(iii)	1850
(d)	Udaipur	(iv)	1852

Codes :

(1) (a)-(i), (b)-(ii), (c)-(iii), (d)-(iv)
(2) (a)-(ii), (b)-(iv), (c)-(iii), (d)-(i)
(3) (a)-(ii), (b)-(i), (c)-(iv), (d)-(iii)
(4) (a)-(i), (b)-(iii), (c)-(ii), (d)-(iv)

विलय नीति का प्रयोग करके ईस्ट इंडिया कंपनी द्वारा अधिग्रहित किए गए भूभागों का सुमेल कीजिए और उपयुक्त विकल्प का चयन कीजिए।

	सूची - I		सूची - II
(a)	सतारा	(i)	1848
(b)	संबलपुर	(ii)	1853
(c)	नागपुर	(iii)	1850
(d)	उदयपुर	(iv)	1852

संकेत :

(1) (a)-(i), (b)-(ii), (c)-(iii), (d)-(iv)

(2) (a)-(ii), (b)-(iv), (c)-(iii), (d)-(i)

(3) (a)-(ii), (b)-(i), (c)-(iv), (d)-(iii)

(4) (a)-(i), (b)-(iii), (c)-(ii), (d)-(iv)

[Question ID = 133][Question Description = S12_Social Science_Q043]

1. 1 [Option ID = 529]
2. 2 [Option ID = 530]
3. 3 [Option ID = 531]
4. 4 [Option ID = 532]

14) Consider the following statements regarding the creation of Linguistic States after India became Independent nation.

I. Jawaharlal Nehru and Vallabhbhai Patel were against the creation of Linguistic States.

II. Andhra Pradesh became the first state based on Linguistic ideas.

III. States Reorganisation Commission was setup in 1952.

Which of the above statement(s) is/are correct ?

(1) Only I

(2) Only II

(3) Both I and II

(4) Both II and III

भारत के स्वतंत्र राष्ट्र बनने के बाद भाषा के आधार पर राज्यों के गठन के संदर्भ में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए। निम्न कथनों में से कौन सा/से कथन सही है/हैं?

I. जवाहरलाल नेहरू और वल्लभभाई पटेल भाषा के आधार पर राज्यों के गठन के विरूद्ध थे।

II. आंध्रप्रदेश भाषायी विचारों पर आधारित पहला राज्य बना।

III. 1952 में राज्य पुनर्गठन आयोग का गठन किया गया।

उपर्युक्त में से कौन–सा कथन **सही** है/हैं?

(1) केवल I

(2) केवल II

(3) I और II दोनों

(4) II और III दोनों

[Question ID = 134][Question Description = S12_Social Science_Q044]

1. 1 [Option ID = 533]

2. 2 [Option ID = 534]
3. 3 [Option ID = 535]
4. 4 [Option ID = 536]

15) Which of the following planets in our Solar System have rings around them ?

(1) Jupiter, Saturn and Uranus
(2) Saturn, Uranus and Neptune
(3) Mars, Jupiter and Neptune
(4) Mars, Jupiter and Saturn

हमारे सौर मंडल के कौनसे ग्रहों के चारों और छल्ले हैं?

(1) बृहस्पति, शनि तथा यूरेनस
(2) शनि, यूरेनस तथा नेप्च्यून
(3) मंगल, बृहस्पति तथा नेप्च्यून
(4) मंगल, बृहस्पति तथा शनि

[Question ID = 135][Question Description = S12_Social Science_Q045]

1. 1 [Option ID = 537]
2. 2 [Option ID = 538]
3. 3 [Option ID = 539]
4. 4 [Option ID = 540]

16) The International Date Line coincides with :

(1) Longitude of 180°
(2) Longitude of 90°
(3) Longitude of 0°
(4) Latitude of 0°

अन्तर्राष्ट्रीय तिथि रेखा मेल खाती है :

(1) 180° देशांतर के साथ
(2) 90° देशांतर के साथ
(3) 0° देशांतर के साथ
(4) 0° अक्षांश के साथ

[Question ID = 136][Question Description = S12_Social Science_Q046]

1. 1 [Option ID = 541]
2. 2 [Option ID = 542]
3. 3 [Option ID = 543]
4. 4 [Option ID = 544]

17) Consider the following statements on 22nd December and choose the correct option.

(A) Tropic of Cancer receives direct rays of the Sun.

(B) Sun rays falls vertically at the Tropic of Cancer.

(C) Large portion of Southern Hemisphere gets light.

(D) It is summer season in the Southern Hemisphere.

Options :

(1) Only statement (A) is correct.

(2) Only statements (B) and (C) are correct.

(3) Statements (A), (B), (C) and (D) are correct.

(4) Only (C) and (D) are correct.

22 दिसंबर से संबंधित निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए तथा सही विकल्प का चयन कीजिए।

(A) कर्क रेखा सूर्य की सीधी किरणें प्राप्त करती है

(B) सूर्य की किरणें कर्क रेखा पर लंबवत् पड़ती हैं

(C) दक्षिणी गोलार्ध के बहुत बड़े भाग में सूर्य की रोशनी प्राप्त होती हैं

(D) दक्षिणी गोलार्ध में ग्रीष्म ऋतु होती है

विकल्प :

(1) केवल कथन (A) सही है

(2) केवल (B) और (C) कथन सही हैं

(3) कथन (A), (B), (C) और (D) सही हैं

(4) केवल कथन (C) और (D) सही हैं

[Question ID = 137][Question Description = S12_Social Science_Q047]

1. 1 [Option ID = 545]
2. 2 [Option ID = 546]
3. 3 [Option ID = 547]
4. 4 [Option ID = 548]

18) What do large scale maps show ?

(1) Villages and town localities

(2) States and countries

(3) Continents and oceans

(4) Climatic regions of the world

बड़े पैमाने वाले मानचित्र क्या दर्शाते हैं?

(1) गाँव और शहरी इलाके

(2) राज्य और देश

(3) महाद्वीप और सागर

(4) विश्व के जलवायु संबंधी क्षेत्र

[Question ID = 138][Question Description = S12_Social Science_Q048]

1. 1 [Option ID = 549]
2. 2 [Option ID = 550]
3. 3 [Option ID = 551]
4. 4 [Option ID = 552]

19) What forms an ecosystem ?

(A) The relation between living organisms.

(B) The relation between organisms and surroundings.

(C) Relation between elements of nature.

Options :

(1) (A) and (B) only

(2) (B) and (C) only

(3) (A) and (C) only

(4) (B) only

परितंत्र की रचना क्या करता है?

(A) जीवधारियों के बीच के पारस्परिक संबंध

(B) जीवधारियों और आस-पास के वातावरण के बीच के संबंध

(C) प्रकृति के तत्त्वों के बीच के संबंध

विकल्प :

(1) केवल (A) और (B)

(2) केवल (B) और (C)

(3) केवल (A) और (C)

(4) केवल (B)

[Question ID = 139][Question Description = S12_Social Science_Q049]

1. 1 [Option ID = 553]
2. 2 [Option ID = 554]
3. 3 [Option ID = 555]
4. 4 [Option ID = 556]

20) Consider the following pairs :

	River		Continents
I.	Mississippi	-	North America
II.	Amazon	-	South America
III.	Orange	-	Asia
IV.	Darling	-	Australia

How many of the above mentioned pairs are correctly matched ?

(1) Only one

(2) Only two

(3) All four pairs

(4) Only three

निम्नलिखित युग्मों पर विचार कीजिए :

	नदी		महाद्वीप
I.	मिसीसिपी	-	उत्तरी अमेरिका
II.	अमेजन	-	दक्षिणी अमेरिका
III.	आरेंज	-	एशिया
IV.	डार्लिंग	-	ऑस्ट्रेलिया

उपर्युक्त में कितने युग्म सुमेलित है?

(1) केवल एक

(2) केवल दो

(3) सभी चारों

(4) केवल तीन

[Question ID = 140][Question Description = S12_Social Science_Q050]

1. 1 [Option ID = 557]
2. 2 [Option ID = 558]
3. 3 [Option ID = 559]
4. 4 [Option ID = 560]

21) Tropical deserts are located on __________.

(1) western margins of the continents

(2) eastern margins of the continents

(3) mid of the continents

(4) northern margins of the continents

उष्णकटिबंधीय रेगिस्तान पाए जाते हैं :

(1) महाद्वीपों के पश्चिमी किनारों पर

(2) महाद्वीपों के पूर्वी किनारों पर

(3) महाद्वीपों के मध्य में

(4) महाद्वीपों के उत्तरी किनारों पर

[Question ID = 141][Question Description = S12_Social Science_Q051]

1. 1 [Option ID = 561]
2. 2 [Option ID = 562]
3. 3 [Option ID = 563]
4. 4 [Option ID = 564]

22) Consider the following statements about stratosphere and choose statements which are true.

(A) This layer is almost free from clouds.

(B) It contains a layer of ozone gas.

(C) It extends upto a height of 50 kms.

Options :

(1) (A) and (B)

(2) (B) and (C)

(3) (A) and (C)

(4) (A), (B) and (C)

समतापमंडल के बारे में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए और सही कथनों का चयन कीजिए।

(A) यह परत बादलों से लगभग मुक्त होती है।

(B) इसमें ओज़ोन गैस की परत होती है।

(C) 50 किलोमीटर की ऊँचाई तक इसका विस्तार होता है।

विकल्प :

(1) (A) तथा (B)

(2) (B) तथा (C)

(3) (A) तथा (C)

(4) सभी (A), (B) तथा (C)

[Question ID = 142][Question Description = S12_Social Science_Q052]

1. 1 [Option ID = 565]
2. 2 [Option ID = 566]
3. 3 [Option ID = 567]
4. 4 [Option ID = 568]

23) Read the given statements about high tides and identify which among the following is/ are correct ?

(A) High tides help in navigation.

(B) High tides help in fishing.

(1) Both (A) and (B) are true.

(2) Both (A) and (B) are false.

(3) (A) is true but (B) is false.

(4) (A) is false, (B) is true.

उच्च ज्वार के बारे में दिए गए निम्न कथनों को पढिए तथा पहचान कीजिए कौन सा/से कथन सही हैं?

(A) उच्च ज्वार नौसंचालन में सहायक होती है।

(B) उच्च ज्वार मछली पकड़ने में सहायक होते हैं।

(1) (A) और (B) दोनों सही हैं।

(2) (A) और (B) दोनों गलत हैं।

(3) (A) सही है लेकिन (B) गलत है।

(4) (A) गलत है लेकिन (B) सही है।

[Question ID = 143][Question Description = S12_Social Science_Q053]

1. 1 [Option ID = 569]
2. 2 [Option ID = 570]
3. 3 [Option ID = 571]
4. 4 [Option ID = 572]

24) What is river's mouth ?

(1) Place from which river originates.

(2) Place where one river joins another river.

(3) Place where the river joins another water body.

(4) Place where river dries out during dry season.

नदी का मुहाना क्या होता है?

(1) वह स्थान जहाँ से नदी का उद्‌गम होता है

(2) वह स्थान जहाँ एक नदी दूसरी नदी से मिलती है

(3) वह स्थान जहाँ कोई नदी किसी अन्य जल राशि से मिलती है

(4) वह स्थान जहाँ नदी शुष्क मौसम में सूख जाती है

[Question ID = 144][Question Description = S12_Social Science_Q054]

1. 1 [Option ID = 573]
2. 2 [Option ID = 574]
3. 3 [Option ID = 575]
4. 4 [Option ID = 576]

25) Which country is a leading producer of coal in the world ?

(1) India

(2) Indonesia

(3) China

(4) Australia

विश्व में कौन सा देश कोयले का अग्रणी उत्पादक है?

(1) भारत

(2) इंडोनेशिया

(3) चीन

(4) ऑस्ट्रेलिया

[Question ID = 145][Question Description = S12_Social Science_Q055]

1. 1 [Option ID = 577]
2. 2 [Option ID = 578]

3. 3 [Option ID = 579]
4. 4 [Option ID = 580]

26) On the basis of development and use, resources can be classified as :

(A) Actual resources
(B) Potential resources
(C) Localised resources
(D) Abiotic resources

Options :

(1) (A), (B) and (C) only
(2) (A) and (B) only
(3) (B) and (C) only
(4) (C) and (D) only

विकास एवं उपयोगों के आधार पर संसाधनों को निम्नलिखित में वर्गीकृत किया जा सकता है :

(A) वास्तविक संसाधन
(B) संभावित संसाधन
(C) स्थानीय संसाधन
(D) अजैविक संसाधन

विकल्प :

(1) केवल (A), (B) तथा (C)
(2) केवल (A) तथा (B)
(3) केवल (B) तथा (C)
(4) केवल (C) तथा (D)

[Question ID = 146][Question Description = S12_Social Science_Q056]

1. 1 [Option ID = 581]
2. 2 [Option ID = 582]
3. 3 [Option ID = 583]
4. 4 [Option ID = 584]

27) Type of farming wherein people move from place to place with their animals for fodder and water, is known as :

(1) Intensive Subsistence Farming
(2) Shifting Cultivation
(3) Nomadic Herding
(4) Mixed Farming

ऐसी कृषि जिसमें पशुचारक अपने पशुओं के साथ चारे और पानी के लिए एक स्थान से दूसरे स्थान पर घूमते हैं, क्या कहलाती है?

(1) गहन निर्वाह कृषि

(2) स्थानांतरी कृषि

(3) चलवासी पशुचारण

(4) मिश्रित कृषि

[Question ID = 147][Question Description = S12_Social Science_Q057]

1. 1 [Option ID = 585]
2. 2 [Option ID = 586]
3. 3 [Option ID = 587]
4. 4 [Option ID = 588]

28) The following are considered to be a part of diversity of India :

(A) Different ways in which people get married.

(B) In Jharkhand people use johar to greet each other.

(C) Different culture influences and shape life of people.

(D) Symbols of the nation symbolises diversity.

Which of the above statements are **correct** ?

(1) (A) and (B) only

(2) (A) and (C) only

(3) (A), (B) and (C) only

(4) (A), (B), (C) and (D)

निम्नलिखित को भारत की विविधता का हिस्सा माना गया है :

(A) लोगों के विवाह करने के भिन्न-भिन्न तरीके।

(B) झारखंड में लोग एक दूसरे का अभिवादन करने के लिए जोहार का प्रयोग करते हैं।

(C) विभिन्न संस्कृतियाँ लोगों के जीवन को प्रभावित करती हैं।

(D) राष्ट्र के चिह्न (प्रतीक) विविधता को दर्शाते हैं।

उपरोक्त में से कौन से कथन सही हैं?

(1) केवल (A) और (B)

(2) केवल (A) और (C)

(3) केवल (A), (B) और (C)

(4) (A), (B), (C) और (D)

[Question ID = 148][Question Description = S12_Social Science_Q058]

1. 1 [Option ID = 589]
2. 2 [Option ID = 590]
3. 3 [Option ID = 591]
4. 4 [Option ID = 592]

29) Stereotyping particular communities i.e. Adivasis may lead people to _______ against such groups.

(A) Appreciate

(B) Make biased opinions

(C) Discriminate

(D) Ridicule

Choose the appropriate option :

(1) (A), (B) and (C)

(2) (B), (C) and (D)

(3) (A), (C) and (D)

(4) (A), (B) and (D)

विशेष समुदाय जैसे कि आदिवासियों को रुढ़िबद्ध करना इन लोगों के विरुद्ध _______ पैदा कर सकते है।

(A) सराहना

(B) पक्षपाती राय बनाना

(C) भेद भाव करना

(D) उपहास

उपयुक्त विकल्प का चुनाव कीजिए :

(1) (A), (B) तथा (C)

(2) (B), (C) तथा (D)

(3) (A), (C) तथा (D)

(4) (A), (B) तथा (D)

[Question ID = 149][Question Description = S12_Social Science_Q059]

1. 1 [Option ID = 593]
2. 2 [Option ID = 594]
3. 3 [Option ID = 595]
4. 4 [Option ID = 596]

30) The statement "The provision of Separation of Powers strives to ensure harmony among the three organs of government viz the executive, the legislature and the judiciary" implies :

(A) each organ acts as a check on the other organs of government

(B) all three organs work under their defined jurisdictions

(C) this provision protects rights and liberties of the Indian citizens

(D) this provision ensures smooth transactions among the central and the state governments.

Choose the **correct** answer :

(1) (A) and (C)

(2) (B) and (C)

(3) (A) and (B)

(4) (C) and (D)

कथन ''शक्तियों के बँटवारे का प्रावधान, सरकार के तीनों अंगों, कार्यपालिका, विधायिका और न्यायपालिका के बीच समन्वय सुनिश्चित करने के लिए प्रयासरत है'' दर्शाता है :

(A) प्रत्येक अंग सरकार के दूसरे अंगों पर अंकुश रखता है

(B) तीनों अंग अपने परिभाषित क्षेत्राधिकारों के तहत काम करते हैं

(C) यह प्रावधान भारतीय नागरिकों के अधिकारों और आज़ादी की रक्षा करता है

(D) यह प्रावधान केन्द्र और राज्य सरकारों के बीच सुगम लेन-देनों (व्यवहारों) को सुनिश्चित करता है

सही उत्तर का चयन कीजिए :

(1) (A) और (C)

(2) (B) और (C)

(3) (A) और (B)

(4) (C) और (D)

[Question ID = 150][Question Description = S12_Social Science_Q060]

1. 1 [Option ID = 597]
2. 2 [Option ID = 598]
3. 3 [Option ID = 599]
4. 4 [Option ID = 600]

31) The President of India is the Head of the ___________.

(1) State

(2) Government

(3) Parliament

(4) Union Cabinet

भारत का राष्ट्रपति मुखिया होता है ___________ का।

(1) राज्य

(2) सरकार

(3) संसद

(4) संघीय मंत्रीमंडल

[Question ID = 151][Question Description = S12_Social Science_Q061]

1. 1 [Option ID = 601]
2. 2 [Option ID = 602]
3. 3 [Option ID = 603]
4. 4 [Option ID = 604]

32) In which of the following situations a landless agricultural labourer may not be engaged ?

(i) Making baskets at home
(ii) Construction sites
(iii) Supervising a garment factory
(iv) Collecting firewood from forests

(1) (i) and (ii)
(2) Only (ii)
(3) Only (iii)
(4) (i), (ii) and (iii)

निम्न में से किस स्थिति में भूमिहीन खेतिहर मजदूर के पाए जाने की संभावना कम है?

(i) घर में टोकरी बनाने में
(ii) निर्माण स्थल
(iii) कपड़ा फैक्ट्री में सुपरवाइजर के रूप में
(iv) जंगल से लकड़ियां चुनने में

(1) (i) और (ii)
(2) केवल (ii)
(3) केवल (iii)
(4) (i), (ii) और (iii)

[Question ID = 152][Question Description = S12_Social Science_Q062]

1. 1 [Option ID = 605]
2. 2 [Option ID = 606]
3. 3 [Option ID = 607]
4. 4 [Option ID = 608]

33) Consider the following statements in reference to Bhopal Gas Tragedy and choose the correct option.

(A) In 1984, there were very no laws protecting the environment of India.
(B) Supreme Court held that the Right to Life is a Fundamental Right under Article 21 of the Constitution and it includes the right to the consumption of pollution-free water and air.

(1) Both (A) and (B) are true.
(2) Both (A) and (B) are false.
(3) (A) is true but (B) is false.
(4) (A) is false but, (B) is true.

भोपाल गैस त्रासदी के संदर्भ में निम्न कथनों पर विचार करें और सही विकल्प चुनें।

(A) 1984 में भारत में पर्यावरण की रक्षा के लिए कोई भी कानून नहीं था।

(B) सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि जीवन का अधिकार संविधान के अनुच्छेद 21 के तहत एक मौलिक अधिकार है और इसमें प्रदूषण-मुक्त हवा और पानी का अधिकार भी शामिल है।

(1) (A) और (B) दोनों सही हैं।

(2) (A) और (B) दोनों गलत हैं।

(3) (A) सही है लेकिन (B) गलत है।

(4) (A) गलत है लेकिन (B) सही है।

[Question ID = 153][Question Description = S12_Social Science_Q063]

1. 1 [Option ID = 609]
2. 2 [Option ID = 610]
3. 3 [Option ID = 611]
4. 4 [Option ID = 612]

34) Which of the following will be instrumental in realizing gender equality at work places ?

(A) Setting up of child-care centre

(B) Equal pay

(C) Less working hours for female employees

Choose the **correct** option :

(1) Both (A) and (C) are true.

(2) Both (A) and (B) are true.

(3) Both (A) and (C) are false.

(4) Both (A) and (B) are false.

निम्नलिखित में से कौन सा/से कार्य-स्थल पर लैंगिक समानता का बोध करवाने सहायक होगा?

(A) शिशु-देखभाल केंद्र की स्थापना करना

(B) समान वेतन

(C) महिला कर्मचारियों के लिए कार्य के कम घंटे

सही विकल्प का चयन कीजिए :

(1) (A) और (C) दोनों सही हैं

(2) (A) और (B) दोनों सही हैं

(3) (A) और (C) दोनों गलत हैं

(4) (A) और (B) दोनों गलत हैं

[Question ID = 154][Question Description = S12_Social Science_Q064]

1. 1 [Option ID = 613]
2. 2 [Option ID = 614]
3. 3 [Option ID = 615]
4. 4 [Option ID = 616]

35) Read the following statements **(A)** and **(R)** and choose the appropriate option.

Assertion (A) : Women are often paid less than men in many workplaces.

Reason (R) : Men are physically stronger than women.

(1) Both **(A)** and **(R)** are true and **(R)** is the correct explanation of **(A)**.

(2) Both **(A)** and **(R)** are true but **(R)** is not the correct explanation of **(A)**.

(3) **(A)** is true but **(R)** is false.

(4) Both **(A)** and **(R)** are false.

निम्नलिखित कथनों **(A)** और **(R)** को पढ़िए तथा उपयुक्त विकल्प का चयन कीजिए।

अभिकथन (A) : बहुत से कार्य–स्थलों में पुरूषों की तुलना में महिलाओं को प्राय: कमतर भुगतान किया जाता है।

विवेचना (R) : महिलाओं की तुलना में पुरूष शारीरिक रूप से ज्यादा तगड़े होते हैं।

(1) **(A)** और **(R)** दोनों सही हैं तथा **(R)**, **(A)** की सही व्याख्या है

(2) **(A)** और **(R)** दोनों सही हैं परन्तु **(R)**, **(A)** की सही व्याख्या नहीं है

(3) **(A)** सही है परन्तु **(R)** गलत है

(4) **(A)** और **(R)** दोनों गलत हैं

[Question ID = 155][Question Description = S12_Social Science_Q065]

1. 1 [Option ID = 617]
2. 2 [Option ID = 618]
3. 3 [Option ID = 619]
4. 4 [Option ID = 620]

36) Three organs of government exercising different powers is called _________ .

(1) Division of powers

(2) Centripetalism

(3) Separation of powers

(4) Confederation

सरकार के तीनों अंग भिन्न–भिन्न अधिकारों का पालन करते हैं, यह _________ कहलाता है।

(1) शक्तियों का विभाजन

(2) अभिकेंद्रीवाद

(3) शक्तियों का बँट्वारा

(4) राज्यसंघ

[Question ID = 156][Question Description = S12_Social Science_Q066]

1. 1 [Option ID = 621]
2. 2 [Option ID = 622]
3. 3 [Option ID = 623]
4. 4 [Option ID = 624]

37) Which of the following became a part of Fundamental Duties in the year 2002 ?

(1) Value and preserve the rich heritage of our composite culture.

(2) Provide opportunities for education to child or ward between the age of six to fourteen years by parent or guardian.

(3) Uphold and protect the Sovereignty Unity and Integrity of India.

(4) Safeguard public property and to abjure violence.

निम्नलिखित में से कौन सा विकल्प वर्ष 2002 में मौलिक कर्तव्यों का हिस्सा बना?

(1) हमारी मिश्रित संस्कृति की समृद्ध धरोहर को सम्मान (मान) देना और सुरक्षित रखना

(2) माता-पिता या अभिभावक द्वारा छः से चौदह वर्ष के बच्चों को शिक्षा के अवसर प्रदान करना

(3) भारत की संप्रभुता, एकता और अखंडता को संभालना और सुरक्षित रखना

(4) जन संपत्ति की सुरक्षा करना और शपथपूर्वक हिंसा को त्याग देना

[Question ID = 157][Question Description = S12_Social Science_Q067]

1. 1 [Option ID = 625]
2. 2 [Option ID = 626]
3. 3 [Option ID = 627]
4. 4 [Option ID = 628]

38) Under what condition the Judiciary has the power to strike down laws passed by the Parliament in India ?

(1) When law passed by the Parliament violates the basic structure of the Constitution.

(2) When the President instructs the Judiciary to do so.

(3) When law passed by Parliament is not supported by certain groups.

(4) When the process of passing the law is not inclusive.

किस स्थिति में भारत में न्यायपालिका के पास अधिकार है कि वह संसद द्वारा पारित कानून को रद्द कर सकती है?

(1) जब संसद द्वारा पारित कोई कानून संविधान के आधारभूत ढाँचे का उल्लंघन करता है।

(2) जब राष्ट्रपति न्यायपालिका को ऐसा करने के लिए निर्देश देता है।

(3) जब संसद द्वारा पारित कानून को कुछ समूहों द्वारा समर्थन नहीं मिलता।

(4) जब कानून पारित करने की प्रक्रिया समावेशी नहीं होती है।

[Question ID = 158][Question Description = S12_Social Science_Q068]

1. 1 [Option ID = 629]
2. 2 [Option ID = 630]
3. 3 [Option ID = 631]
4. 4 [Option ID = 632]

39) The marginalisation of certain groups in society is likely because they ________ .

(A) speak a different language.

(B) follow different customs than the mainstream.

(C) belong to a unacceptable social group.

(D) belong to a different religious group from the majority community.

Choose the **correct** option :

(1) (A), (B), (C) and (D)

(2) (A), (B) and (C)

(3) (B), (C) and (D)

(4) (A), (B) and (D)

समाज में कुछ समूहों का हाशियाकरण संभावनीय है क्योंकि वे ________ ।

(A) भिन्न भाषा बोलते हैं

(B) मुख्यधारा से भिन्न दूसरी प्रथाओं का अनुसरण करते हैं

(C) अस्वीकार्य सामाजिक समूह से आते हैं

(D) बहुसंख्यक समुदाय के मुकाबले किसी दूसरे धर्म से होते हैं

सही विकल्प का चयन कीजिए :

(1) (A), (B), (C) तथा (D)

(2) (A), (B) तथा (C)

(3) (B), (C) तथा (D)

(4) (A), (B) तथा (D)

[Question ID = 159][Question Description = S12_Social Science_Q069]

1. 1 [Option ID = 633]
2. 2 [Option ID = 634]
3. 3 [Option ID = 635]
4. 4 [Option ID = 636]

40) Choose the **incorrect** statement from the following statements regarding Adivasis and Development.

(1) Adivasis have been increasingly compelled to migrate to live as workers in plantations, domestic workers, etc. due to various forces.

(2) Adivasis lose only source of income when they are displaced.

(3) Apart from losing source of income Adivasis lose their traditions and custom when they are displaced.

(4) When Adivasis are displaced, they often get caught in a cycle of poverty and deprivation.

आदिवासियों और विकास के संबंध में निम्नलिखित कथनों में से **गलत** कथन का चयन कीजिए।

(1) विभिन्न कारणों से आदिवासियों को बगानों मे मजदूरों, घरेलू कर्मचारी आदि के रूप मे जीने के लिए प्रवास करने हेतु अधिकाधिक विवश किया गया

(2) आदिवासियों को जब विस्थापित किया जाता है तो उनका आय का एकमात्र स्रोत भी छिन जाता है

(3) जब, उन्हें विस्थापित किया जाता है तब आदिवासी अपने आय के स्रोत के साथ–साथ अपनी परंपराओं और प्रथाओं (रीति) को भी गवाँ देते हैं

(4) जब आदिवासियों को विस्थापित किया जाता है तब प्राय: वे गरीबी और अभाव के जाल में फँसते चले जाते हैं

[Question ID = 160][Question Description = S12_Social Science_Q070]

1. 1 [Option ID = 637]
2. 2 [Option ID = 638]
3. 3 [Option ID = 639]
4. 4 [Option ID = 640]

41) NCERT's history part of Social Science textbooks for class 6-8 are titled as "Our Pasts" What does the Book title "Our pasts" indicate ?

(1) Past was different for different group of people

(2) Past was only about people lived in India

(3) Past was static in nature

(4) Past was about important rulers

6 - 8 कक्षा के लिए NCERT की सामाजिक विज्ञान की पाठ्यपुस्तकों के इतिहास वाले भाग को ''हमारे अतीत'' का शीर्षक दिया गया है।

पुस्तक का शीर्षक ''हमारे अतीत'' किस ओर संकेत करता है?

(1) लोगों के भिन्न–भिन्न समूहों के लिए अतीत भिन्न था।

(2) अतीत केवल भारत में रहने वालो के बारे में था।

(3) अतीत प्रकृति में स्थिर था।

(4) अतीत महत्त्वपूर्ण शासकों के बारे में था।

[Question ID = 161][Question Description = S12_Social Science_Q071]

1. 1 [Option ID = 641]
2. 2 [Option ID = 642]
3. 3 [Option ID = 643]
4. 4 [Option ID = 644]

42) The following are statements about Social Sciences in context of scientific rigour. Choose the appropriate option.

(A) It is often presumed that human sciences cannot be, by their very nature, 'scientific'.

(B) In view of the 'higher status' and legitimacy enjoyed by the natural sciences, some practitioners of the social sciences seek to imitate the methods of the physical and natural sciences.

Options :

(1) Both (A) and (B) are true

(2) Both (A) and (B) are false

(3) (A) is true but (B) is false

(4) (A) is false but (B) is true

वैज्ञानिक सख्ती (रिग़र) के संदर्भ में सामाजिक विज्ञान के बारे में निम्नलिखित कथन हैं। उपयुक्त विकल्प का चयन कीजिए।

(A) प्राय: यह मान लिया जाता है कि मानव विज्ञान अपनी प्रकृति से 'वैज्ञानिक' नहीं हो सकते।

(B) प्राकृतिक विज्ञान की तरह उच्च स्थिति और वैधता की प्रतिष्ठा प्राप्त करने हेतु सामाजिक विज्ञान के कुछ अभ्यासकर्ता (पालनकर्ता) भौतिक और प्राकृतिक विज्ञान के तरीकों (पद्धतियों) का अनुकरण करना चाहते हैं।

विकल्प :

(1) (A) और (B) दोनों सही हैं।

(2) (A) और (B) दोनों गलत हैं।

(3) (A) सही है लेकिन (B) गलत हैं।

(4) (A) गलत है लेकिन (B) सही हैं।

[Question ID = 162][Question Description = S12_Social Science_Q072]

1. 1 [Option ID = 645]
2. 2 [Option ID = 646]
3. 3 [Option ID = 647]
4. 4 [Option ID = 648]

43) Which of the following specified the development of democratic citizenship as the primary aim of education ?

(1) University Education Commission, 1948-49

(2) Secondary Education Commission, 1952-53

(3) Kothari Commission, 1964-66

(4) National Policy of Education, 1986

निम्न में से किसने शिक्षा के प्रमुख उद्देश्य के रूप में लोकतांत्रिक नागरिकता के विकास को निर्दिष्ट किया ?

(1) विश्वविद्यालय शिक्षा आयोग, 1948 - 49 ने।

(2) माध्यमिक शिक्षा आयोग, 1952 - 53 ने।

(3) कोठारी आयोग, 1964 - 66 ने।

(4) शिक्षा की राष्ट्रीय नीति, 1986 ने।

[Question ID = 163][Question Description = S12_Social Science_Q073]

1. 1 [Option ID = 649]
2. 2 [Option ID = 650]
3. 3 [Option ID = 651]
4. 4 [Option ID = 652]

44) Audio-visual aids provide a __________ experience in social science teaching.

(1) programmed
(2) multisensory
(3) collaborative
(4) functional

ऑडियो-विजुअल एड्स सामाजिक विज्ञान शिक्षण में एक __________ अनुभव प्रदान करते हैं।

(1) क्रमादेशित
(2) बहुसंवेदी
(3) सहयोगी
(4) कार्यात्मक

[Question ID = 164][Question Description = S12_Social Science_Q074]

1. 1 [Option ID = 653]
2. 2 [Option ID = 654]
3. 3 [Option ID = 655]
4. 4 [Option ID = 656]

45) Which of the following is expected from a social science teacher's role in cooperative learning situation ?

(1) Leave the class for the students to decide themselves
(2) Ignore what learners are doing in some groups
(3) To monitor each group, guide wherever needed
(4) Be with the most active group

निम्नलिखित में से कौन सा सहयोगी अधिगम में एक सामाजिक विज्ञान शिक्षक की भूमिका से अपेक्षित है?

(1) कक्षा छोड़कर जाना ताकि विद्यार्थी अपने आप निर्णय ले।
(2) कुछ समूहों में अधिगमकर्ता क्या कर रहे हैं उसकी उपेक्षा करें
(3) प्रत्येक समूह की निगरानी करना और जहाँ आवश्यक हो मार्गदर्शन करना
(4) एक सर्वाधिक सक्रिय समूह के साथ होना

[Question ID = 165][Question Description = S12_Social Science_Q075]

1. 1 [Option ID = 657]
2. 2 [Option ID = 658]
3. 3 [Option ID = 659]
4. 4 [Option ID = 660]

46) "In 1999, Lawyers Collective, after a nation-wide consultation took the lead in drafting the Domestic Violence (Prevention and Protection) Bill."

In a Social Science classroom this could be referred to as an example of __________.

(1) Common people's role in the law making processes
(2) The nature of domestic violence
(3) Lawyers role and power to draft any Bill
(4) Political clout of associations in law making

"1999 में (लॉयरस कलेक्टिव) ने, देशव्यापी विचार विमर्शों के बाद घरेलू हिंसा (रोकथाम व सुरक्षा) विधेयक के प्रारूपण का उत्तरदायित्व लिया।"

सामाजिक विज्ञान की कक्षा में इसे __________ के उदाहरण के रूप में उल्लिखित किया जा सकता है।

(1) जन साधारण की कानून बनाने की प्रक्रियाओं में भूमिका

(2) घरेलू हिंसा की प्रकृति

(3) किसी विधेयक के प्रारूपण के लिए वकीलों की भूमिका एवं क्षमता (शक्ति)

(4) कानून बनाने में संगठनों के राजनीतिक प्रभाव

[Question ID = 166][Question Description = S12_Social Science_Q076]

1. 1 [Option ID = 661]
2. 2 [Option ID = 662]
3. 3 [Option ID = 663]
4. 4 [Option ID = 664]

47) If a Social Science teacher wants students to develop the ability to learn and understand, which of the following would they need to be emphasise ?

(A) Careful observation

(B) Reading the contents quickly

(C) Thinking about what is observed

(D) Question what is taught

Choose the appropriate option :

(1) Only (A) and (B)

(2) Only (A) and (C)

(3) (A), (B) and (C)

(4) (A), (C) and (D)

यदि एक सामाजिक विज्ञान की शिक्षिका अपने विद्यार्थियों में सीखने व समझने की क्षमता विकसित करना चाहती है, तो उसे निम्न में से किन पर जोर देना चाहिए?

(A) सावधानी पूर्वक प्रेक्षण

(B) विषय वस्तु को तेजी से पढना

(C) जिसका प्रेक्षण किया है, उस पर विचार करना

(D) जो पढाया गया है उस पर प्रश्न करना

उपयुक्त विकल्प का चुनाव कीजिए :

(1) केवल (A) तथा (B)

(2) केवल (A) तथा (C)

(3) (A), (B) तथा (C)

(4) (A), (C) तथा (D)

[Question ID = 167][Question Description = S12_Social Science_Q077]

1. 1 [Option ID = 665]
2. 2 [Option ID = 666]
3. 3 [Option ID = 667]
4. 4 [Option ID = 668]

48) In social science that promote critical thinking, ___________.

(A) students bring evidences to argue for an social issue in a classroom debate

(B) no restriction on the number of questions posed by students in the class

(C) mainly those students who sit on the last benches are encouraged to answer

(D) the amount of time students speak in the class is almost equal to that of the teacher

Options :

(1) (A), (B) and (C)

(2) (A), (B) and (D)

(3) (B), (C) and (D)

(4) (A), (C) and (D)

सामाजिक विज्ञान में जो तर्कसंगत चिंतन को प्रोत्साहित करता है, ___________।

(A) एक कक्षा वाद–विवाद में सामाजिक समस्या पर बहस के लिए विद्यार्थी प्रमाण लाते हैं।

(B) कक्षा में विद्यार्थियों के प्रश्न पूछने की संख्या पर कोई रोक नही है।

(C) मुख्यतः उन्ही विद्यार्थियों को उत्तर देने के लिए प्रोत्साहित करना जो पीछे की बेंचों पर बैठते हैं।

(D) कक्षा में विद्यार्थियों के बोलने का समय शिक्षक के बोलने के समय के बराबर हो।

विकल्प :

(1) (A), (B) और (C)

(2) (A), (B) और (D)

(3) (B), (C) और (D)

(4) (A), (C) और (D)

[Question ID = 168][Question Description = S12_Social Science_Q078]

1. 1 [Option ID = 669]
2. 2 [Option ID = 670]
3. 3 [Option ID = 671]
4. 4 [Option ID = 672]

49) Which of the following questions promote critical thinking skills in social science class ?

(A) Recently Article 370 has been removed from Indian Constitution. What are pros and cons of this act ?

(B) Describe the movement of Sun from Tropic of Capricorn to tropic of Cancer.

(C) Do you think right to freedom of religion in India works properly ? Does it make India a secular state ?

(D) India is sharing its boundary with how many countries ? Name them.

Options :

(1) (A), (B) and (C) only

(2) (A) and (C) only

(3) (B), (C) and (D) only

(4) (B) and (D) only

निम्नलिखित में से कौन से प्रश्न सामाजिक विज्ञान की कक्षा में आलोचनात्मक चिंतन कौशलों को प्रोत्साहित करते हैं?

(A) हाल ही में भारतीय संविधान से अनुच्छेद 370 हटा दिया गया है। इस एक्ट के पक्ष और विपक्ष क्या हैं?

(B) मकर रेखा से कर्क रेखा की ओर सूर्य की गति की व्याख्या कीजिए।

(C) क्या आप सोचते हैं कि भारत में धर्म के संबंध में स्वतंत्रता का अधिकार सही प्रकार से नियोजित हो पाता है? क्या यह भारत को एक धर्म निरपेक्ष देश बनाता है?

(D) कितने देशों के साथ भारत अपनी सीमा को साझा करता है? उनके नाम लिखिए।

विकल्प :

(1) केवल (A), (B) और (C)

(2) केवल (A) और (C)

(3) केवल (B), (C) और (D)

(4) केवल (B) और (D)

[Question ID = 169][Question Description = S12_Social Science_Q079]

1. 1 [Option ID = 673]
2. 2 [Option ID = 674]
3. 3 [Option ID = 675]
4. 4 [Option ID = 676]

50) Given below are two sets of measurement system used in maps. Find the odd one out from each of these sets.

	Column-I		Column-II
(A)	Feet	(i)	Miles
(B)	Centimeter	(ii)	Furlong
(C)	Meter	(iii)	Inch
(D)	Kilometer	(iv)	Centimeter

Options :

(1) (A) and (i)

(2) (A) and (iv)

(3) (B) and (iii)

(4) (D) and (i)

नीचे मानचित्रों में प्रयोग होने वाले मापन प्रणाली के दो समुच्चय दिए गए हैं। प्रत्येक समुच्चय में से विषम की पहचान कीजिए।

	कॉलम - I		कॉलम - II
(A)	फीट	(i)	मील
(B)	सेंटीमीटर	(ii)	फर्लांग
(C)	मीटर	(iii)	इंच
(D)	किलोमीटर	(iv)	सेंटीमीटर

विकल्प :

(1) (A) तथा (i)

(2) (A) तथा (iv)

(3) (B) तथा (iii)

(4) (D) तथा (i)

[Question ID = 170][Question Description = S12_Social Science_Q080]

1. 1 [Option ID = 677]
2. 2 [Option ID = 678]
3. 3 [Option ID = 679]
4. 4 [Option ID = 680]

51) Locating a place on the map is associated with __________ skill.

(A) Remembering

(B) Comprehension

(C) Application

(D) Evaluation

Choose the appropriate option :

(1) Only (A) and (B)

(2) (A), (B) and (D)

(3) (A), (B) and (C)

(4) (B), (C) and (D)

मानचित्र पर एक स्थान को ढूँढ़ना संबंधित (जुड़ा) है __________ के कौशल के साथ।

(A) याद रखने

(B) बोध / समझने

(C) अनुप्रयोग

(D) मूल्यांकन

उपयुक्त विकल्प का चयन कीजिए :

(1) केवल (A) और (B)

(2) (A), (B) और (D)

(3) (A), (B) और (C)

(4) (B), (C) और (D)

[Question ID = 171][Question Description = S12_Social Science_Q081]

1. 1 [Option ID = 681]
2. 2 [Option ID = 682]
3. 3 [Option ID = 683]
4. 4 [Option ID = 684]

52) Read the **statements (A)** and **(R)** regarding social science and choose the appropriate option.

Assertion (A) : The social science curriculum in India is broadly organized on the basis of themes.

Reason (R) : Bringing together various social sciences under one discipline to teach for school children is very difficult.

(1) Both **(A)** and **(R)** are true and **(R)** is the correct explanation of **(A)**.

(2) Both **(A)** and **(R)** are true but **(R)** is not the correct explanation of **(A)**.

(3) **(A)** is true but **(R)** is false.

(4) Both **(A)** and **(R)** are false.

सामाजिक विज्ञान के संबंध में दिए गए **कथनों** (A) और (R) को पढ़ें और उपयुक्त विकल्प चुनें।

कथन (A) : भारत में सामाजिक विज्ञान पाठ्यक्रम का संगठन मुख्यत: विषय (थीम) आधारित है।

कारण (R) : कई सामाजिक विज्ञानों को एक विषय के अंदर लाने पर विद्यालय के छात्रों को पढ़ाने में कठिनाई होती है।

(1) **(A)** और **(R)** दोनों सहीं हैं और **(A)** की **(R)** सही व्याख्या करता है।

(2) **(A)** और **(R)** दोनों सहीं हैं लेकिन **(A)** की **(R)** सही व्याख्या नहीं करता है।

(3) **(A)** सही है लेकिन **(R)** गलत है।

(4) **(A)** और **(R)** दोनों गलत हैं।

[Question ID = 172][Question Description = S12_Social Science_Q082]

1. 1 [Option ID = 685]
2. 2 [Option ID = 686]
3. 3 [Option ID = 687]
4. 4 [Option ID = 688]

53) Read the **statements (A)** and **(R)** regarding social science and choose the appropriate option.

Assertion (A) : Social science receive less importance in the school curriculum when compared with other subjects.

Reason (R) : There are no better qualified teachers to teach social sciences in India.

Choose the **correct** option :

(1) Both **(A)** and **(R)** are true and **(R)** is the correct explanation of **(A)**.

(2) Both **(A)** and **(R)** are true but **(R)** is not the correct explanation of **(A)**.

(3) **(A)** is true but **(R)** is false.

(4) Both **(A)** and **(R)** are false.

सामाजिक विज्ञान के बारे में **कथन** (A) और (R) को पढ़िए तथा उपयुक्त विकल्प का चयन कीजिए।

कथन (A) : दूसरे विषयों की तुलना में स्कूली पाठ्यचर्या में सामाजिक विज्ञान को कम महत्त्व मिलता है।

कारण (R) : भारत में सामाजिक विज्ञान के शिक्षण के लिए योग्य शिक्षक नहीं हैं।

सही विकल्प चुनें।

(1) **(A)** और **(R)** दोनों सहीं हैं और **(A)** की **(R)** सही व्याख्या करता है।

(2) **(A)** और **(R)** दोनों सहीं हैं लेकिन **(A)** की **(R)** सही व्याख्या नहीं करता है।

(3) **(A)** सही है लेकिन **(R)** गलत है।

(4) **(A)** और **(R)** दोनों गलत हैं।

[Question ID = 173][Question Description = S12_Social Science_Q083]

1. 1 [Option ID = 689]
2. 2 [Option ID = 690]
3. 3 [Option ID = 691]
4. 4 [Option ID = 692]

54) Which of the following could be used as primary sources to teach about different forms of money in the past ?

(A) Coins

(B) Currency notes

(C) ATM/Debit Card

(D) Credit Card

Choose the **correct** option :

(1) Only (A)

(2) Both (A) and (B)

(3) (A), (B) and (C)

(4) (C) and (D) only

अतीत में मुद्रा के विभिन्न स्वरूपों को पढाने हेतू निम्नलिखित में से किन्हें प्राथमिक स्रोतों की तरह प्रयोग में लाया जा सकता है?

(A) सिक्के

(B) मुद्रा नोट्स

(C) ए टी एम/डेबिट कार्ड

(D) क्रेडिट कार्ड

सही विकल्प का चुनाव कीजिए :

(1) केवल (A)

(2) (A) तथा (B) दोनों

(3) (A), (B) तथा (C)

(4) केवल (C) तथा (D)

[Question ID = 174][Question Description = S12_Social Science_Q084]

1. 1 [Option ID = 693]
2. 2 [Option ID = 694]
3. 3 [Option ID = 695]
4. 4 [Option ID = 696]

55) The principle 'Learning by Doing' is best suited to :

(1) Discussion Method

(2) Demonstration Method

(3) Project Method

(4) Constructivist Approach

'करके सीखना' सिद्धांत सबसे उपयुक्त है :

(1) चर्चा विधि के लिए

(2) प्रदर्शन विधि के लिए

(3) परियोजना विधि के लिए

(4) रचनावादी उपागम के लिए

[Question ID = 175][Question Description = S12_Social Science_Q085]

1. 1 [Option ID = 697]
2. 2 [Option ID = 698]
3. 3 [Option ID = 699]
4. 4 [Option ID = 700]

56) Asking questions with a globe in a geography class will be a part of _______ .

(A) Formative assessment

(B) Summative assessment

(C) Diagnostic assessment

(D) Assessment of learning

Choose the appropriate option :

(1) Only (A)

(2) Only (A) and (B)

(3) Only (B) and (C)

(4) Only (A) and (C)

भूगोल की कक्षा में ग्लोब के साथ प्रश्न पूछना _______ का भाग होगा।

(A) रचनात्मक आकलन

(B) योगात्मक आकलन

(C) नैदानिक आकलन

(D) अधिगम का आंकलन

उपयुक्त विकल्प का चयन कीजिए।

(1) केवल (A)

(2) केवल (A) और (B)

(3) केवल (B) और (C)

(4) केवल (A) और (C)

[Question ID = 176][Question Description = S12_Social Science_Q086]

1. 1 [Option ID = 701]
2. 2 [Option ID = 702]
3. 3 [Option ID = 703]
4. 4 [Option ID = 704]

57) Social science teacher checking the notebooks of a student forms part of :

(A) Formative assessment
(B) Assessment for learning
(C) Summative assessment
(D) Formal Assessment

Options :

(1) Only (A), (B) and (C)
(2) Only (A) and (B)
(3) Only (A), (B) and (D)
(4) Only (B), (C) and (D)

एक सामाजिक विज्ञान के शिक्षक द्वारा अभ्यास पुस्तिका जाँचने की गतिविधि, हिस्सा (भाग) बनती है :

(A) रचनात्मक आकलन का
(B) अधिगम के आकलन का
(C) योगात्मक आकलन का
(D) औपचारिक आकलन का

विकल्प :-

(1) केवल (A), (B) और (C)
(2) केवल (A) और (B)
(3) केवल (A), (B) और (D)
(4) केवल (B), (C) और (D)

[Question ID = 177][Question Description = S12_Social Science_Q087]

1. 1 [Option ID = 705]
2. 2 [Option ID = 706]
3. 3 [Option ID = 707]
4. 4 [Option ID = 708]

58) Which assessment is conducted during instructional process ?

(1) Summative Assessment
(2) Diagnostic Assessment
(3) Placement Assessment
(4) Educational Assessment

निर्देशात्मक प्रक्रिया के दौरान कौन सा आकलन किया जाता है?

(1) योगात्मक आकलन
(2) नैदानिक (डायग्नोस्टिक) आकलन
(3) प्लेसमेंट आकलन
(4) शैक्षिक आकलन

[Question ID = 178][Question Description = S12_Social Science_Q088]

1. 1 [Option ID = 709]
2. 2 [Option ID = 710]
3. 3 [Option ID = 711]
4. 4 [Option ID = 712]

59) Which of the following questions assess the remembering aspect of cognitive process ?

(A) What are the roles of World Trade Organisation ?

(B) What can be done to promote fair trade amongst the countries ?

(C) Green Revolution has made India self-sufficient in food grains. Explain.

(D) What is a settlement ?

Options :

(1) (A), (B) and (C)

(2) (B) and (C)

(3) (A) and (C)

(4) (A) and (D)

निम्नलिखित में से कौन से प्रश्न संज्ञानात्मक प्रक्रिया के 'स्मरण' पहलू का आकलन करते हैं?

(A) विश्व व्यापार संगठन की क्या भूमिकाएँ हैं?

(B) विभिन्न देशों के बीच न्यायसंगत व्यापार को प्रोत्साहित करने के लिए क्या किया जा सकता है?

(C) हरित क्रांति ने भारत को अनाज के मामले में आत्मनिर्भर बना दिया है। समझाइये।

(D) बंदोबस्त क्या है?

विकल्प :

(1) (A), (B) और (C)

(2) (B) और (C)

(3) (A) और (C)

(4) (A) और (D)

[Question ID = 179][Question Description = S12_Social Science_Q089]

1. 1 [Option ID = 713]
2. 2 [Option ID = 714]
3. 3 [Option ID = 715]
4. 4 [Option ID = 716]

60) Which of the following questions assess the evaluation skills in social science ?

(A) Describe the implementation of Mahatma Gandhi National Rural Employment Guarantee Act.

(B) Do you think that the Right to Life is ensured through Mahatma Gandhi National Rural Employment Guarantee Act ?

(C) What is Poshan Abhiyan ? Who are the main beneficiaries of this scheme ?

(D) Do you agree with the statement that Sipoy Mutiny is nothing but the India's first freedom struggle ?

Options :

(1) Only (A)

(2) Only (A) and (B)

(3) Only (A), (B) and (C)

(4) Only (B) and (D)

निम्नलिखित प्रश्नों में से कौन से प्रश्न सामाजिक विज्ञान में मूल्यांकन के कौशल को आंकते हैं?

(A) महात्मा गाँधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोज़गार गारंटी अधिनियम के कार्यान्वयन का वर्णन कीजिए।

(B) क्या आप समझते हैं कि महात्मा गाँधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोज़गार गारंटी अधिनियम के माध्यम से जीवन का अधिकार सुनिश्चित है?

(C) पोषण अभियान क्या है? इस योजना के मुख्य लाभार्थी कौन हैं?

(D) क्या आप इस कथन से सहमत हैं कि सिपाही बग़ावत कुछ नहीं अपितु भारत का पहला (प्रथम) स्वतंत्रता संग्राम है?

विकल्प :

(1) केवल (A)

(2) केवल (A) और (B)

(3) केवल (A), (B) और (C)

(4) केवल (B) और (D)

[Question ID = 180][Question Description = S12_Social Science_Q090]

1. 1 [Option ID = 717]
2. 2 [Option ID = 718]
3. 3 [Option ID = 719]
4. 4 [Option ID = 720]

Topic:- Telugu_Q91-99_L1_P2_CTET

1)

సూచన : ఈ క్రింద ఇవ్వబడిన వ్యాసభాగమును చదివి ప్రశ్నకు సమాధానం రాయండి.

తెలుగులో మొట్టమొదట జానపద సాహిత్యాన్ని వివరణాత్మకంగా పరిచయం చేసిన గ్రంథం శ్రీహరి ఆదిశేషువుగారి "జానపద గేయ వాఙ్మయ పరిచయం". ఇది 1953లో తెలుగు భాషా సమితి ద్వారా మద్రాస్ ప్రభుత్వం వారి బహుమతిని పొందింది. 1954లో ప్రచురింపబడినది కూడ. వృత్తిరీత్యా శ్రీహరిఆదిశేషువుగారు రసాయన శాస్త్రాచార్యులైనప్పటికి జానపద సాహిత్యం మీదున్న మక్కువతో జానపద గేయాలను సేకరించి విశ్లేషించడం గమనించదగ్గ విషయం.

అలాగే అపూర్వమయిన జానపద సాహిత్యాన్ని అపారంగా అందించిన జానపదసాహిత్యోద్ధారకులు నేదునూరి గంగాధరంగారు. తమ జీవితాన్ని జానపదసాహిత్యానికే అంకితం చేసి ఆరువేలకు పైగా జానపద సాహిత్యానికే అంకిత చేసి గీతాలను సేకరించి ప్రచురించిన మహనీయులు వీరు. స్త్రీలపాటలు, కథాగేయాలు,వాడుకమాటలు, నుడికారాలు, సామెతలు, జాతీయాలు,పారిభాషిక పదాలు మొదలైన వాటిని సేకరించి గృహలక్ష్మి, కృష్ణాపత్రిక, భారతి,ఆంధ్రభూమి మొదలైనపత్రికల్లో ప్రచురించారు. జానపదసాహిత్యంలోని ప్రతిఅంశాన్ని స్పృశించి తర్వాతి సేకర్తలకు మార్గదర్శకులయ్యారు. అధ్యాపక వృత్తిలో ఉంటూ జానపద వాఙ్మయానికి అంకితమైపోయారు.నేదునూరి గంగాధరంగారు.

వృత్తిరీత్యా భౌతిక శాస్త్రాచార్యులుగా సేవచేస్తూ, ప్రవృత్తిరీత్యా జానపదవాఙ్మయోద్ధారకులుగా 'కృష్ణశ్రీగా' ప్రఖ్యాతిగాంచిన శ్రీపాదగోపాలకృష్ణమూర్తిగారు జానపదసాహిత్య క్షేత్రంలో చిరస్మరణీయులు. జానపద సాహిత్య విమర్శకుడుగా స్థానం ఆక్రమించుకొన్న 'కృష్ణశ్రీ' కలం నుంచి అనేక వ్యాసాలు భారతి, కిన్నెర, గృహలక్ష్మి పత్రికలను అలంకరించాయి. కనుమరుగైపోతున్న స్త్రీల పాటలనెన్నింటినో సేకరించి, స్త్రీల రామాయణపు పాటలు, స్త్రీల పౌరాణికపు పాటలు అన్నపేర్తో ఆంధ్రసారస్వతి పరిషత్తు వారి పక్షాన 1955, 1963 ప్రాంతాల్లో ప్రచురించారు.

ఉపాధ్యాయులుగానే ఉంటూ జానపదగేయాలను సేకరించి ప్రచురించడంతోపాటు భారతి, కిన్నెర, గృహలక్ష్మి మొదలైన పత్రికల్లో 1953-55 ప్రాంతాల్లో ప్రచురించిన వ్యాసాలను 'ఆంధ్ర జానపదగేయ వాఙ్మయ చరిత్ర' అన్న పేరుతో పుస్తకరూపంగా ప్రచురించిన జానపదసాహిత్యోద్ధారకులు శ్రీ టేకుమళ్ళ కామేశ్వరరావుగారు.

ఈ కోవకే చెందిన డా. తూమాటిదొణప్పగారు జానపద విగ్నానానికి సంబంధించి విశేషమైన కృషిజరిపారు. వీరు రచించిన 'తెలుగులో కొత్తవెలుగులు' 'జానపద కళాసంపద' తెలుగులో హరికథాసర్వస్వం' విశిష్టమైన గ్రంథాలు. 'త్రివేణి' జానపదగేయాల సంకలనకర్తలలో ఒకరుగా ప్రసిద్ధి చెందిన దొణప్పగారి మార్గదర్శత్వంలో చాలామంది పిహెచ్.డి; ఎంఫిల్ పట్టాలను సంపాదించుకొన్నారు.

'ఎల్లోరా' అనేకలం పేర్తో ప్రఖ్యాతులైన శ్రీ గొడవర్తి భాస్కరరావుగారు. విశ్వవిద్యాలయ స్థాయిలో పిహెచ్.డి; కోసం జానపద సాహిత్యాన్ని అధ్యయనం చెయ్యకపోయినా, ఆ సాహిత్యం మీద ఉన్న అభిమానంతో పిహెచ్.డి., పరిశోధకులు చెయ్యలేనంత కృషి చేశారు. వీరి 'జానపద సాహిత్యం' (1982) 'జానపదగేయాలు' – రెండు సంపుటాలు (1955,1957) 'మన ప్రాచీనకళలు–పుట్టు పూర్వోత్తరాలు (1960), సరాగాలు (1 961), 'మధురకవితలు' (సమీక్షా గ్రంథం–1961) ఉత్తమ గ్రంథలు.

శ్రీ మిక్కి లినేని రాధకృష్ణమూర్తిగారు కూడ ఎల్లోరాగారిలాగానే జానపద కళలమీద విశేషమైన కృషి చేశారు. వీరి 'ఆంధ్రనాటకరంగ చరిత్ర' (1969) 'తెలుగువారి జానపద కళారూపాలు' (1992) ఆంధ్రదేశంలోని జానపద కళారూపాలను మొట్టమొదటిసారిగా విశ్లేషించిన

గ్రంథాలు.

తోలుబొమ్మలాటల మీద విశేషమైన కృషి చేసిన డా//మొదలి నాగభూషణశర్మగారు 1995 లో "Folk Arts of Andhra Pradesh'' అన్న గ్రంథన్ని ఆంగ్లంలో తెలుగు విశ్వవిద్యాలయం వారి ద్వారా ప్రచురించారు.

డా// ఎస్. గంగప్పగారు కూడ జానపద సాహిత్యం మీద పిహెచ్.డి., సంపాదించుకోకపోయినా, అంతకుమించిన స్థాయిలో జానపద విజ్ఞానాంశాలను సేకరించి, పరిశోధనలు జరిపారు. వీళ్ళందరు సేకరించి, వాటికి వివరాలు వ్రాసి ప్రచురించిన గ్రంథలు ఒక్కొక్క సిద్ధాంత వ్యాసంగానే పరిగణింపబడతాయి. అనాదృత వాఙ్మయంగా ఒకప్పుడు విద్వాంసులు ఈసడించినా నేడు ఆదరణీయ విజ్ఞానంకావడం గుర్తించదగ్గ విషయం.

ఇలా జానపదసాహిత్యసేకరణతోను, వ్యాస ప్రచురణలతోను సాగిన తెలుగు జానపద సాహిత్య క్షేత్రం విశ్వవిద్యాలయాల మెట్లనెక్కి జానపద విజ్ఞాన పరిశోధనలకు శ్రీకారం చుట్టింది. అలా తెలుగు జానపద సాహిత్యపరిశోధనకి అంకురార్పణగావించిన ఉస్మానియా విశ్వవిద్యాలయం, తెలుగు జానపదగేయ సాహిత్యంలో 1956లో మొట్టమొదటి పిహెచ్.డి.రావడానికి దోహదం చేసింది. నేటి జానపద విజ్ఞాన పరిశో

పరిశోధకులందరికి మార్గదర్శకులే కాక, ఆంధ్రదేశానికే ఒక asset అనిపించుకుంటున్నవారు ప్రసిద్ధ జానపద సాహిత్య పరిశోధకులు డా// బిరుదురాజు రామరాజు గారు. వీరు 'తెలుగు జానపదగేయ సాహిత్యం' తెలుగు జానపద సాహిత్య రంగంలో మొట్టమొదట పిహెచ్.డి. సిద్ధాంతవ్యాసం. వీరి కృషివల్లే ఉస్మానియా విశ్వవిద్యాలయంలో 1992 లో మొట్టమొదటిసారిగా ఎం.ఏ., విద్యార్థులకు జానపద సాహిత్యం ఒక పాఠ్యాంశంగా నిర్ణయించబడింది. నాటి నుంచి నేటిదాకా ఆంధ్రదేశంలోని అనేక విశ్వవిద్యాలయాల తెలుగు శాఖల్లోనూ,కర్నాటకలోని బెంగుళూరు విశ్వవిద్యాలయం తెలుగు విభాగంలోను, తమిళనాడులోని మదరాసు విశ్వవిద్యాలయం తెలుగు శాఖలోను, జానపదవిజ్ఞానం ఎం.ఏ. విద్యార్థులకు పాఠ్యాంశంగానూ, ఎం.ఫిల్., పిహెచ్.డి. లకు సంబంధించి పరిశోధనాంశంగాను కొనసాగుతూ ఉండడం ప్రశంసించదగ్గ విషయం. మధురై, డిల్లీ, బెనారసు విశ్వవిద్యాలయాల తెలుగు విభాగాల్లో కూడ పిహెచ్.డి కోసం పరిశోధనలు జరుగుతుండడం హర్షించదగ్గ విషయం.

డా. రామరాజుగారు లాగానే జానపద సాహిత్యానికి పరిశోధనగౌరవాన్ని కల్పించినవారు డా. ఎస్వీ. జోగారావుగారు. ఆంధ్ర విశ్వవిద్యాలయంలో 'ఆంధ్రయక్షగానవాఙ్మయ చరిత్ర' అనే అంశంమీద సిద్ధాంతవ్యాసం సమర్పించి 1957 లో పిహెచ్.డి. సంపాదించారు.

శ్రీమతి వింజమూరి సీతాదేవిగారు మద్రాసు విశ్వవిద్యాలయంలో "Music in Telugu folk songs" అనే అంశం మీద పరిశోధనచేసి 1952 లో మొట్టమొదటి ఎం.లిట్ డిగ్రీ సంపాదించారు.

'తెలుగులో హరికథాసర్వస్వం' ఎవరి రచన.

(1) డా. తూమాటి దోణప్ప.

(2) గొడవర్తి భాస్కరరావు.

(3) శ్రీపాద గోపాల కృష్ణమూర్తి.

(4) డా. బిరుదు రాజురామరాజు

[Question ID = 271][Question Description = S1_Telugu_Q091]

1. 1 [Option ID = 1081]
2. 2 [Option ID = 1082]
3. 3 [Option ID = 1083]
4. 4 [Option ID = 1084]

2)

సూచన : ఈ క్రింద ఇవ్వబడిన వ్యాసభాగమును చదివి ప్రశ్నకు సమాధానం రాయండి.

తెలుగులో మొట్టమొదట జానపద సాహిత్యాన్ని వివరణాత్మకంగా పరిచయం చేసిన గ్రంథం శ్రీహరి ఆదిశేషువుగారి "జానపద గేయ వాఙ్మయ పరిచయం". ఇది 1953లో తెలుగు భాషా సమితి ద్వారా మద్రాస్ ప్రభుత్వం వారి బహుమతిని పొందింది. 1954లో ప్రచురింపబడినది కూడ. వృత్తిరీత్యా శ్రీహరిఆదిశేషువుగారు రసాయన శాస్త్రాచార్యులైనప్పటికి జానపద సాహిత్యం మీదున్న మక్కువతో జానపద గేయాలను సేకరించి విశ్లేషించడం గమనించదగ్గ విషయం.

అలాగే అపూర్వమయిన జానపద సాహిత్యాన్ని అపారంగా అందించిన జానపదసాహిత్యోద్ధారకులు నేదునూరి గంగాధరంగారు. తమ జీవితాన్ని జానపదసాహిత్యానికే అంకితం చేసి ఆరువేలకు పైగా జానపద సాహిత్యానికే అంకిత చేసి గీతాలను సేకరించి ప్రచురించిన మహనీయులు వీరు. స్త్రీలపాటలు, కథాగేయాలు,వాడుకమాటలు, నుడికారాలు, సామెతలు, జాతీయాలు,పారిభాషిక పదాలు మొదలైన వాటిని సేకరించి గృహలక్ష్మి, కృష్ణాపత్రిక, భారతి,ఆంధ్రభూమి మొదలైనపత్రికల్లో ప్రచురించారు. జానపదసాహిత్యంలోని ప్రతిఅంశాన్ని స్పృశించి తర్వాతి సేకర్తలకు మార్గదర్శకులయ్యారు. అధ్యాపక వృత్తిలో ఉంటూ జానపద వాఙ్మయానికి అంకితమైపోయారు.నేదునూరి గంగాధరంగారు.

వృత్తిరీత్యా భౌతిక శాస్త్రాచార్యులుగా సేవచేస్తూ, ప్రవృత్తిరీత్యా జానపదవాఙ్మయోద్ధారకులుగా 'కృష్ణశ్రీగా' ప్రఖ్యాతిగాంచిన శ్రీపాదగోపాలకృష్ణమూర్తిగారు జానపదసాహిత్య క్షేత్రంలో చిరస్మరణీయులు. జానపద సాహిత్య విమర్శకుడుగా స్థానం ఆక్రమించుకొన్న 'కృష్ణశ్రీ' కలం నుంచి అనేక వ్యాసాలు భారతి, కిన్నెర, గృహలక్ష్మి పత్రికలను అలంకరించాయి. కనుమరుగైపోతున్న స్త్రీల పాటలనెన్నింటినో సేకరించి, స్త్రీల రామాయణపు పాటలు, స్త్రీల పౌరాణికపు పాటలు అన్నపేర్తో ఆంధ్రసారస్వతి పరిషత్తు వారి పక్షాన 1955, 1963 ప్రాంతాల్లో ప్రచురించారు.

ఉపాధ్యాయులుగానే ఉంటూ జానపదగేయాలను సేకరించి ప్రచురించడంతోపాటు భారతి, కిన్నెర, గృహలక్ష్మి మొదలైన పత్రికల్లో 1953-55 ప్రాంతాల్లో ప్రచురించిన వ్యాసాలను 'ఆంధ్ర జానపదగేయ వాఙ్మయ చరిత్ర' అన్న పేరుతో పుస్తకరూపంగా ప్రచురించిన జానపదసాహిత్యోద్ధారకులు శ్రీ టేకుమళ్ళ కామేశ్వరరావుగారు.

ఈ కోవకే చెందిన డా. తూమాటిదొణప్పగారు జానపద విగ్ననానికి సంబంధించి విశేషమైన కృషిజరిపారు. వీరు రచించిన 'తెలుగులో కొత్తవెలుగులు' 'జానపద కళాసంపద' తెలుగులో హరికథాసర్వస్వం' విశిష్టమైన గ్రంథాలు. 'త్రివేణి' జానపదగేయాల సంకలనకర్తలలో ఒకరుగా ప్రసిద్ధి చెందిన దొణప్పగారి మార్గదర్శత్వంలో చాలామంది పిహెచ్.డి; ఎంఫిల్ పట్టాలను సంపాదించుకొన్నారు.

'ఎల్లోరా' అనేకలం పేర్తో ప్రఖ్యాతులైన శ్రీ గొడవర్తి భాస్కరరావుగారు. విశ్వవిద్యాలయ స్థాయిలో పిహెచ్.డి; కోసం జానపద సాహిత్యాన్ని అధ్యయనం చెయ్యకపోయినా, ఆ సాహిత్యం మీద ఉన్న అభిమానంతో పిహెచ్.డి., పరిశోధకులు చెయ్యలేనంత కృషి చేశారు. వీరి 'జానపద సాహిత్యం' (1982) 'జానపదగేయాలు' – రెండు సంపుటాలు (1955,1957) 'మన ప్రాచీనకళలు–పుట్టు పూర్వోత్తరాలు (1960), సరాగాలు (1 961), 'మధురకవితలు' (సమీక్షా గ్రంథం–1961) ఉత్తమ గ్రంథలు.

శ్రీ మిక్కి లినేని రాధకృష్ణమూర్తిగారు కూడ ఎల్లోరాగారిలాగానే జానపద కళలమీద విశేషమైన కృషి చేశారు. వీరి 'ఆంధ్రనాటకరంగ చరిత్ర' (1969) 'తెలుగువారి జానపద కళారూపాలు' (1992) ఆంధ్రదేశంలోని జానపద కళారూపాలను మొట్టమొదటిసారిగా విశ్లేషించిన గ్రంథాలు.

తోలుబొమ్మలాటల మీద విశేషమైన కృషి చేసిన డా//మొదలి నాగభూషణశర్మగారు 1995 లో "Folk Arts of Andhra Pradesh" అన్న గ్రంథన్ని ఆంగ్లంలో తెలుగు విశ్వవిద్యాలయం వారి ద్వారా ప్రచురించారు.

డా// ఎస్. గంగప్పగారు కూడ జానపద సాహిత్యం మీద పిహెచ్.డి., సంపాదించుకోకపోయినా, అంతకుమించిన స్థాయిలో జానపద విజ్ఞానాంశాలను సేకరించి, పరిశోధనలు జరిపారు. వీళ్ళందరు సేకరించి, వాటికి వివరాలు వ్రాసి ప్రచురించిన గ్రంథలు ఒక్కొక్క సిద్ధాంత వ్యాసంగానే పరిగణింపబడతాయి. అనాదృత వాఙ్మయంగా ఒకప్పుడు విద్వాంసులు ఈసడించినా నేడు ఆదరణీయ విజ్ఞానంకావడం గుర్తించదగ్గ విషయం.

ఇలా జానపదసాహిత్యసేకరణతోను, వ్యాస ప్రచురణలతోను సాగిన తెలుగు జానపద సాహిత్య క్షేత్రం విశ్వవిద్యాలయాల మెట్లనెక్కి జానపద విజ్ఞాన పరిశోధనలకు శ్రీకారం చుట్టింది. అలా తెలుగు జానపద సాహిత్యపరిశోధనకి అంకురార్పణగావించిన ఉస్మానియా విశ్వవిద్యాలయం, తెలుగు జానపదగేయ సాహిత్యంలో 1956లో మొట్టమొదటి పిహెచ్.డి.రావడానికి దోహదం చేసింది. నేటి జానపద విజ్ఞాన పరిశో

పరిశోధకులందరికి మార్గదర్శకులే కాక, ఆంధ్రదేశానికే ఒక asset అనిపించుకుంటున్నవారు ప్రసిద్ధ జానపద సాహిత్య పరిశోధకులు డా// బిరుదురాజు రామరాజు గారు. వీరు 'తెలుగు జానపదగేయ సాహిత్యం' తెలుగు జానపద సాహిత్య రంగంలో మొట్టమొదట పిహెచ్.డి. సిద్ధాంతవ్యాసం. వీరి కృషివల్లే ఉస్మానియా విశ్వవిద్యాలయంలో 1992 లో మొట్టమొదటిసారిగా ఎం.ఏ., విద్యార్థులకు జానపద సాహిత్యం ఒక పాఠ్యాంశంగా నిర్ణయించబడింది. నాటి నుంచి నేటిదాకా ఆంధ్రదేశంలోని అనేక విశ్వవిద్యాలయాల తెలుగు శాఖల్లోనూ,కర్నాటకలోని బెంగుళూరు విశ్వవిద్యాలయం తెలుగు విభాగంలోను, తమిళునాడులోని మదరాసు విశ్వవిద్యాలయం తెలుగు శాఖలోను, జానపదవిజ్ఞానం ఎం.ఏ. విద్యార్థులకు పాఠ్యాంశంగానూ, ఎం.ఫిల్., పిహెచ్.డి. లకు సంబంధించి పరిశోధనాంశంగాను కొనసాగుతూ ఉండడం ప్రశంసించదగ్గ విషయం. మధురై, డిల్లీ, బెనారసు విశ్వవిద్యాలయాల తెలుగు విభాగాల్లో కూడ పిహెచ్.డి కోసం పరిశోధనలు జరుగుతుండడం హర్షించదగ్గ విషయం.

డా. రామరాజుగారు లాగానే జానపద సాహిత్యానికి పరిశోధనగౌరవాన్ని కల్పించినవారు డా. ఎస్వీ. జోగారావుగారు. ఆంధ్ర విశ్వవిద్యాలయంలో 'ఆంధ్రయక్షగానవాఙ్మయ చరిత్ర' అనే అంశంమీద సిద్ధాంతవ్యాసం సమర్పించి 1957 లో పిహెచ్.డి. సంపాదించారు.

శ్రీమతి వింజమూరి సీతాదేవిగారు మద్రాసు విశ్వవిద్యాలయంలో "Music in Telugu folk songs" అనే అంశం మీద పరిశోధనచేసి 1952 లో మొట్టమొదటి ఎం.లిట్ డిగ్రీ సంపాదించారు.

ఈ క్రింది వానిలో మిక్కిలినేని రాధాకృష్ణమూర్తి రచన.

(1) జానపదకళసంపద
(2) తెలుగువారిజానపదకళారూపాలు.
(3) జానపదగేయవాఙ్మయపరిచయము
(4) తెలుగులో కొత్తవెలుగులు.

[Question ID = 272][Question Description = S1_Telugu_Q092]

1. 1 [Option ID = 1085]
2. 2 [Option ID = 1086]
3. 3 [Option ID = 1087]
4. 4 [Option ID = 1088]

3)

సూచన : ఈ క్రింద ఇవ్వబడిన వ్యాసభాగమును చదివి ప్రశ్నకు సమాధానం రాయండి.

తెలుగులో మొట్టమొదట జానపద సాహిత్యాన్ని వివరణాత్మకంగా పరిచయం చేసిన గ్రంథం శ్రీహరి ఆదిశేషువుగారి "జానపద గేయ వాఙ్మయ పరిచయం". ఇది 1953లో తెలుగు భాషా సమితి ద్వారా మద్రాస్ ప్రభుత్వం వారి బహుమతిని పొందింది. 1954లో ప్రచురింపబడినది కూడ. వృత్తిరీత్యా శ్రీహరిఆదిశేషువుగారు రసాయన శాస్త్రాచార్యులైనప్పటికి జానపద సాహిత్యం మీదున్న మక్కువతో జానపద గేయాలను సేకరించి విశ్లేషించడం గమనించదగ్గ విషయం.

అలాగే అపూర్వమయిన జానపద సాహిత్యాన్ని అపారంగా అందించిన జానపదసాహిత్యోద్ధారకులు నేదునూరి గంగాధరంగారు. తమ జీవితాన్ని జానపదసాహిత్యానికే అంకితం చేసి ఆరువేలకు పైగా జానపద సాహిత్యానికే అంకిత చేసి గీతాలను సేకరించి ప్రచురించిన మహనీయులు వీరు. స్త్రీలపాటలు, కథాగేయాలు,వాడుకమాటలు, నుడికారాలు, సామెతలు, జాతీయాలు,పారిభాషిక పదాలు మొదలైన వాటిని సేకరించి గృహలక్ష్మి, కృష్ణాపత్రిక,

భారతి,ఆంధ్రభూమి మొదలైనపత్రికల్లో ప్రచురించారు. జానపదసాహిత్యంలోని ప్రతిఅంశాన్ని స్పృశించి తర్వాతి సకర్తలకు మార్గదర్శకులయ్యారు. అధ్యాపక వృత్తిలో ఉంటూ జానపద వాఙ్మయానికి అంకితమైపోయారు.నేదునూరి గంగాధరంగారు.

వృత్తిరీత్యా భౌతిక శాస్త్రాచార్యులుగా సేవచేస్తూ, ప్రవృత్తిరీత్యా జానపదవాఙ్మయోద్ధారకులుగా 'కృష్ణశ్రీగా' ప్రఖ్యాతిగాంచిన శ్రీపాదగోపాలకృష్ణమూర్తిగారు జానపదసాహిత్య క్షేత్రంలో చిరస్మరణీయులు. జానపద సాహిత్య విమర్శకుడుగా స్థానం ఆక్రమించుకొన్న 'కృష్ణశ్రీ' కలం నుంచి అనేక వ్యాసాలు భారతి, కిన్నెర, గృహలక్ష్మి పత్రికలను అలంకరించాయి. కనుమరుగైపోతున్న స్త్రీల పాటలనెన్నింటినో సేకరించి, స్త్రీల రామాయణపు పాటలు, స్త్రీల పౌరాణికపు పాటలు అన్నపేర్తో ఆంధ్రసారస్వతి పరిషత్తు వారి పక్షాన 1955, 1963 ప్రాంతాల్లో ప్రచురించారు.

ఉపాధ్యాయులుగానే ఉంటూ జానపదగేయాలను సేకరించి ప్రచురించడంతోపాటు భారతి, కిన్నెర, గృహలక్ష్మి మొదలైన పత్రికల్లో 1953-55 ప్రాంతాల్లో ప్రచురించిన వ్యాసాలను 'ఆంధ్ర జానపదగేయ వాఙ్మయ చరిత్ర' అన్న పేరుతో పుస్తకరూపంగా ప్రచురించిన జానపదసాహిత్యోద్ధారకులు శ్రీ టేకుమళ్ళ కామేశ్వరరావుగారు.

ఈ కోవకే చెందిన డా. తూమాటిదొణప్పగారు జానపద విగ్నానానికి సంబంధించి విశేషమైన కృషిజరిపారు. వీరు రచించిన 'తెలుగులో కొత్తవెలుగులు' 'జానపద కళాసంపద' తెలుగులో హరికథాసర్వస్వం' విశిష్టమైన గ్రంథాలు. 'త్రివేణి' జానపదగేయాల సంకలనకర్తలలో ఒకరుగా ప్రసిద్ధి చెందిన దొణప్పగారి మార్గదర్శత్వంలో చాలామంది పిహెచ్.డి; ఎంఫిల్ పట్టాలను సంపాదించుకొన్నారు.

'ఎల్లోరా' అనేకలం పేర్తో ప్రఖ్యాతులైన శ్రీ గొడవర్తి భాస్కరరావుగారు. విశ్వవిద్యాలయ స్థాయిలో పిహెచ్.డి; కోసం జానపద సాహిత్యాన్ని అధ్యయనం చెయ్యకపోయినా, ఆ సాహిత్యం మీద ఉన్న అభిమానంతో పిహెచ్.డి., పరిశోధకులు చెయ్యలేనంత కృషి చేశారు. వీరి 'జానపద సాహిత్యం' (1982) 'జానపదగేయాలు' - రెండు సంపుటాలు (1955,1957) 'మన ప్రాచీనకళలు–పుట్టు పూర్వోత్తరాలు (1960), సరాగాలు (1 961), 'మధురకవితలు' (సమీక్షా గ్రంథం–1961) ఉత్తమ గ్రంథలు.

శ్రీ మిక్కి లినేని రాధకృష్ణమూర్తిగారు కూడ ఎల్లోరాగారిలాగానే జానపద కళలమీద విశేషమైన కృషి చేశారు. వీరి 'ఆంధ్రనాటకరంగ చరిత్ర' (1969) 'తెలుగువారి జానపద కళారూపాలు' (1992) ఆంధ్రదేశంలోని జానపద కళారూపాలను మొట్టమొదటిసారిగా విశ్లేషించిన గ్రంథాలు.

తోలుబొమ్మలాటల మీద విశేషమైన కృషి చేసిన డా//మొదలి నాగభూషణశర్మగారు 1995 లో "Folk Arts of Andhra Pradesh'' అన్న గ్రంథన్ని ఆంగ్లంలో తెలుగు విశ్వవిద్యాలయం వారి ద్వారా ప్రచురించారు.

డా// ఎస్. గంగప్పగారు కూడ జానపద సాహిత్యం మీద పిహెచ్.డి., సంపాదించుకోకపోయినా, అంతకుమించిన స్థాయిలో జానపద విజ్ఞానాంశాలను సేకరించి, పరిశోధనలు జరిపారు. వీళ్ళందరు సేకరించి, వాటికి వివరాలు వ్రాసి ప్రచురించిన గ్రంథలు ఒక్కొక్క సిద్ధాంత వ్యాసంగానే పరిగణింపబడతాయి. అనాదృత వాఙ్మయంగా ఒకప్పుడు విద్వాంసులు ఈసడించినా నేడు ఆదరణీయ విజ్ఞానంకావడం గుర్తించదగ్గ విషయం.

ఇలా జానపదసాహిత్యసేకరణతోను, వ్యాస ప్రచురణలతోను సాగిన తెలుగు జానపద సాహిత్య క్షేత్రం విశ్వవిద్యాలయాల మెట్లనెక్కి జానపద విజ్ఞాన పరిశోధనలకు శ్రీకారం చుట్టింది. అలా తెలుగు జానపద సాహిత్యపరిశోధనకి అంకురార్పణగావించిన ఉస్మానియా విశ్వవిద్యాలయం, తెలుగు జానపదగేయ సాహిత్యంలో 1956లో మొట్టమొదటి పిహెచ్.డి.రావడానికి దోహదం చేసింది. నేటి జానపద విజ్ఞాన పరిశో

పరిశోధకులందరికి మార్గదర్శకులే కాక, ఆంధ్రదేశానికే ఒక asset అనిపించుకుంటున్నవారు ప్రసిద్ధ జానపద సాహిత్య పరిశోధకులు డా// బిరుదురాజు రామరాజు గారు. వీరు 'తెలుగు జానపదగేయ సాహిత్యం' తెలుగు జానపద సాహిత్య రంగంలో మొట్టమొదట పిహెచ్.డి. సిద్ధాంతవ్యాసం. వీరి కృషివల్లే ఉస్మానియా విశ్వవిద్యాలయంలో 1992 లో మొట్టమొదటిసారిగా ఎం.ఏ., విద్యార్థులకు జానపద సాహిత్యం ఒక పాఠ్యాంశంగా నిర్ణయించబడింది. నాటి నుంచి నేటిదాకా ఆంధ్రదేశంలోని అనేక విశ్వవిద్యాలయాల తెలుగు శాఖల్లోనూ,కర్నాటకలోని బెంగుళూరు విశ్వవిద్యాలయం తెలుగు విభాగంలోను, తమిళనాడులోని మదరాసు విశ్వవిద్యాలయం తెలుగు శాఖలోను, జానపదవిజ్ఞానం ఎం.ఏ. విద్యార్థులకు పాఠ్యాంశంగానూ, ఎం.ఫిల్., పిహెచ్.డి. లకు సంబంధించి పరిశోధనాంశంగాను కొనసాగుతూ ఉండడం ప్రశంసించదగ్గ విషయం. మధురై, డిల్లీ, బెనారసు విశ్వవిద్యాలయాల తెలుగు విభాగాల్లో కూడ పిహెచ్.డి కోసం పరిశోధనలు జరుగుతుండడం హర్షించదగ్గ విషయం.

డా. రామరాజుగారు లాగానే జానపద సాహిత్యానికి పరిశోధనగౌరవాన్ని కల్పించినవారు డా. ఎస్వీ. జోగారావుగారు. ఆంధ్ర విశ్వవిద్యాలయంలో 'ఆంధ్రయక్షగానవాఙ్మయ చరిత్ర' అనే అంశంమీద సిద్ధాంతవ్యాసం సమర్పించి 1957 లో పిహెచ్.డి. సంపాదించారు.

శ్రీమతి వింజమూరి సీతాదేవిగారు మద్రాసు విశ్వవిద్యాలయంలో "Music in Telugu folk songs" అనే అంశం మీద పరిశోధనచేసి 1952 లో మొట్టమొదటి ఎం.లిట్ డిగ్రీ సంపాదించారు.

'జానపదగేయ వాఙ్మయి పరిచయము ' ప్రచురింపబడిన సంవత్సరము.

(1) 1953
(2) 1954
(3) 1955
(4) 1963

[Question ID = 273][Question Description = S1_Telugu_Q093]

1. 1 [Option ID = 1089]
2. 2 [Option ID = 1090]
3. 3 [Option ID = 1091]
4. 4 [Option ID = 1092]

4)

సూచన : ఈ క్రింద ఇవ్వబడిన వ్యాసభాగమును చదివి ప్రశ్నకు సమాధానం రాయండి.

తెలుగులో మొట్టమొదట జానపద సాహిత్యాన్ని వివరణాత్మకంగా పరిచయం చేసిన గ్రంథం శ్రీహరి ఆదిశేషువుగారి "జానపద గేయ వాఙ్మయ పరిచయం". ఇది 1953లో తెలుగు భాషా సమితి ద్వారా మద్రాస్ ప్రభుత్వం వారి బహుమతిని పొందింది. 1954లో ప్రచురింపబడినది కూడ. వృత్తిరీత్యా శ్రీహరిఆదిశేషువుగారు రసాయన శాస్త్రాచార్యులైనప్పటికి జానపద సాహిత్యం మీదున్న మక్కువతో జానపద గేయాలను సేకరించి విశ్లేషించడం గమనించదగ్గ విషయం.

అలాగే అపూర్వమయిన జానపద సాహిత్యాన్ని అపారంగా అందించిన జానపదసాహిత్యోద్ధారకులు నేదునూరి గంగాధరంగారు. తమ జీవితాన్ని జానపదసాహిత్యానికే అంకితం చేసి ఆరువేలకు పైగా జానపద సాహిత్యానికే అంకిత చేసి గీతాలను సేకరించి ప్రచురించిన మహనీయులు వీరు. స్త్రీలపాటలు, కథాగేయాలు,వాడుకమాటలు, నుడికారాలు, సామెతలు, జాతీయాలు,పారిభాషిక పదాలు మొదలైన వాటిని సేకరించి గృహలక్ష్మి, కృష్ణాపత్రిక, భారతి,ఆంధ్రభూమి మొదలైనపత్రికల్లో ప్రచురించారు. జానపదసాహిత్యంలోని ప్రతిఅంశాన్ని స్పృశించి తర్వాతి సేకర్తలకు మార్గదర్శకులయ్యారు. అధ్యాపక వృత్తిలో ఉంటూ జానపద వాఙ్మయానికి అంకితమైపోయారు.నేదునూరి గంగాధరంగారు.

వృత్తిరీత్యా భౌతిక శాస్త్రాచార్యులుగా సేవచేస్తూ, ప్రవృత్తిరీత్యా జానపదవాఙ్మయోద్ధారకులుగా 'కృష్ణశ్రీగా' ప్రఖ్యాతిగాంచిన శ్రీపాదగోపాలకృష్ణమూర్తిగారు జానపదసాహిత్య క్షేత్రంలో చిరస్మరణీయులు. జానపద సాహిత్య విమర్శకుడుగా స్థానం ఆక్రమించుకొన్న 'కృష్ణశ్రీ' కలం నుంచి అనేక వ్యాసాలు భారతి, కిన్నెర, గృహలక్ష్మి పత్రికలను అలంకరించాయి. కనుమరుగైపోతున్న స్త్రీల పాటలనెన్నింటినో సేకరించి, స్త్రీల రామాయణపు పాటలు, స్త్రీల పౌరాణికపు పాటలు అన్నపేర్తో ఆంధ్రసారస్వతి పరిషత్తు వారి పక్షాన 1955, 1963 ప్రాంతాల్లో ప్రచురించారు.

ఉపాధ్యాయులుగానే ఉంటూ జానపదగేయాలను సేకరించి ప్రచురించడంతోపాటు భారతి, కిన్నెర, గృహలక్ష్మి మొదలైన పత్రికల్లో 1953-55 ప్రాంతాల్లో ప్రచురించిన వ్యాసాలను 'ఆంధ్ర జానపదగేయ వాఙ్మయ చరిత్ర' అన్న పేరుతో పుస్తకరూపంగా ప్రచురించిన జానపదసాహిత్యోద్ధారకులు శ్రీ టేకుమళ్ళ కామేశ్వరరావుగారు.

ఈ కోవకే చెందిన డా. తూమాటిదొణప్పగారు జానపద విగ్నానానికి సంబంధించి విశేషమైన కృషిజరిపారు. వీరు రచించిన 'తెలుగులో కొత్తవెలుగులు' 'జానపద కళాసంపద' తెలుగులో హరికథాసర్వస్వం' విశిష్టమైన గ్రంథాలు. 'త్రివేణి' జానపదగేయాల సంకలనకర్తలలో ఒకరుగా ప్రసిద్ధి చెందిన దొణప్పగారి మార్గదర్శత్వంలో చాలామంది పిహెచ్.డి; ఎంఫిల్ పట్టాలను సంపాదించుకొన్నారు.

'ఎల్లోరా' అనేకలం పేర్తో ప్రఖ్యాతులైన శ్రీ గొడవర్తి భాస్కరరావుగారు. విశ్వవిద్యాలయ స్థాయిలో పిహెచ్.డి; కోసం జానపద సాహిత్యాన్ని అధ్యయనం చెయ్యకపోయినా, ఆ సాహిత్యం మీద ఉన్న అభిమానంతో పిహెచ్.డి., పరిశోధకులు చెయ్యలేనంత కృషి చేశారు. వీరి 'జానపద సాహిత్యం' (1982) 'జానపదగేయాలు' – రెండు సంపుటాలు (1955,1957) 'మన ప్రాచీనకళలు–పుట్టు పూర్వోత్తరాలు (1960), సరాగాలు (1 961), 'మధురకవితలు' (సమీక్షా గ్రంథం–1961) ఉత్తమ గ్రంథలు.

శ్రీ మిక్కి లినేని రాధకృష్ణమూర్తిగారు కూడ ఎల్లోరాగారిలాగానే జానపద కళలమీద విశేషమైన కృషి చేశారు. వీరి 'ఆంధ్రనాటకరంగ చరిత్ర' (1969) 'తెలుగువారి జానపద కళారూపాలు' (1992) ఆంధ్రదేశంలోని జానపద కళారూపాలను మొట్టమొదటిసారిగా విశ్లేషించిన గ్రంథాలు.

తోలుబొమ్మలాటల మీద విశేషమైన కృషి చేసిన డా//మొదలి నాగభూషణశర్మగారు 1995 లో "Folk Arts of Andhra Pradesh" అన్న గ్రంథన్ని ఆంగ్లంలో తెలుగు విశ్వవిద్యాలయం వారి ద్వారా ప్రచురించారు.

డా// ఎస్. గంగప్పగారు కూడ జానపద సాహిత్యం మీద పిహెచ్.డి., సంపాదించుకోకపోయినా, అంతకుమించిన స్థాయిలో జానపద విజ్ఞానాంశాలను సేకరించి, పరిశోధనలు జరిపారు. వీళ్ళందరు సేకరించి, వాటికి వివరాలు వ్రాసి ప్రచురించిన గ్రంథలు ఒక్కొక్క సిద్ధాంత వ్యాసంగానే పరిగణింపబడతాయి. అనాదృత వాఙ్మయంగా ఒకప్పుడు విద్వాంసులు ఈసడించినా నేడు ఆదరణీయ విజ్ఞానంకావడం గుర్తించదగ్గ విషయం.

ఇలా జానపదసాహిత్యసేకరణతోను, వ్యాస ప్రచురణలతోను సాగిన తెలుగు జానపద సాహిత్య క్షేత్రం విశ్వవిద్యాలయాల మెట్లనెక్కి జానపద విజ్ఞాన పరిశోధనలకు శ్రీకారం చుట్టింది. అలా తెలుగు జానపద సాహిత్యపరిశోధనకి అంకురార్పణగావించిన ఉస్మానియా విశ్వవిద్యాలయం, తెలుగు జానపదగేయ సాహిత్యంలో 1956లో మొట్టమొదటి పిహెచ్.డి.రావడానికి దోహదం చేసింది. నేటి జానపద విజ్ఞాన పరిశో

పరిశోధకులందరికి మార్గదర్శకులే కాక, ఆంధ్రదేశానికే ఒక asset అనిపించుకుంటున్నవారు ప్రసిద్ధ జానపద సాహిత్య పరిశోధకులు డా// బిరుదురాజు రామరాజు గారు. వీరు 'తెలుగు జానపదగేయ సాహిత్యం' తెలుగు జానపద సాహిత్య రంగంలో మొట్టమొదట పిహెచ్.డి. సిద్ధాంతవ్యాసం. వీరి కృషివల్లే ఉస్మానియా విశ్వవిద్యాలయంలో 1992 లో మొట్టమొదటిసారిగా ఎం.ఏ., విద్యార్థులకు జానపద సాహిత్యం ఒక పాఠ్యాంశంగా నిర్ణయించబడింది. నాటి నుంచి నేటిదాకా ఆంధ్రదేశంలోని అనేక విశ్వవిద్యాలయాల తెలుగు శాఖల్లోనూ,కర్నాటకలోని బెంగుళూరు విశ్వవిద్యాలయం తెలుగు విభాగంలోను, తమిళనాడులోని మదరాసు విశ్వవిద్యాలయం తెలుగు శాఖలోను, జానపదవిజ్ఞానం ఎం.ఏ. విద్యార్థులకు పాఠ్యాంశంగానూ, ఎం.ఫిల్., పిహెచ్.డి. లకు సంబంధించి పరిశోధనాంశంగాను కొనసాగుతూ ఉండడం ప్రశంసించదగ్గ విషయం. మధురై, డిల్లీ, బెనారసు విశ్వవిద్యాలయాల తెలుగు విభాగాల్లో కూడ పిహెచ్.డి కోసం పరిశోధనలు జరుగుతుండడం హర్షించదగ్గ విషయం.

డా. రామరాజుగారు లాగానే జానపద సాహిత్యానికి పరిశోధనగౌరవాన్ని కల్పించినవారు డా. ఎస్వీ. జోగారావుగారు. ఆంధ్ర విశ్వవిద్యాలయంలో 'ఆంధ్రయక్షగానవాఙ్మయ చరిత్ర' అనే అంశంమీద సిద్ధాంతవ్యాసం సమర్పించి 1957 లో పిహెచ్.డి. సంపాదించారు.

శ్రీమతి వింజమూరి సీతాదేవిగారు మద్రాసు విశ్వవిద్యాలయంలో "Music in Telugu folk songs" అనే అంశం మీద పరిశోధనచేసి 1952 లో మొట్టమొదటి ఎం.లిట్ డిగ్రీ సంపాదించారు.

తోలు బొమలాటలపె కృషి చేసినది.

(1) టేకుమళ్ల కామేశ్వరరావు.
(2) మిక్కిలినేని రాధాకృష్ణమూర్తి.
(3) డా. మొదలి నాగభూషణశర్మ.
(4) డా. ఎస్వీ జోగారావు.

[Question ID = 274][Question Description = S1_Telugu_Q094]
1. 1 [Option ID = 1093]
2. 2 [Option ID = 1094]
3. 3 [Option ID = 1095]
4. 4 [Option ID = 1096]

5)

సూచన : ఈ క్రింద ఇవ్వబడిన వ్యాసభాగమును చదివి ప్రశ్నకు సమాధానం రాయండి.

తెలుగులో మొట్టమొదట జానపద సాహిత్యాన్ని వివరణాత్మకంగా పరిచయం చేసిన గ్రంథం శ్రీహరి ఆదిశేషువుగారి "జానపద గేయ వాఙ్మయ పరిచయం". ఇది 1953లో తెలుగు భాషా సమితి ద్వారా మద్రాస్ ప్రభుత్వం వారి బహుమతిని పొందింది. 1954లో ప్రచురింపబడినది కూడ. వృత్తిరీత్యా శ్రీహరిఆదిశేషువుగారు రసాయన శాస్త్రాచార్యులైనప్పటికి జానపద సాహిత్యం మీదున్న మక్కువతో జానపద గేయాలను సేకరించి విశ్లేషించడం గమనించదగ్గ విషయం.

అలాగే అపూర్వమయిన జానపద సాహిత్యాన్ని అపారంగా అందించిన జానపదసాహిత్యోద్ధారకులు నేదునూరి గంగాధరంగారు. తమ జీవితాన్ని జానపదసాహిత్యానికే అంకితం చేసి ఆరువేలకు పైగా జానపద సాహిత్యానికే అంకిత చేసి గీతాలను సేకరించి ప్రచురించిన మహనీయులు వీరు. స్త్రీలపాటలు, కథాగేయాలు,వాడుకమాటలు, నుడికారాలు, సామెతలు, జాతీయాలు,పారిభాషిక పదాలు మొదలైన వాటిని సేకరించి గృహలక్ష్మి, కృష్ణాపత్రిక, భారతి,ఆంధ్రభూమి మొదలైనపత్రికల్లో ప్రచురించారు. జానపదసాహిత్యంలోని ప్రతిఅంశాన్ని స్పృశించి తర్వాతి సేకర్తలకు మార్గదర్శకులయ్యారు. అధ్యాపక వృత్తిలో ఉంటూ జానపద వాఙ్మయానికి అంకితమైపోయారు.నేదునూరి గంగాధరంగారు.

వృత్తిరీత్యా భౌతిక శాస్త్రాచార్యులుగా సేవచేస్తూ, ప్రవృత్తిరీత్యా జానపదవాఙ్మయోద్ధారకులుగా 'కృష్ణశ్రీగా' ప్రఖ్యాతిగాంచిన శ్రీపాదగోపాలకృష్ణమూర్తిగారు జానపదసాహిత్య క్షేత్రంలో చిరస్మరణీయులు. జానపద సాహిత్య విమర్శకుడుగా స్థానం ఆక్రమించుకొన్న 'కృష్ణశ్రీ' కలం నుంచి అనేక వ్యాసాలు భారతి, కిన్నెర, గృహలక్ష్మి పత్రికలను అలంకరించాయి. కనుమరుగైపోతున్న స్త్రీల పాటలనెన్నింటినో సేకరించి, స్త్రీల రామాయణపు పాటలు, స్త్రీల పౌరాణికపు పాటలు అన్నపేర్తో ఆంధ్రసారస్వతి పరిషత్తు వారి పక్షాన 1955, 1963 ప్రాంతాల్లో ప్రచురించారు.

ఉపాధ్యాయులుగానే ఉంటూ జానపదగేయాలను సేకరించి ప్రచురించడంతోపాటు భారతి, కిన్నెర, గృహలక్ష్మి మొదలైన పత్రికల్లో 1953-55 ప్రాంతాల్లో ప్రచురించిన వ్యాసాలను 'ఆంధ్ర జానపదగేయ వాఙ్మయ చరిత్ర' అన్న పేరుతో పుస్తకరూపంగా ప్రచురించిన జానపదసాహిత్యోద్ధారకులు శ్రీ టేకుమళ్ళ కామేశ్వరరావుగారు.

ఈ కోవకే చెందిన డా. తూమాటిదొణప్పగారు జానపద విగ్నానానికి సంబంధించి విశేషమైన కృషిజరిపారు. వీరు రచించిన 'తెలుగులో కొత్తవెలుగులు' 'జానపద కళాసంపద' తెలుగులో హరికథాసర్వస్వం' విశిష్టమైన గ్రంథాలు. 'త్రివేణి' జానపదగేయాల సంకలనకర్తలలో ఒకరుగా ప్రసిద్ధి చెందిన దొణప్పగారి మార్గదర్శత్వంలో చాలామంది పిహెచ్.డి; ఎంఫిల్ పట్టాలను సంపాదించుకొన్నారు.

'ఎల్లోరా' అనేకలం పేర్తో ప్రఖ్యాతులైన శ్రీ గొడవర్తి భాస్కరరావుగారు. విశ్వవిద్యాలయ స్థాయిలో పిహెచ్.డి; కోసం జానపద సాహిత్యాన్ని అధ్యయనం చెయ్యకపోయినా, ఆ సాహిత్యం మీద ఉన్న అభిమానంతో పిహెచ్.డి., పరిశోధకులు చెయ్యలేనంత కృషి చేశారు. వీరి 'జానపద సాహిత్యం' (1982) 'జానపదగేయాలు' - రెండు సంపుటాలు (1955,1957) 'మన ప్రాచీనకళలు-పుట్టు పూర్వోత్తరాలు (1960), సరాగాలు (1 961), 'మధురకవితలు' (సమీక్షా గ్రంథం-1961) ఉత్తమ గ్రంథలు.

శ్రీ మిక్కి లినేని రాధకృష్ణమూర్తిగారు కూడ ఎల్లోరాగారిలాగానే జానపద కళలమీద విశేషమైన కృషి చేశారు. వీరి 'ఆంధ్రనాటకరంగ చరిత్ర' (1969) 'తెలుగువారి జానపద కళారూపాలు' (1992) ఆంధ్రదేశంలోని జానపద కళారూపాలను మొట్టమొదటిసారిగా విశ్లేషించిన గ్రంథాలు.

తోలుబొమ్మలాటల మీద విశేషమైన కృషి చేసిన డా//మొదలి నాగభూషణశర్మగారు 1995 లో "Folk Arts of Andhra Pradesh" అన్న గ్రంథన్ని ఆంగ్లంలో తెలుగు విశ్వవిద్యాలయం వారి ద్వారా ప్రచురించారు.

డా// ఎస్. గంగప్పగారు కూడ జానపద సాహిత్యం మీద పిహెచ్.డి., సంపాదించుకోకపోయినా, అంతకుమించిన స్థాయిలో జానపద విజ్ఞానాంశాలను సేకరించి, పరిశోధనలు జరిపారు. వీళ్ళందరు సేకరించి, వాటికి వివరాలు వ్రాసి ప్రచురించిన గ్రంథలు ఒక్కొక్క సిద్ధాంత వ్యాసంగానే పరిగణింపబడతాయి. అనాదృత వాఙ్మయంగా ఒకప్పుడు విద్వాంసులు ఈసడించినా నేడు ఆదరణీయ విజ్ఞానంకావడం గుర్తించదగ్గ విషయం.

ఇలా జానపదసాహిత్యసేకరణతోను, వ్యాస ప్రచురణలతోను సాగిన తెలుగు జానపద సాహిత్య క్షేత్రం విశ్వవిద్యాలయాల మెట్లనెక్కి జానపద విజ్ఞాన పరిశోధనలకు శ్రీకారం చుట్టింది. అలా తెలుగు జానపద సాహిత్యపరిశోధనకి అంకురార్పణగావించిన ఉస్మానియా విశ్వవిద్యాలయం, తెలుగు జానపదగేయ సాహిత్యంలో 1956లో మొట్టమొదటి పిహెచ్.డి.రావడానికి దోహదం చేసింది. నేటి జానపద విజ్ఞాన పరిశో

పరిశోధకులందరికి మార్గదర్శకులే కాక, ఆంధ్రదేశానికే ఒక asset అనిపించుకుంటున్నవారు ప్రసిద్ధ జానపద సాహిత్య పరిశోధకులు డా// బిరుదురాజు రామరాజు గారు. వీరు 'తెలుగు జానపదగేయ సాహిత్యం' తెలుగు జానపద సాహిత్య రంగంలో మొట్టమొదట పిహెచ్.డి. సిద్ధాంతవ్యాసం. వీరి కృషివల్లే ఉస్మానియా విశ్వవిద్యాలయంలో 1992 లో మొట్టమొదటిసారిగా ఎం.ఏ., విద్యార్థులకు జానపద సాహిత్యం ఒక

పాఠ్యాంశంగా నిర్ణయించబడింది. నాటి నుంచి నేటిదాకా ఆంధ్రదేశంలోని అనేక విశ్వవిద్యాలయాల తెలుగు శాఖల్లోనూ,కర్నాటకలోని బెంగుళూరు విశ్వవిద్యాలయం తెలుగు విభాగంలోను, తమిళునాడులోని మదరాసు విశ్వవిద్యాలయం తెలుగు శాఖలోను, జానపదవిజ్ఞానం ఎం.ఏ. విద్యార్థులకు పాఠ్యాంశంగానూ, ఎం.ఫిల్., పిహెచ్.డి. లకు సంబంధించి పరిశోధనాంశంగాను కొనసాగుతూ ఉండడం ప్రశంసించదగ్గ విషయం. మధురై, డిల్లీ, బెనారసు విశ్వవిద్యాలయాల తెలుగు విభాగాల్లో కూడ పిహెచ్.డి కోసం పరిశోధనలు జరుగుతుండడం హర్షించదగ్గ విషయం.

డా. రామరాజుగారు లాగానే జానపద సాహిత్యానికి పరిశోధనగౌరవాన్ని కల్పించినవారు డా. ఎస్వీ. జోగారావుగారు. ఆంధ్ర విశ్వవిద్యాలయంలో 'ఆంధ్రయక్షగానవాఙ్మయ చరిత్ర' అనే అంశంమీద సిద్ధాంతవ్యాసం సమర్పించి 1957 లో పిహెచ్.డి. సంపాదించారు.

శ్రీమతి వింజమూరి సీతాదేవిగారు మద్రాసు విశ్వవిద్యాలయంలో "Music in Telugu folk songs" అనే అంశం మీద పరిశోధనచేసి 1952 లో మొట్టమొదటి ఎం.లిట్ డిగ్రీ సంపాదించారు.

జానపద సాహిత్యం ఎం.ఎ.విద్యార్థులకు పాఠ్యాంశంగా ప్రకటితమైన సంవత్సరం.

(1) 1992

(2) 1956

(3) 1957

(4) 1963

[Question ID = 275][Question Description = S1_Telugu_Q095]

1. 1 [Option ID = 1097]
2. 2 [Option ID = 1098]
3. 3 [Option ID = 1099]
4. 4 [Option ID = 1100]

6)

సూచన : ఈ క్రింద ఇవ్వబడిన వ్యాసభాగమును చదివి ప్రశ్నకు సమాధానం రాయండి.

తెలుగులో మొట్టమొదట జానపద సాహిత్యాన్ని వివరణాత్మకంగా పరిచయం చేసిన గ్రంథం శ్రీహరి ఆదిశేషువుగారి "జానపద గేయ వాఙ్మయ పరిచయం". ఇది 1953లో తెలుగు భాషా సమితి ద్వారా మద్రాస్ ప్రభుత్వం వారి బహుమతిని పొందింది. 1954లో ప్రచురింపబడినది కూడ. వృత్తిరీత్యా శ్రీహరిఆదిశేషువుగారు రసాయన శాస్త్రాచార్యులైనప్పటికి జానపద సాహిత్యం మీదున్న మక్కువతో జానపద గేయాలను సేకరించి విశ్లేషించడం గమనించదగ్గ విషయం.

అలాగే అపూర్వమయిన జానపద సాహిత్యాన్ని అపారంగా అందించిన జానపదసాహిత్యోద్ధారకులు నేదునూరి గంగాధరంగారు. తమ జీవితాన్ని జానపదసాహిత్యానికే అంకితం చేసి ఆరువేలకు పైగా జానపద సాహిత్యానికే అంకిత చేసి గీతాలను సేకరించి ప్రచురించిన మహనీయులు వీరు. స్త్రీలపాటలు, కథాగేయాలు,వాదుకమాటలు, నుడికారాలు, సామెతలు, జాతీయాలు,పారిభాషిక పదాలు మొదలైన వాటిని సేకరించి గృహలక్ష్మి, కృష్ణాపత్రిక, భారతి,ఆంధ్రభూమి మొదలైనపత్రికల్లో ప్రచురించారు. జానపదసాహిత్యంలోని ప్రతిఅంశాన్ని స్పృశించి తర్వాతి సేకర్తలకు మార్గదర్శకులయ్యారు. అధ్యాపక వృత్తిలో ఉంటూ జానపద వాఙ్మయానికి అంకితమైపోయారు.నేదునూరి గంగాధరంగారు.

వృత్తిరీత్యా భౌతిక శాస్త్రాచార్యులుగా సేవచేస్తూ, ప్రవృత్తిరీత్యా జానపదవాఙ్మయోద్ధారకులుగా 'కృష్ణశ్రీగా' ప్రఖ్యాతిగాంచిన శ్రీపాదగోపాలకృష్ణమూర్తిగారు జానపదసాహిత్య క్షేత్రంలో చిరస్మరణీయులు. జానపద సాహిత్య విమర్శకుడుగా స్థానం ఆక్రమించుకొన్న 'కృష్ణశ్రీ' కలం నుంచి అనేక వ్యాసాలు భారతి, కిన్నెర, గృహలక్ష్మి పత్రికలను అలంకరించాయి. కనుమరుగైపోతున్న స్త్రీల పాటలనెన్నింటినో సేకరించి, స్త్రీల రామాయణపు పాటలు, స్త్రీల పౌరాణికపు పాటలు అన్నపేర్తో ఆంధ్రసారస్వతి పరిషత్తు వారి పక్షాన 1955, 1963 ప్రాంతాల్లో ప్రచురించారు.

ఉపాధ్యాయులుగానే ఉంటూ జానపదగేయాలను సేకరించి ప్రచురించడంతోపాటు భారతి, కిన్నెర, గృహలక్ష్మి మొదలైన పత్రికల్లో 1953-55 ప్రాంతాల్లో ప్రచురించిన వ్యాసాలను 'ఆంధ్ర జానపదగేయ వాఙ్మయ చరిత్ర' అన్న పేరుతో పుస్తకరూపంగా ప్రచురించిన జానపదసాహిత్యోద్ధారకులు శ్రీ టేకుమళ్ళ కామేశ్వరరావుగారు.

ఈ కోవకే చెందిన డా. తూమాటిదొణప్పగారు జానపద విగ్నానానికి సంబంధించి విశేషమైన కృషిజరిపారు. వీరు రచించిన 'తెలుగులో కొత్తవెలుగులు' 'జానపద కళాసంపద' తెలుగులో హరికథాసర్వస్వం' విశిష్టమైన గ్రంథాలు. 'త్రివేణి' జానపదగేయాల సంకలనకర్తలలో ఒకరుగా ప్రసిద్ధి చెందిన దొణప్పగారి మార్గదర్శత్వంలో చాలామంది పిహెచ్.డి; ఎంఫిల్ పట్టాలను సంపాదించుకొన్నారు.

'ఎల్లోరా' అనేకలం పేర్తో ప్రఖ్యాతులైన శ్రీ గొడవర్తి భాస్కరరావుగారు. విశ్వవిద్యాలయ స్థాయిలో పిహెచ్.డి; కోసం జానపద సాహిత్యాన్ని అధ్యయనం చెయ్యకపోయినా, ఆ సాహిత్యం మీద ఉన్న అభిమానంతో పిహెచ్.డి., పరిశోధకులు చెయ్యలేనంత కృషి చేశారు. వీరి 'జానపద సాహిత్యం' (1982) 'జానపదగేయాలు' – రెండు సంపుటాలు (1955,1957) 'మన ప్రాచీనకళలు–పుట్టు పూర్వోత్తరాలు (1960), సరాగాలు (1 961), 'మధురకవితలు' (సమీక్షా గ్రంథం–1961) ఉత్తమ గ్రంథలు.

శ్రీ మిక్కి లినేని రాధకృష్ణమూర్తిగారు కూడ ఎల్లోరాగారిలాగానే జానపద కళలమీద విశేషమైన కృషి చేశారు. వీరి 'ఆంధ్రనాటకరంగ చరిత్ర' (1969) 'తెలుగువారి జానపద కళారూపాలు' (1992) ఆంధ్రదేశంలోని జానపద కళారూపాలను మొట్టమొదటిసారిగా విశ్లేషించిన గ్రంథాలు.

తోలుబొమ్మలాటల మీద విశేషమైన కృషి చేసిన డా//మొదలి నాగభూషణశర్మగారు 1995 లో "Folk Arts of Andhra Pradesh" అన్న గ్రంథన్ని ఆంగ్లంలో తెలుగు విశ్వవిద్యాలయం వారి ద్వారా ప్రచురించారు.

డా// ఎస్. గంగప్పగారు కూడ జానపద సాహిత్యం మీద పిహెచ్.డి., సంపాదించుకోకపోయినా, అంతకుమించిన స్థాయిలో జానపద

విజ్ఞానాంశాలను సేకరించి, పరిశోధనలు జరిపారు. పల్లెందరు సేకరించి, వాటికి వివరాలు వ్రాసి ప్రచురించిన గ్రంథాలు ఒక్కొక్క సిద్ధాంత వ్యాసంగానే పరిగణింపబడతాయి. అనాదృత వాఙ్మయంగా ఒకప్పుడు విద్వాంసులు ఈసడించినా నేడు ఆదరణీయ విజ్ఞానంకావడం గుర్తించదగ్గ విషయం.

ఇలా జానపదసాహిత్యసేకరణతోను, వ్యాస ప్రచురణలతోను సాగిన తెలుగు జానపద సాహిత్య క్షేత్రం విశ్వవిద్యాలయాల మెట్లనెక్కి జానపద విజ్ఞాన పరిశోధనలకు శ్రీకారం చుట్టింది. అలా తెలుగు జానపద సాహిత్యపరిశోధనకి అంకురార్పణగావించిన ఉస్మానియా విశ్వవిద్యాలయం, తెలుగు జానపదగేయ సాహిత్యంలో 1956లో మొట్టమొదటి పిహెచ్.డి.రావడానికి దోహదం చేసింది. నేటి జానపద విజ్ఞాన పరిశో

పరిశోధకులందరికి మార్గదర్శకులే కాక, ఆంధ్రదేశానికే ఒక asset అనిపించుకుంటున్నవారు ప్రసిద్ధ జానపద సాహిత్య పరిశోధకులు డా// బిరుదురాజు రామరాజు గారు. వీరు 'తెలుగు జానపదగేయ సాహిత్యం' తెలుగు జానపద సాహిత్య రంగంలో మొట్టమొదట పిహెచ్.డి. సిద్ధాంతవ్యాసం. వీరి కృషివల్లే ఉస్మానియా విశ్వవిద్యాలయంలో 1992 లో మొట్టమొదటిసారిగా ఎం.ఏ., విద్యార్థులకు జానపద సాహిత్యం ఒక పాఠ్యాంశంగా నిర్ణయించబడింది. నాటి నుంచి నేటిదాకా ఆంధ్రదేశంలోని అనేక విశ్వవిద్యాలయాల తెలుగు శాఖల్లోనూ,కర్నాటకలోని బెంగుళూరు విశ్వవిద్యాలయం తెలుగు విభాగంలోను, తమిళనాడులోని మదరాసు విశ్వవిద్యాలయం తెలుగు శాఖలోను, జానపదవిజ్ఞానం ఎం.ఏ. విద్యార్థులకు పాఠ్యాంశంగానూ, ఎం.ఫిల్., పిహెచ్.డి. లకు సంబంధించి పరిశోధనాంశంగాను కొనసాగుతూ ఉండడం ప్రశంసించదగ్గ విషయం. మధురై, డిల్లీ, బెనారసు విశ్వవిద్యాలయాల తెలుగు విభాగాల్లో కూడ పిహెచ్.డి కోసం పరిశోధనలు జరుగుతుండడం హర్షించదగ్గ విషయం.

డా. రామరాజుగారు లాగానే జానపద సాహిత్యానికి పరిశోధనగౌరవాన్ని కల్పించినవారు డా. ఎస్వీ. జోగారావుగారు. ఆంధ్ర విశ్వవిద్యాలయంలో 'ఆంధ్రయక్షగానవాఙ్మయ చరిత్ర' అనే అంశంమీద సిద్ధాంతవ్యాసం సమర్పించి 1957 లో పిహెచ్.డి. సంపాదించారు.

శ్రీమతి వింజమూరి సీతాదేవిగారు మద్రాసు విశ్వవిద్యాలయంలో "Music in Telugu folk songs" అనే అంశం మీద పరిశోధనచేసి 1952 లో మొట్టమొదటి ఎం.లిట్ డిగ్రీ సంపాదించారు.

మొదటి ఎం.లిట్ డిగ్రీ సంపాదించినవారు.

(1) ఆచార్య బిరుదరాజు
(2) ఆచార్య ఎస్వీజోగారావు
(3) శ్రీమతి వింజమూరి సీతాదేవి.
(4) ఆచార్య తూమటి దొణప్ప

[Question ID = 276][Question Description = S1_Telugu_Q096]

1. 1 [Option ID = 1101]
2. 2 [Option ID = 1102]
3. 3 [Option ID = 1103]
4. 4 [Option ID = 1104]

7)

సూచన : ఈ క్రింద ఇవ్వబడిన వ్యాసభాగమును చదివి ప్రశ్నకు సమాధానం రాయండి.

తెలుగులో మొట్టమొదట జానపద సాహిత్యాన్ని వివరణాత్మకంగా పరిచయం చేసిన గ్రంథం శ్రీహరి ఆదిశేషువుగారి "జానపద గేయ వాఙ్మయ పరిచయం". ఇది 1953లో తెలుగు భాషా సమితి ద్వారా మద్రాస్ ప్రభుత్వం వారి బహుమతిని పొందింది. 1954లో ప్రచురింపబడినది కూడ. వృత్తిరీత్యా శ్రీహరిఆదిశేషువుగారు రసాయన శాస్త్రాచార్యులైనప్పటికి జానపద సాహిత్యం మీదున్న మక్కువతో జానపద గేయాలను సేకరించి విశ్లేషించడం గమనించదగ్గ విషయం.

అలాగే అపూర్వమయిన జానపద సాహిత్యాన్ని అపారంగా అందించిన జానపదసాహిత్యోద్ధారకులు నేదునూరి గంగాధరంగారు. తమ జీవితాన్ని జానపదసాహిత్యానికే అంకితం చేసి ఆరువేలకు పైగా జానపద సాహిత్యానికే అంకిత చేసి గీతాలను సేకరించి ప్రచురించిన మహనీయులు వీరు. స్త్రీలపాటలు, కథాగేయాలు,వాడుకమాటలు, నుడికారాలు, సామెతలు, జాతీయాలు,పారిభాషిక పదాలు మొదలైన వాటిని సేకరించి గృహలక్ష్మి, కృష్ణాపత్రిక, భారతి,ఆంధ్రభూమి మొదలైనపత్రికల్లో ప్రచురించారు. జానపదసాహిత్యంలోని ప్రతిఅంశాన్ని స్పృశించి తర్వాతి సేకర్తలకు మార్గదర్శకులయ్యారు. అధ్యాపక వృత్తిలో ఉంటూ జానపద వాఙ్మయానికి అంకితమైపోయారు.నేదునూరి గంగాధరంగారు.

వృత్తిరీత్యా భౌతిక శాస్త్రాచార్యులుగా సేవచేస్తూ, ప్రవృత్తిరీత్యా జానపదవాఙ్మయోద్ధారకులుగా 'కృష్ణశ్రీగా' ప్రఖ్యాతిగాంచిన శ్రీపాదగోపాలకృష్ణమూర్తిగారు జానపదసాహిత్య క్షేత్రంలో చిరస్మరణీయులు. జానపద సాహిత్య విమర్శకుడుగా స్థానం ఆక్రమించుకొన్న 'కృష్ణశ్రీ' కలం నుంచి అనేక వ్యాసాలు భారతి, కిన్నెర, గృహలక్ష్మి పత్రికలను అలంకరించాయి. కనుమరుగైపోతున్న స్త్రీల పాటలనెన్నింటినో సేకరించి, స్త్రీల రామాయణపు పాటలు, స్త్రీల పౌరాణికపు పాటలు అన్నపేర్తో ఆంధ్రసారస్వతి పరిషత్తు వారి పక్షాన 1955, 1963 ప్రాంతాల్లో ప్రచురించారు.

ఉపాధ్యాయులుగానే ఉంటూ జానపదగేయాలను సేకరించి ప్రచురించడంతోపాటు భారతి, కిన్నెర, గృహలక్ష్మి మొదలైన పత్రికల్లో 1953-55 ప్రాంతాల్లో ప్రచురించిన వ్యాసాలను 'ఆంధ్ర జానపదగేయ వాఙ్మయ చరిత్ర' అన్న పేరుతో పుస్తకరూపంగా ప్రచురించిన జానపదసాహిత్యోద్ధారకులు శ్రీ టేకుమళ్ళ కామేశ్వరరావుగారు.

ఈ కోవకే చెందిన డా. తూమాటిదొణప్పగారు జానపద విగ్నానానికి సంబంధించి విశేషమైన కృషిజరిపారు. వీరు రచించిన 'తెలుగులో కొత్తవెలుగులు' 'జానపద కళాసంపద' తెలుగులో హరికథాసర్వస్వం' విశిష్టమైన గ్రంథాలు. 'త్రివేణి' జానపదగేయాల సంకలనకర్తలలో ఒకరుగా ప్రసిద్ధి చెందిన దొణప్పగారి మార్గదర్శత్వంలో చాలామంది పిహెచ్.డి; ఎంఫిల్ పట్టాలను సంపాదించుకొన్నారు.

'ఎల్లోరా' అనేకలం పేర్తో ప్రఖ్యాతులైన శ్రీ గొడవర్తి భాస్కరరావుగారు. విశ్వవిద్యాలయ స్థాయిలో పిహెచ్.డి; కోసం జానపద సాహిత్యాన్ని

అధ్యయనం చెయ్యకపోయినా, ఆ సాహిత్యం మీద ఉన్న అభిమానంతో పిహెచ్.డి., వంటి థీసులు చెయ్యలేనంత కృషి చేశారు. వీరి 'జానపద సాహిత్యం' (1982) 'జానపదగేయాలు' - రెండు సంపుటాలు (1955,1957) 'మన ప్రాచీనకళలు-పుట్టు పూర్వోత్తరాలు (1960), సరాగాలు (1 961), 'మధురకవితలు' (సమీక్షా గ్రంథం-1961) ఉత్తమ గ్రంథలు.

శ్రీ మిక్కి లినేని రాధకృష్ణమూర్తిగారు కూడ ఎల్లోరాగారిలాగానే జానపద కళలమీద విశేషమైన కృషి చేశారు. వీరి 'ఆంధ్రనాటకరంగ చరిత్ర' (1969) 'తెలుగువారి జానపద కళారూపాలు' (1992) ఆంధ్రదేశంలోని జానపద కళారూపాలను మొట్టమొదటిసారిగా విశ్లేషించిన గ్రంథాలు.

తోలుబొమ్మలాటల మీద విశేషమైన కృషి చేసిన డా//మొదలి నాగభూషణశర్మగారు 1995 లో "Folk Arts of Andhra Pradesh" అన్న గ్రంథన్ని ఆంగ్లంలో తెలుగు విశ్వవిద్యాలయం వారి ద్వారా ప్రచురించారు.

డా// ఎస్. గంగప్పగారు కూడ జానపద సాహిత్యం మీద పిహెచ్.డి., సంపాదించుకోకపోయినా, అంతకుమించిన స్థాయిలో జానపద విజ్ఞానాంశాలను సేకరించి, పరిశోధనలు జరిపారు. వీళ్ళందరు సేకరించి, వాటికి వివరాలు వ్రాసి ప్రచురించిన గ్రంథలు ఒక్కొక్క సిద్ధాంత వ్యాసంగానే పరిగణింపబడతాయి. అనాదృత వాఙ్మయంగా ఒకప్పుడు విద్వాంసులు ఈసడించినా నేడు ఆదరణీయ విజ్ఞానంకావడం గుర్తించదగ్గ విషయం.

ఇలా జానపదసాహిత్యసేకరణతోను, వ్యాస ప్రచురణలతోను సాగిన తెలుగు జానపద సాహిత్య క్షేత్రం విశ్వవిద్యాలయాల మెట్లనెక్కి జానపద విజ్ఞాన పరిశోధనలకు శ్రీకారం చుట్టింది. అలా తెలుగు జానపద సాహిత్యపరిశోధనకి అంకురార్పణగావించిన ఉస్మానియా విశ్వవిద్యాలయం, తెలుగు జానపదగేయ సాహిత్యంలో 1956లో మొట్టమొదటి పిహెచ్.డి.రావడానికి దోహదం చేసింది. నేటి జానపద విజ్ఞాన పరిశో

పరిశోధకులందరికి మార్గదర్శకులే కాక, ఆంధ్రదేశానికే ఒక asset అనిపించుకుంటున్నవారు ప్రసిద్ధ జానపద సాహిత్య పరిశోధకులు డా// బిరుదురాజు రామరాజు గారు. వీరు 'తెలుగు జానపదగేయ సాహిత్యం' తెలుగు జానపద సాహిత్య రంగంలో మొట్టమొదట పిహెచ్.డి. సిద్ధాంతవ్యాసం. వీరి కృషివల్లే ఉస్మానియా విశ్వవిద్యాలయంలో 1992 లో మొట్టమొదటిసారిగా ఎం.ఏ., విద్యార్థులకు జానపద సాహిత్యం ఒక పాఠ్యాంశంగా నిర్ణయించబడింది. నాటి నుంచి నేటిదాకా ఆంధ్రదేశంలోని అనేక విశ్వవిద్యాలయాల తెలుగు శాఖల్లోనూ,కర్నాటకలోని బెంగుళూరు విశ్వవిద్యాలయం తెలుగు విభాగంలోను, తమిళనాడులోని మదరాసు విశ్వవిద్యాలయం తెలుగు శాఖలోను, జానపదవిజ్ఞానం ఎం.ఏ. విద్యార్థులకు పాఠ్యాంశంగానూ, ఎం.ఫిల్., పిహెచ్.డి. లకు సంబంధించి పరిశోధనాంశంగాను కొనసాగుతూ ఉండడం ప్రశంసించదగ్గ విషయం. మధురై, డిల్లీ, బెనారసు విశ్వవిద్యాలయాల తెలుగు విభాగాల్లో కూడ పిహెచ్.డి కోసం పరిశోధనలు జరుగుతుండడం హర్షించదగ్గ విషయం.

డా. రామరాజుగారు లాగానే జానపద సాహిత్యానికి పరిశోధనగౌరవాన్ని కల్పించినవారు డా. ఎస్వీ. జోగారావుగారు. ఆంధ్ర విశ్వవిద్యాలయంలో 'ఆంధ్రయక్షగానవాఙ్మయ చరిత్ర' అనే అంశంమీద సిద్ధాంతవ్యాసం సమర్పించి 1957 లో పిహెచ్.డి. సంపాదించారు.

శ్రీమతి వింజమూరి సీతాదేవిగారు మద్రాసు విశ్వవిద్యాలయంలో "Music in Telugu folk songs" అనే అంశం మీద పరిశోధనచేసి 1952 లో మొట్టమొదటి ఎం.లిట్ డిగ్రీ సంపాదించారు.

జానపద సాహిత్యపరిశోధనకు అంకురార్పణ చేసిన విశ్వవిద్యాలయం.

(1) ఆంధ్ర విశ్వవిద్యాలయం
(2) మద్రాసు విశ్వవిద్యాలయం
(3) బెంగుళూరు విశ్వవిద్యాలయం
(4) ఉస్మానియా విశ్వవిద్యాలయం

[Question ID = 277][Question Description = S1_Telugu_Q097]

1. 1 [Option ID = 1105]
2. 2 [Option ID = 1106]
3. 3 [Option ID = 1107]
4. 4 [Option ID = 1108]

8)

సూచన : ఈ క్రింద ఇవ్వబడిన వ్యాసభాగమును చదివి ప్రశ్నకు సమాధానం రాయండి.

తెలుగులో మొట్టమొదట జానపద సాహిత్యాన్ని వివరణాత్మకంగా పరిచయం చేసిన గ్రంథం శ్రీహరి ఆదిశేషువుగారి "జానపద గేయ వాఙ్మయ పరిచయం". ఇది 1953లో తెలుగు భాషా సమితి ద్వారా మద్రాస్ ప్రభుత్వం వారి బహుమతిని పొందింది. 1954లో ప్రచురింపబడినది కూడ. వృత్తిరీత్యా శ్రీహరిఆదిశేషువుగారు రసాయన శాస్త్రాచార్యులైనప్పటికి జానపద సాహిత్యం మీదున్న మక్కువతో జానపద గేయాలను సేకరించి విశ్లేషించడం గమనించదగ్గ విషయం.

అలాగే అపూర్వమయిన జానపద సాహిత్యాన్ని అపారంగా అందించిన జానపదసాహిత్యోద్ధారకులు నేదునూరి గంగాధరంగారు. తమ జీవితాన్ని జానపదసాహిత్యానికే అంకితం చేసి ఆరువేలకు పైగా జానపద సాహిత్యానికే అంకిత చేసి గీతాలను సేకరించి ప్రచురించిన మహనీయులు వీరు. స్త్రీలపాటలు, కథాగేయాలు,వాడుకమాటలు, నుడికారాలు, సామెతలు, జాతీయాలు,పారిభాషిక పదాలు మొదలైన వాటిని సేకరించి గృహలక్ష్మి, కృష్ణాపత్రిక, భారతి,ఆంధ్రభూమి మొదలైనపత్రికల్లో ప్రచురించారు. జానపదసాహిత్యంలోని ప్రతిఅంశాన్ని స్పృశించి తర్వాతి సేకర్తలకు మార్గదర్శకులయ్యారు. అధ్యాపక వృత్తిలో ఉంటూ జానపద వాఙ్మయానికి అంకితమైపోయారు.నేదునూరి గంగాధరంగారు.

వృత్తిరీత్యా భౌతిక శాస్త్రాచార్యులుగా సేవచేస్తూ, ప్రవృత్తిరీత్యా జానపదవాఙ్మయోద్ధారకులుగా 'కృష్ణశ్రీగా' ప్రఖ్యాతిగాంచిన శ్రీపాదగోపాలకృష్ణమూర్తిగారు జానపదసాహిత్య క్షేత్రంలో చిరస్మరణీయులు. జానపద సాహిత్య విమర్శకుడుగా స్థానం ఆక్రమించుకొన్న 'కృష్ణశ్రీ' కలం నుంచి అనేక వ్యాసాలు భారతి, కిన్నెర, గృహలక్ష్మి పత్రికలను అలంకరించాయి. కనుమరుగైపోతున్న స్త్రీల పాటలనెన్నింటినో సేకరించి,

స్త్రీల రామాయణపు పాటలు, స్త్రీల పౌరాణికపు పాటలు అన్నపేర్తో ఆంధ్రసారస్వతి పరిషత్తు వారి పక్షాన 1955, 1963 ప్రాంతాల్లో ప్రచురించారు.

ఉపాధ్యాయులుగానే ఉంటూ జానపదగేయాలను సేకరించి ప్రచురించడంతోపాటు భారతి, కిన్నెర, గృహలక్ష్మి మొదలైన పత్రికల్లో 1953-55 ప్రాంతాల్లో ప్రచురించిన వ్యాసాలను 'ఆంధ్ర జానపదగేయ వాఙ్మయ చరిత్ర' అన్న పేరుతో పుస్తకరూపంగా ప్రచురించిన జానపదసాహిత్యోద్ధారకులు శ్రీ టేకుమళ్ళ కామేశ్వరరావుగారు.

ఈ కోవకే చెందిన డా. తూమాటిదొణప్పగారు జానపద విగ్నానానికి సంబంధించి విశేషమైన కృషిజరిపారు. వీరు రచించిన 'తెలుగులో కొత్తవెలుగులు' 'జానపద కళాసంపద' తెలుగులో హరికథాసర్వస్వం' విశిష్టమైన గ్రంథాలు. 'త్రివేణి' జానపదగేయాల సంకలనకర్తలలో ఒకరుగా ప్రసిద్ధి చెందిన దొణప్పగారి మార్గదర్శత్వంలో చాలామంది పిహెచ్.డి; ఎంఫిల్ పట్టాలను సంపాదించుకొన్నారు.

'ఎల్లోరా' అనేకలం పేర్తో ప్రఖ్యాతులైన శ్రీ గొడవర్తి భాస్కరరావుగారు. విశ్వవిద్యాలయ స్థాయిలో పిహెచ్.డి; కోసం జానపద సాహిత్యాన్ని అధ్యయనం చెయ్యకపోయినా, ఆ సాహిత్యం మీద ఉన్న అభిమానంతో పిహెచ్.డి., పరిశోధకులు చెయ్యలేనంత కృషి చేశారు. వీరి 'జానపద సాహిత్యం' (1982) 'జానపదగేయాలు' – రెండు సంపుటాలు (1955,1957) 'మన ప్రాచీనకళలు–పుట్టు పూర్వోత్తరాలు (1960), సరాగాలు (1 961), 'మధురకవితలు' (సమీక్షా గ్రంథం–1961) ఉత్తమ గ్రంథలు.

శ్రీ మిక్కి లినేని రాధకృష్ణమూర్తిగారు కూడ ఎల్లోరాగారిలాగానే జానపద కళలమీద విశేషమైన కృషి చేశారు. వీరి 'ఆంధ్రనాటకరంగ చరిత్ర' (1969) 'తెలుగువారి జానపద కళారూపాలు' (1992) ఆంధ్రదేశంలోని జానపద కళారూపాలను మొట్టమొదటిసారిగా విశ్లేషించిన గ్రంథాలు.

తోలుబొమ్మలాటల మీద విశేషమైన కృషి చేసిన డా//మొదలి నాగభూషణశర్మగారు 1995 లో "Folk Arts of Andhra Pradesh" అన్న గ్రంథన్ని ఆంగ్లంలో తెలుగు విశ్వవిద్యాలయం వారి ద్వారా ప్రచురించారు.

డా// ఎస్. గంగప్పగారు కూడ జానపద సాహిత్యం మీద పిహెచ్.డి., సంపాదించుకోకపోయినా, అంతకుమించిన స్థాయిలో జానపద విజ్ఞానాంశాలను సేకరించి, పరిశోధనలు జరిపారు. వీళ్ళందరు సేకరించి, వాటికి వివరాలు వ్రాసి ప్రచురించిన గ్రంథలు ఒక్కొక్క సిద్ధాంత వ్యాసంగానే పరిగణింపబడతాయి. అనాదృత వాఙ్మయంగా ఒకప్పుడు విద్వాంసులు ఈసడించినా నేడు ఆదరణీయ విజ్ఞానంకావడం గుర్తించదగ్గ విషయం.

ఇలా జానపదసాహిత్యసేకరణతోను, వ్యాస ప్రచురణలతోను సాగిన తెలుగు జానపద సాహిత్య క్షేత్రం విశ్వవిద్యాలయాల మెట్లనెక్కి జానపద విజ్ఞాన పరిశోధనలకు శ్రీకారం చుట్టింది. అలా తెలుగు జానపద సాహిత్యపరిశోధనకి అంకురార్పణగావించిన ఉస్మానియా విశ్వవిద్యాలయం, తెలుగు జానపదగేయ సాహిత్యంలో 1956లో మొట్టమొదటి పిహెచ్.డి.రావడానికి దోహదం చేసింది. నేటి జానపద విజ్ఞాన పరిశో

పరిశోధకులందరికి మార్గదర్శకులే కాక, ఆంధ్రదేశానికే ఒక asset అనిపించుకుంటున్నవారు ప్రసిద్ధ జానపద సాహిత్య పరిశోధకులు డా// బిరుదురాజు రామరాజు గారు. వీరు 'తెలుగు జానపదగేయ సాహిత్యం' తెలుగు జానపద సాహిత్య రంగంలో మొట్టమొదట పిహెచ్.డి. సిద్ధాంతవ్యాసం. వీరి కృషివల్లే ఉస్మానియా విశ్వవిద్యాలయంలో 1992 లో మొట్టమొదటిసారిగా ఎం.ఏ., విద్యార్థులకు జానపద సాహిత్యం ఒక పాఠ్యాంశంగా నిర్ణయించబడింది. నాటి నుంచి నేటిదాకా ఆంధ్రదేశంలోని అనేక విశ్వవిద్యాలయాల తెలుగు శాఖల్లోనూ,కర్నాటకలోని బెంగుళూరు విశ్వవిద్యాలయం తెలుగు విభాగంలోను, తమిళునాడులోని మదరాసు విశ్వవిద్యాలయం తెలుగు శాఖలోను, జానపదవిజ్ఞానం ఎం.ఏ. విద్యార్థులకు పాఠ్యాంశంగానూ, ఎం.ఫిల్., పిహెచ్.డి. లకు సంబంధించి పరిశోధనాంశంగాను కొనసాగుతూ ఉండడం ప్రశంసించదగ్గ విషయం. మధురై, డిల్లీ, బెనారసు విశ్వవిద్యాలయాల తెలుగు విభాగాల్లో కూడ పిహెచ్.డి కోసం పరిశోధనలు జరుగుతుండడం హర్షించదగ్గ విషయం.

డా. రామరాజుగారు లాగానే జానపద సాహిత్యానికి పరిశోధనగౌరవాన్ని కల్పించినవారు డా. ఎస్వీ. జోగారావుగారు. ఆంధ్ర విశ్వవిద్యాలయంలో 'ఆంధ్రయక్షగానవాఙ్మయ చరిత్ర' అనే అంశంమీద సిద్ధాంతవ్యాసం సమర్పించి 1957 లో పిహెచ్.డి. సంపాదించారు.

శ్రీమతి వింజమూరి సీతాదేవిగారు మద్రాసు విశ్వవిద్యాలయంలో "Music in Telugu folk songs" అనే అంశం మీద పరిశోధనచేసి 1952 లో మొట్టమొదటి ఎం.లిట్ డిగ్రీ సంపాదించారు.

'కృష్ణశ్రీ' గా ఖ్యాతి పొందినవారు.

(1) నేదునూరి గంగాధరం.
(2) శ్రీపాదగోపాలకృష్ణమూర్తి.
(3) శ్రీహరి ఆదిశేషువు.
(4) శ్రీమతి వింజమూరి సీతాదేవి.

[Question ID = 278][Question Description = S1_Telugu_Q098]

1. 1 [Option ID = 1109]
2. 2 [Option ID = 1110]
3. 3 [Option ID = 1111]
4. 4 [Option ID = 1112]

9)

సూచన : ఈ క్రింద ఇవ్వబడిన వ్యాసభాగమును చదివి ప్రశ్నకు సమాధానం రాయండి.

తెలుగులో మొట్టమొదట జానపద సాహిత్యాన్ని వివరణాత్మకంగా పరిచయం చేసిన గ్రంథం శ్రీహరి ఆదిశేషువుగారి "జానపద గేయ వాఙ్మయ పరిచయం". ఇది 1953లో తెలుగు భాషా సమితి ద్వారా మద్రాస్ ప్రభుత్వం వారి బహుమతిని పొందింది. 1954లో ప్రచురింపబడినది కూడ. వృత్తిరీత్యా శ్రీహరిఆదిశేషువుగారు రసాయన శాస్త్రాచార్యులైనప్పటికి జానపద సాహిత్యం మీదున్న మక్కువతో జానపద గేయాలను సేకరించి

విశ్లేషించడం గమనించదగ్గ విషయం.

అలాగే అపూర్వమయిన జానపద సాహిత్యాన్ని అపారంగా అందించిన జానపదసాహిత్యోద్ధారకులు నేదునూరి గంగాధరంగారు. తమ జీవితాన్ని జానపదసాహిత్యానికే అంకితం చేసి ఆరువేలకు పైగా జానపద సాహిత్యానికే అంకిత చేసి గీతాలను సేకరించి ప్రచురించిన మహనీయులు వీరు. స్త్రీలపాటలు, కథాగేయాలు,వాడుకమాటలు, నుడికారాలు, సామెతలు, జాతీయాలు,పారిభాషిక పదాలు మొదలైన వాటిని సేకరించి గృహలక్ష్మి, కృష్ణాపత్రిక, భారతి,ఆంధ్రభూమి మొదలైనపత్రికల్లో ప్రచురించారు. జానపదసాహిత్యంలోని ప్రతిఅంశాన్ని స్పృశించి తర్వాతి సేకర్తలకు మార్గదర్శకులయ్యారు. అధ్యాపక వృత్తిలో ఉంటూ జానపద వాఙ్మయానికి అంకితమైపోయారు.నేదునూరి గంగాధరంగారు.

వృత్తిరీత్యా భౌతిక శాస్త్రాచార్యులుగా సేవచేస్తూ, ప్రవృత్తిరీత్యా జానపదవాఙ్మయోద్ధారకులుగా 'కృష్ణశ్రీగా' ప్రఖ్యాతిగాంచిన శ్రీపాదగోపాలకృష్ణమూర్తిగారు జానపదసాహిత్య క్షేత్రంలో చిరస్మరణీయులు. జానపద సాహిత్య విమర్శకుడుగా స్థానం ఆక్రమించుకొన్న 'కృష్ణశ్రీ' కలం నుంచి అనేక వ్యాసాలు భారతి, కిన్నెర, గృహలక్ష్మి పత్రికలను అలంకరించాయి. కనుమరుగైపోతున్న స్త్రీల పాటలనెన్నింటినో సేకరించి, స్త్రీల రామాయణపు పాటలు, స్త్రీల పౌరాణికపు పాటలు అన్నపేర్తో ఆంధ్రసారస్వతి పరిషత్తు వారి పక్షాన 1955, 1963 ప్రాంతాల్లో ప్రచురించారు.

ఉపాధ్యాయులుగానే ఉంటూ జానపదగేయాలను సేకరించి ప్రచురించడంతోపాటు భారతి, కిన్నెర, గృహలక్ష్మి మొదలైన పత్రికల్లో 1953-55 ప్రాంతాల్లో ప్రచురించిన వ్యాసాలను 'ఆంధ్ర జానపదగేయ వాఙ్మయ చరిత్ర' అన్న పేరుతో పుస్తకరూపంగా ప్రచురించిన జానపదసాహిత్యోద్ధారకులు శ్రీ టేకుమళ్ళ కామేశ్వరరావుగారు.

ఈ కోవకే చెందిన డా. తూమాటిదొణప్పగారు జానపద విగ్నానానికి సంబంధించి విశేషమైన కృషిజరిపారు. వీరు రచించిన 'తెలుగులో కొత్తవెలుగులు' 'జానపద కళాసంపద' తెలుగులో హరికథాసర్వస్వం' విశిష్టమైన గ్రంథాలు. 'త్రివేణి' జానపదగేయాల సంకలనకర్తలలో ఒకరుగా ప్రసిద్ధి చెందిన దొణప్పగారి మార్గదర్శత్వంలో చాలామంది పిహెచ్.డి; ఎంఫిల్ పట్టాలను సంపాదించుకొన్నారు.

'ఎల్లోరా' అనేకలం పేర్తో ప్రఖ్యాతులైన శ్రీ గొడవర్తి భాస్కరరావుగారు. విశ్వవిద్యాలయ స్థాయిలో పిహెచ్.డి; కోసం జానపద సాహిత్యాన్ని అధ్యయనం చెయ్యకపోయినా, ఆ సాహిత్యం మీద ఉన్న అభిమానంతో పిహెచ్.డి., పరిశోధకులు చెయ్యలేనంత కృషి చేశారు. వీరి 'జానపద సాహిత్యం' (1982) 'జానపదగేయాలు' - రెండు సంపుటాలు (1955,1957) 'మన ప్రాచీనకళలు–పుట్టు పూర్వోత్తరాలు (1960), సరాగాలు (1 961), 'మధురకవితలు' (సమీక్షా గ్రంథం–1961) ఉత్తమ గ్రంథలు.

శ్రీ మిక్కి లినేని రాధకృష్ణమూర్తిగారు కూడ ఎల్లోరాగారిలాగానే జానపద కళలమీద విశేషమైన కృషి చేశారు. వీరి 'ఆంధ్రనాటకరంగ చరిత్ర' (1969) 'తెలుగువారి జానపద కళారూపాలు' (1992) ఆంధ్రదేశంలోని జానపద కళారూపాలను మొట్టమొదటిసారిగా విశ్లేషించిన గ్రంథాలు.

తోలుబొమ్మలాటల మీద విశేషమైన కృషి చేసిన డా//మొదలి నాగభూషణశర్మగారు 1995 లో "Folk Arts of Andhra Pradesh'' అన్న గ్రంథన్ని ఆంగ్లంలో తెలుగు విశ్వవిద్యాలయం వారి ద్వారా ప్రచురించారు.

డా// ఎస్. గంగప్పగారు కూడ జానపద సాహిత్యం మీద పిహెచ్.డి., సంపాదించుకోకపోయినా, అంతకుమించిన స్థాయిలో జానపద విజ్ఞానాంశాలను సేకరించి, పరిశోధనలు జరిపారు. వీళ్ళందరు సేకరించి, వాటికి వివరాలు వ్రాసి ప్రచురించిన గ్రంథలు ఒక్కొక్క సిద్ధాంత వ్యాసంగానే పరిగణింపబడతాయి. అనాదృత వాఙ్మయంగా ఒకప్పుడు విద్వాంసులు ఈసడించినా నేడు ఆదరణీయ విజ్ఞానంకావడం గుర్తించదగ్గ విషయం.

ఇలా జానపదసాహిత్యసేకరణతోను, వ్యాస ప్రచురణలతోను సాగిన తెలుగు జానపద సాహిత్య క్షేత్రం విశ్వవిద్యాలయాల మెట్లనెక్కి జానపద విజ్ఞాన పరిశోధనలకు శ్రీకారం చుట్టింది. అలా తెలుగు జానపద సాహిత్యపరిశోధనకి అంకురార్పణగావించిన ఉస్మానియా విశ్వవిద్యాలయం, తెలుగు జానపదగేయ సాహిత్యంలో 1956లో మొట్టమొదటి పిహెచ్.డి.రావడానికి దోహదం చేసింది. నేటి జానపద విజ్ఞాన పరిశో

పరిశోధకులందరికి మార్గదర్శకులే కాక, ఆంధ్రదేశానికే ఒక asset అనిపించుకుంటున్నవారు ప్రసిద్ధ జానపద సాహిత్య పరిశోధకులు డా// బిరుదురాజు రామరాజు గారు. వీరు 'తెలుగు జానపదగేయ సాహిత్యం' తెలుగు జానపద సాహిత్య రంగంలో మొట్టమొదట పిహెచ్.డి. సిద్ధాంతవ్యాసం. వీరి కృషివల్లే ఉస్మానియా విశ్వవిద్యాలయంలో 1992 లో మొట్టమొదటిసారిగా ఎం.ఏ., విద్యార్థులకు జానపద సాహిత్యం ఒక పాఠ్యాంశంగా నిర్ణయించబడింది. నాటి నుంచి నేటిదాకా ఆంధ్రదేశంలోని అనేక విశ్వవిద్యాలయాల తెలుగు శాఖల్లోనూ,కర్నాటకలోని బెంగుళూరు విశ్వవిద్యాలయం తెలుగు విభాగంలోను, తమిళునాడులోని మదరాసు విశ్వవిద్యాలయం తెలుగు శాఖలోను, జానపదవిజ్ఞానం ఎం.ఏ. విద్యార్థులకు పాఠ్యాంశంగానూ, ఎం.ఫిల్., పిహెచ్.డి. లకు సంబంధించి పరిశోధనాంశంగాను కొనసాగుతూ ఉండడం ప్రశంసించదగ్గ విషయం. మధురై, డిల్లీ, బెనారసు విశ్వవిద్యాలయాల తెలుగు విభాగాల్లో కూడ పిహెచ్.డి కోసం పరిశోధనలు జరుగుతుండడం హర్షించదగ్గ విషయం.

డా. రామరాజుగారు లాగానే జానపద సాహిత్యానికి పరిశోధనగౌరవాన్ని కల్పించినవారు డా. ఎస్వీ. జోగారావుగారు. ఆంధ్ర విశ్వవిద్యాలయంలో 'ఆంధ్రయక్షగానవాఙ్మయ చరిత్ర' అనే అంశంమీద సిద్ధాంతవ్యాసం సమర్పించి 1957 లో పిహెచ్.డి. సంపాదించారు.

శ్రీమతి వింజమూరి సీతాదేవిగారు మద్రాసు విశ్వవిద్యాలయంలో "Music in Telugu folk songs" అనే అంశం మీద పరిశోధనచేసి 1952 లో మొట్టమొదటి ఎం.లిట్ డిగ్రీ సంపాదించారు.

యక్షగాన వాఙ్మయ చరిత్ర మీద పరిశోధన సాగించినవారు.

(1) ఆచార్య ఎస్వీ జోగారావు.
(2) తూమాటి దొణప్ప
(3) ఆచార్య బిరుదరాజురామరాజు
(4) శ్రీహరి ఆదిశేషువు.

[Question ID = 279][Question Description = S1_Telugu_Q099]
1. 1 [Option ID = 1113]
2. 2 [Option ID = 1114]
3. 3 [Option ID = 1115]
4. 4 [Option ID = 1116]

Topic:- Telugu_Q100-105_L1_P2_CTET

1)
సూచన : ఈ క్రింది ఇవ్వబడిన పద్యభాగము చదివి ఇవ్వబడిన ప్రశ్నకు సరైన సమాధానములు రాయండి.

వివిధోత్తుంగ తరంగ ఘట్టన చలద్వేలావనైలావలీ
లవలీలుంగలవంగ సంగతలతాలాస్యంబు లీక్షించుచున్
ధవళాక్షుల్ సని కాంచి రంత నెదురం దత్తీరదేశంబునం
దవదాతాంబుజ ఫేనపుంజనిభు నయ్యశ్వోత్తముం దవ్వులన్

'ధవళాక్షులు' ఏ సంధి ?

(1) అత్వసంధి.
(2) సవర్ణ దీర్ఘసంధి.
(3) గుణసంధి
(4) వృద్ధిసంధి.

[Question ID = 280][Question Description = S1_Telugu_Q100]
1. 1 [Option ID = 1117]
2. 2 [Option ID = 1118]
3. 3 [Option ID = 1119]
4. 4 [Option ID = 1120]

2)
సూచన : ఈ క్రింది ఇవ్వబడిన పద్యభాగము చదివి ఇవ్వబడిన ప్రశ్నకు సరైన సమాధానములు రాయండి.

వివిధోత్తుంగ తరంగ ఘట్టన చలద్వేలావనైలావలీ
లవలీలుంగలవంగ సంగతలతాలాస్యంబు లీక్షించుచున్
ధవళాక్షుల్ సని కాంచి రంత నెదురం దత్తీరదేశంబునం
దవదాతాంబుజ ఫేనపుంజనిభు నయ్యశ్వోత్తముం దవ్వులన్

పద్యంలోని అలంకారము–

(1) స్వభావోక్తి.
(2) నిదర్శనాలంకారము.
(3) ఉపమాలంకారము.
(4) దృష్టాంతాలంకారము.

[Question ID = 281][Question Description = S1_Telugu_Q101]
1. 1 [Option ID = 1121]
2. 2 [Option ID = 1122]
3. 3 [Option ID = 1123]
4. 4 [Option ID = 1124]

3)

సూచన : ఈ క్రింది ఇవ్వబడిన పద్యభాగము చదివి ఇవ్వబడిన ప్రశ్నకు సరైన సమాధానములు రాయండి.

వివిధోత్తుంగ తరంగ ఘట్టన చలద్వేలావనైలావలీ

లవలీలుంగలవంగ సంగతలతాలాస్యంబు లీక్షించుచున్

ధవళాక్షుల్ సని కాంచి రంత నెదురం దత్తీరదేశంబునం

దవదాతాంబుజ ఫేనపుంజనిభు నయ్యాశ్వోత్తముం దవ్వులన్

'ఫేనము' అనగా ___________.

(1) నురుగు

(2) ఇసుక

(3) పద్యము

(4) నీరు

[Question ID = 282][Question Description = S1_Telugu_Q102]

1. 1 [Option ID = 1125]
2. 2 [Option ID = 1126]
3. 3 [Option ID = 1127]
4. 4 [Option ID = 1128]

4)

సూచన : ఈ క్రింది ఇవ్వబడిన పద్యభాగము చదివి ఇవ్వబడిన ప్రశ్నకు సరైన సమాధానములు రాయండి.

వివిధోత్తుంగ తరంగ ఘట్టన చలద్వేలావనైలావలీ

లవలీలుంగలవంగ సంగతలతాలాస్యంబు లీక్షించుచున్

ధవళాక్షుల్ సని కాంచి రంత నెదురం దత్తీరదేశంబునం

దవదాతాంబుజ ఫేనపుంజనిభు నయ్యాశ్వోత్తముం దవ్వులన్

ఈ పద్యం ఏవృత్తఛందస్సుకు చెందినది.

(1) మత్తేభము

(2) శార్దూలము

(3) ఉత్పలమాల

(4) చంపకమాల

[Question ID = 283][Question Description = S1_Telugu_Q103]

1. 1 [Option ID = 1129]
2. 2 [Option ID = 1130]
3. 3 [Option ID = 1131]
4. 4 [Option ID = 1132]

5)

సూచన : ఈ క్రింది ఇవ్వబడిన పద్యభాగము చదివి ఇవ్వబడిన ప్రశ్నకు సరైన సమాధానములు రాయండి.

వివిధోత్తుంగ తరంగ ఘట్టన చలద్వేలావనైలావలీ
లవలీలుంగలవంగ సంగతలతాలాస్యంబు లీక్షించుచున్
ధవళాక్షుల్ సని కాంచి రంత నెదురం దత్తీరదేశంబునం
దవదాతాంబుజ ఫేనపుంజనిభు నయ్యశ్వోత్తముం దవ్వులన్

'ధవళాక్షులు' ఏమి చూశారు ?

(1) వెన్నెల

(2) అశ్వము

(3) ఫేనము

(4) వెలుతురు.

[Question ID = 284][Question Description = S1_Telugu_Q104]

1. 1 [Option ID = 1133]
2. 2 [Option ID = 1134]
3. 3 [Option ID = 1135]
4. 4 [Option ID = 1136]

6)

సూచన : ఈ క్రింది ఇవ్వబడిన పద్యభాగము చదివి ఇవ్వబడిన ప్రశ్నకు సరైన సమాధానములు రాయండి.

వివిధోత్తుంగ తరంగ ఘట్టన చలద్వేలావనైలావలీ
లవలీలుంగలవంగ సంగతలతాలాస్యంబు లీక్షించుచున్
ధవళాక్షుల్ సని కాంచి రంత నెదురం దత్తీరదేశంబునం
దవదాతాంబుజ ఫేనపుంజనిభు నయ్యశ్వోత్తముం దవ్వులన్

'లవలీ' పదం యొక్క గురులఘు క్రమం.

(1) I I U
(2) I U U
(3) U I U
(4) U U U

[Question ID = 285][Question Description = S1_Telugu_Q105]

1. 1 [Option ID = 1137]
2. 2 [Option ID = 1138]
3. 3 [Option ID = 1139]
4. 4 [Option ID = 1140]

Topic:- Telugu_Q106-120_L1_P2_CTET

1)

'దిలీఫ్' అనే కవితను చదివిన తరువాత 7వ తరగతి ఉపాధ్యాయురాలు విద్యార్థులకు ఒక కృత్యం ఇచ్చింది. ఎండిన ఆకులతో రకరకాల జంతువుల చిత్రాలను తయారు చేయమని కోరింది. ఆమె చేస్తున్నవి.

(1) ఏదో ఒక కృత్యంలో విద్యార్థులను ఉంచటం ద్వారా తన పని పూర్తి చేస్తున్నవి.

(2) భాషతో కళను సమైక్యపరుస్తున్నది

(3) విద్యార్థులకు మోటరునైపుణ్యాలను వృద్ధిపరచేందుకు ప్రయత్నిస్తున్నది.

(4) భాషను జంతువులతో సమైక్యపరుస్తున్నది

[Question ID = 286][Question Description = S1_Telugu_Q106]

1. 1 [Option ID = 1141]
2. 2 [Option ID = 1142]
3. 3 [Option ID = 1143]
4. 4 [Option ID = 1144]

2)

భారతీయ తరగతిగదులు స్వభావరీత్యాబహుళ భాషలలో ఉంటాయి. దీనిని ఒక సాధనంగా గుర్తించాలి ఎందుకంటే?

(1) ప్రతి విద్యార్థి ఒకే విధంగా నేర్చుకుంటాడు.

(2) పిల్లలకు అనేక భాషల గురించిన స్పృహ ఉంటుంది.

(3) ఉపాధ్యాయుడు వివిధ భాషల్లో కౌశరాన్ని పెంపొందిస్తాడు.

(4) ప్రతి విద్యార్థి సురక్షితంగా, ఆమోదింపబడినట్టు భావించడం జరుగుతుంది.

[Question ID = 287][Question Description = S1_Telugu_Q107]

1. 1 [Option ID = 1145]
2. 2 [Option ID = 1146]
3. 3 [Option ID = 1147]
4. 4 [Option ID = 1148]

3) తీవ్ర పఠనవ్యూహం దీనిమీద దృష్టి పెడుతుంది.–

(1) ఒక వాచకాన్ని ఆహ్లాదం కోసం చదవటం

(2) ఒక వాచకాన్ని వివరణాత్మక సమాచారం కోసం చదవటం

(3) ఒక వాచకాన్ని మొత్తం అవగాహన కోసం చదవటం.

(4) ఒక వాచకాన్ని ఇతరుల కోసం చదవటం.

[Question ID = 288][Question Description = S1_Telugu_Q108]

1. 1 [Option ID = 1149]
2. 2 [Option ID = 1150]
3. 3 [Option ID = 1151]
4. 4 [Option ID = 1152]

4)

ఈ క్రింది ప్రకటనను సరైనదాన్ని ఎన్నుకొనటం ద్వారా పూర్తి చేయండి. కాబోయే అధ్యయనపరులకు బొమ్మలను చదవటం అనేది విలువయిన వనరుగా ఉంటుంది– ఎందుకంటే అది–

(1) కథ ఏమి జరుగుతుందో అన్నదాన్ని గురించిన ఆధారాలను అది అంస్తుంది.

(2) తన చేతిరాత అభివృద్ధిపర్చుకోవటానికి అది ఉపకరిస్తుంది.

(3) అదివాళ్లు ఆత్మధైర్యం కలిగివుండేందుకు, మంచి రచయిత కావటానికి ఉపకరిస్తుంది

(4) అదివాళ్లను వినికిడి అభ్యాసకులుగా చూస్తుంది.

[Question ID = 289][Question Description = S1_Telugu_Q109]

1. 1 [Option ID = 1153]
2. 2 [Option ID = 1154]
3. 3 [Option ID = 1155]
4. 4 [Option ID = 1156]

5) ఒక కట్టుదిట్టమైన పేరా(గ్రాఫ్ రచన అన్నది ఈ క్రింది విషయాలను కలిగి వుంటుంది.

(1) స్పష్టంగా వుండే మంచి చేతిరాతలో చూడటం

(2) విషయంలో క్లిష్టపదాల వుండటం

(3) భావాలు, ప్రదర్శన మరియు పొందిక

(4) అభ్యాసకులను నిమగ్నంచేసేందుకు అలంకారికభాష.

[Question ID = 290][Question Description = S1_Telugu_Q110]
1. 1 [Option ID = 1157]
2. 2 [Option ID = 1158]
3. 3 [Option ID = 1159]
4. 4 [Option ID = 1160]

6)

చిన్నపిల్లలు పెన్సిల్‌ను, క్రేయానును ఎటువంటి ఉపరితలం మీదనైనా అటూఇటూ గీకటానికి ఇష్టపడతారు. దీన్ని ఇలా అంటారు.

(1) కనుగొనబడినరాత

(2) సమకాలీన రాత

(3) గిలికి రాత(స్క్రిబిలింగ్)

(4) వంకర–టింకర రాత

[Question ID = 291][Question Description = S1_Telugu_Q111]
1. 1 [Option ID = 1161]
2. 2 [Option ID = 1162]
3. 3 [Option ID = 1163]
4. 4 [Option ID = 1164]

7) సమగ్ర భాషాపద్ధతి అంటే అర్థం.

(1) పదాల్ని అక్షరాలుగా, అక్షరాల కలయిక విడగొట్టం

(2) అక్షరం శబ్దం సంగమాన్ని నెలకొల్పటం.

(3) పదాల్ని భాషయొక్క విభాగాలుగాచూడటం

(4) ధ్వని సంబంధాశలమీద దృష్టిపెట్టడం

[Question ID = 292][Question Description = S1_Telugu_Q112]
1. 1 [Option ID = 1165]
2. 2 [Option ID = 1166]
3. 3 [Option ID = 1167]
4. 4 [Option ID = 1168]

8)

ఒక ఉపాధ్యాయురాలు విద్యార్థిస్థానిక భాషను లక్ష్యభాషా బోధనలో మాధ్యమంగా వాడుతుంది. ఆమె ఉపయోగిస్తున్నది–

(1) వ్యాకరణ అనువాదపద్ధతి.

(2) ప్రత్యక్ష పద్ధతి.

(3) నిర్మాణవార పద్ధతి

(4) భావప్రసార పద్ధతి(కమ్యూనికేటివ్)

[Question ID = 293][Question Description = S1_Telugu_Q113]
1. 1 [Option ID = 1169]
2. 2 [Option ID = 1170]
3. 3 [Option ID = 1171]
4. 4 [Option ID = 1172]

9)

వినటం అనేది ఈక్రింది దానితోపాటు వేరేవ్యక్తి మౌఖిక మరియు శబ్దేతర సందేశాల అర్థానికి సరిగ్గా స్పందించటానికి సంబంధించిన సామర్థ్యం.

(1) బట్టీపట్టటం మరియు అర్థం చేసుకోవటం.

(2) అర్థం చేసుకోవటం మరియు విశ్లేషించటం

(3) తీర్పు, విశ్లేషించటం

(4) తీర్పు మరియు సంశ్లేషించటం

[Question ID = 294][Question Description = S1_Telugu_Q114]

1. 1 [Option ID = 1173]
2. 2 [Option ID = 1174]
3. 3 [Option ID = 1175]
4. 4 [Option ID = 1176]

10)

భాషాఅభ్యసనంలో భాషాశాస్త్ర అవగాహన ఇవ్వటం గురించి చర్చించటానికి ఈక్రింది వాటిలో ఏది అత్యంత ఉపయోగకర అంశం?

(1) సంరక్షకుడి ఉపన్యాసం

(2) విద్యార్థి లక్ష్య ఉపన్యాసం

(3) శిశువు–లక్ష్య ఉపన్యాసం

(4) మదరీస్ (ప్రారంభదశలు తల్లి బిడ్డల భావప్రసారం)

[Question ID = 295][Question Description = S1_Telugu_Q115]

1. 1 [Option ID = 1177]
2. 2 [Option ID = 1178]
3. 3 [Option ID = 1179]
4. 4 [Option ID = 1180]

11)

ఒక పిల్లవాడు తన తొలిదినాలలో భాషకు సంబంధించిన పరిచయం అతి కొద్దిగానోలేక అసలు లేకుండానో ఉన్న పరిసరాల్లో పెరిగినట్లేయితే వాళ్ల భాషాభివృద్ధి చాలా పరిమితంగా ఉంటుంది. ఈవిషయాన్ని ఈక్రింది వాటిల్లో ఏ ప్రకటన సమర్థిస్తుంది.

(1) సింటాక్స్ సమస్య

(2) భాషాయొక్క అర్థరూపకల్పనకు సంబంధించిన సమస్య

(3) అభివృద్ధి యొక్క సున్నిత దశలు

(4) స్థానికతకు సంబంధించిన సిద్ధాంతం

[Question ID = 296][Question Description = S1_Telugu_Q116]

1. 1 [Option ID = 1181]
2. 2 [Option ID = 1182]
3. 3 [Option ID = 1183]
4. 4 [Option ID = 1184]

12) ఈ క్రింది వాటిలో ఏది పఠనానికి సంబంధించిన ఉపనైపుణ్యం

(1) సంబంధాలను ఏర్పరచటం.

(2) ఊహించి చెప్పటం

(3) లిపిమార్పు (ట్రాన్స్క్రైబ్)

(4) అవగాహన

[Question ID = 297][Question Description = S1_Telugu_Q117]

1. 1 [Option ID = 1185]
2. 2 [Option ID = 1186]
3. 3 [Option ID = 1187]
4. 4 [Option ID = 1188]

13) భాషా సముపార్జనకు దోహదం చేస్తుంది కాబట్టి విద్యార్థికి అవగాహన సంబంధ విషయాలను సమృద్ధంగా ఇవ్వాలని ఒక ఉపాధ్యాయుడు నమ్ముతాడు ఈ ఉపాధ్యాయుని నమ్మకం ఎవరికి సంబంధించింది?

(1) వెగాట్ స్కీ సాంఘిక–సాంస్కృతిక సిద్ధాంతం

(2) పియాజెట్ యొక్క జ్ఞానగ్రహణ అభివృద్ధి సిద్ధాంతం

(3) స్కిన్నర్ ప్రవర్తనవాద సిద్ధాంతం

(4) స్టీఫెన్ క్రాషెన్ యొక్క భాషాసముపార్జన సిద్ధాంతం

[Question ID = 298][Question Description = S1_Telugu_Q118]

1. 1 [Option ID = 1189]
2. 2 [Option ID = 1190]
3. 3 [Option ID = 1191]
4. 4 [Option ID = 1192]

14) ఈ క్రింది వానిలో ఏది నిర్మాణాత్మక (కన్స్ట్రక్టివ్) ?

(1) విద్యార్థులు బృందాలుగా సంప్రదింపులు చేసుకుంటున్నారు. తరగతిగదిలో ఏమాత్రం గొడవలేదు.

(2) బోర్డుమీద రాయబడిన సమాధానాలను నుంచి చేతిరాతతో ఎత్తి రాసుకుంటున్నారు.

(3) ఉపాధ్యాయులు చెప్పేవిషయాలను విద్యార్థులు శ్రద్ధగా వింటున్నారు.

(4) విద్యార్థులకు అనుభవజ్ఞులైన ఉపాధ్యాయులు బోధిస్తున్నారు.

[Question ID = 299][Question Description = S1_Telugu_Q119]

1. 1 [Option ID = 1193]
2. 2 [Option ID = 1194]
3. 3 [Option ID = 1195]
4. 4 [Option ID = 1196]

15) ఈ క్రింది వాటిలో భాషాకు సంబంధించిన సాపేక్షత భావనను సమర్థించేది ___________.

(1) భాష అనేది మన ఆలోచనలను, దృష్టికోణాలను నిర్దేశించటం కాకుండా ప్రతిబింబిస్తుంది.

(2) భాష, సంస్కృతి అనేవి రెండూ వేరువేరు ప్రత్యేకం.

(3) భాష అనేది మనం ఆలోచించే విధానాన్ని ప్రపంచాన్ని గ్రహించే విధానాన్ని నిర్దేశిస్తుంది.

(4) ఆలోచనలకు రూపకల్పన చేయటంలో భాషకు పాత్రలేదు.

[Question ID = 300][Question Description = S1_Telugu_Q120]

1. 1 [Option ID = 1197]
2. 2 [Option ID = 1198]
3. 3 [Option ID = 1199]
4. 4 [Option ID = 1200]

Topic:- HIN_Q121-128_L2_P2_CTET

1) **दिए गए गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़िए तथा पूछे गए प्रश्न के लिए सबसे उपयुक्त विकल्प का चयन कीजिए।**

तमिल भाषा के कवियों में सुब्रह्मण्यम 'भारती' का स्थान बहुत ऊँचा है। सुब्रह्मण्यम जी बचपन से ही कविताएँ करने लगे थे। ग्यारह वर्ष की आयु तक होते-होते वे अच्छी कविताएँ करने लगे थे। उनकी कविताओं से प्रभावित होकर एट्टयपुरम् के राजा ने बालकवि सुब्रह्मण्यम को 'भारती' की उपाधि से विभूषित किया। उस समय वे केवल ग्यारह वर्ष के थे। भारती ने अपने युग की आवश्यकताओं और उमंगों को अपनी संजीवनी वाणी द्वारा घर-घर में पहुँचाया। पराधीनता के गहरे तिमिर में पड़े जनसाधारण को प्रगति के पथ पर ला खड़ा किया। उनके प्रत्येक शब्द से देशप्रेम,भाषाप्रेम, संस्कृति प्रेम और देश-सेवा की भावना परिलक्षित होती है। नारी स्वतंत्रता के वे विशेष समर्थक थे और इसकी आवाज़ भी उन्होंने अपनी कविताओं द्वारा उठाई। अपनी उमंगभरी वाणी से गुलाम भारत के जन-जन का पथ प्रदर्शन किया। वाणी के वरदपुत्र महाकवि 'भारती' पर न केवल तमिल-भाषी, अपितु समूचे भारतवासी गर्व करते हैं।

सुब्रह्मण्यम भारती अच्छी कविता करने लगे थे ___________।

(1) 5 वर्ष की आयु से

(2) 7 वर्ष की आयु से

(3) 11 वर्ष की आयु से

(4) 15 वर्ष की आयु से

[Question ID = 301][Question Description = S12_Hindi Content/Pedagogy_Q121]

1. 1 [Option ID = 1201]
2. 2 [Option ID = 1202]
3. 3 [Option ID = 1203]
4. 4 [Option ID = 1204]

2) **दिए गए गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़िए तथा पूछे गए प्रश्न के लिए सबसे उपयुक्त विकल्प का चयन कीजिए।**

तमिल भाषा के कवियों में सुब्रह्मण्यम 'भारती' का स्थान बहुत ऊँचा है। सुब्रह्मण्यम जी बचपन से ही कविताएँ करने लगे थे। ग्यारह वर्ष की आयु तक होते-होते वे अच्छी कविताएँ करने लगे थे। उनकी कविताओं से प्रभावित होकर एट्टयपुरम् के राजा ने बालकवि सुब्रह्मण्यम को 'भारती' की उपाधि से विभूषित किया। उस समय वे केवल ग्यारह वर्ष के थे। भारती ने अपने युग की आवश्यकताओं और उमंगों को अपनी संजीवनी वाणी द्वारा घर-घर में पहुँचाया। पराधीनता के गहरे तिमिर में पड़े जनसाधारण को प्रगति के पथ पर ला खड़ा किया। उनके प्रत्येक शब्द से देशप्रेम,भाषाप्रेम, संस्कृति प्रेम और देश-सेवा की भावना परिलक्षित होती है। नारी स्वतंत्रता के वे विशेष समर्थक थे और इसकी आवाज़ भी उन्होंने अपनी कविताओं द्वारा उठाई। अपनी उमंगभरी वाणी से गुलाम भारत के जन-जन का पथ प्रदर्शन किया। वाणी के वरदपुत्र महाकवि 'भारती' पर न केवल तमिल-भाषी, अपितु समूचे भारतवासी गर्व करते हैं।

सुब्रह्मण्यम की कविताओं के कारण उन्हें कौनसी उपाधि से सम्मानित किया गया?

(1) भारती

(2) भारतीय

(3) पद्मविभूषण

(4) भारत रत्न

[Question ID = 302][Question Description = S12_Hindi Content/Pedagogy_Q122]

1. 1 [Option ID = 1205]
2. 2 [Option ID = 1206]
3. 3 [Option ID = 1207]
4. 4 [Option ID = 1208]

3)

दिए गए गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़िए तथा पूछे गए प्रश्न के लिए सबसे उपयुक्त विकल्प का चयन कीजिए।

तमिल भाषा के कवियों में सुब्रह्मण्यम 'भारती' का स्थान बहुत ऊँचा है। सुब्रह्मण्यम जी बचपन से ही कविताएँ करने लगे थे। ग्यारह वर्ष की आयु तक होते-होते वे अच्छी कविताएँ करने लगे थे। उनकी कविताओं से प्रभावित होकर एट्टयपुरम् के राजा ने बालकवि सुब्रह्मण्यम को 'भारती' की उपाधि से विभूषित किया। उस समय वे केवल ग्यारह वर्ष के थे। भारती ने अपने युग की आवश्यकताओं और उमंगों को अपनी संजीवनी वाणी द्वारा घर-घर में पहुँचाया। पराधीनता के गहरे तिमिर में पड़े जनसाधारण को प्रगति के पथ पर ला खड़ा किया। उनके प्रत्येक शब्द से देशप्रेम, भाषाप्रेम, संस्कृति प्रेम और देश-सेवा की भावना परिलक्षित होती है। नारी स्वतंत्रता के वे विशेष समर्थक थे और इसकी आवाज़ भी उन्होंने अपनी कविताओं द्वारा उठाई। अपनी उमंगभरी वाणी से गुलाम भारत के जन-जन का पथ प्रदर्शन किया। वाणी के वरदपुत्र महाकवि 'भारती' पर न केवल तमिल-भाषी, अपितु समूचे भारतवासी गर्व करते हैं।

सुब्रह्मण्यम की कविताओं का मुख्य विषय नहीं था ___________।

(1) भाषा-प्रेम

(2) संस्कृति-प्रेम

(3) देश-प्रेम

(4) संजीवनी-प्रेम

[Question ID = 303][Question Description = S12_Hindi Content/Pedagogy_Q123]

1. 1 [Option ID = 1209]
2. 2 [Option ID = 1210]
3. 3 [Option ID = 1211]
4. 4 [Option ID = 1212]

4) **दिए गए गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़िए तथा पूछे गए प्रश्न के लिए सबसे उपयुक्त विकल्प का चयन कीजिए।**

तमिल भाषा के कवियों में सुब्रह्मण्यम 'भारती' का स्थान बहुत ऊँचा है। सुब्रह्मण्यम जी बचपन से ही कविताएँ करने लगे थे। ग्यारह वर्ष की आयु तक होते-होते वे अच्छी कविताएँ करने लगे थे। उनकी कविताओं से प्रभावित होकर एट्टयपुरम् के राजा ने बालकवि सुब्रह्मण्यम को 'भारती' की उपाधि से विभूषित किया। उस समय वे केवल ग्यारह वर्ष के थे। भारती ने अपने युग की आवश्यकताओं और उमंगों को अपनी संजीवनी वाणी द्वारा घर-घर में पहुँचाया। पराधीनता के गहरे तिमिर में पड़े जनसाधारण को प्रगति के पथ पर ला खड़ा किया। उनके प्रत्येक शब्द से देशप्रेम, भाषाप्रेम, संस्कृति प्रेम और देश-सेवा की भावना परिलक्षित होती है। नारी स्वतंत्रता के वे विशेष समर्थक थे और इसकी आवाज़ भी उन्होंने अपनी कविताओं द्वारा उठाई। अपनी उमंगभरी वाणी से गुलाम भारत के जन-जन का पथ प्रदर्शन किया। वाणी के वरदपुत्र महाकवि 'भारती' पर न केवल तमिल-भाषी, अपितु समूचे भारतवासी गर्व करते हैं।

'पराधीनता के गहरे तिमिर में पड़े जनसाधारण को प्रगति के पथ पर ला खड़ा किया।' वाक्य से आशय है ___________ ।

(1) जनसामान्य को गुलामी के अंधेरे से निकालकर आजादी के लिए प्रेरित किया

(2) जनसामान्य को उजालों से प्रगति की राह के लिए प्रेरित किया

(3) जनसामान्य को गुलामी के अँधेरे से निकालकर आज़ादी दिलवायी

(4) जनसामान्य को पराधीनता का गहरा अंधकार दिखाया

[Question ID = 304][Question Description = S12_Hindi Content/Pedagogy_Q124]

1. 1 [Option ID = 1213]
2. 2 [Option ID = 1214]
3. 3 [Option ID = 1215]
4. 4 [Option ID = 1216]

5) **दिए गए गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़िए तथा पूछे गए प्रश्न के लिए सबसे उपयुक्त विकल्प का चयन कीजिए।**

तमिल भाषा के कवियों में सुब्रह्मण्यम 'भारती' का स्थान बहुत ऊँचा है। सुब्रह्मण्यम जी बचपन से ही कविताएँ करने लगे थे। ग्यारह वर्ष की आयु तक होते-होते वे अच्छी कविताएँ करने लगे थे। उनकी कविताओं से प्रभावित होकर एट्टयपुरम् के राजा ने बालकवि सुब्रह्मण्यम को 'भारती' की उपाधि से विभूषित किया। उस समय वे केवल ग्यारह वर्ष के थे। भारती ने अपने युग की आवश्यकताओं और उमंगों को अपनी संजीवनी वाणी द्वारा घर-घर में पहुँचाया। पराधीनता के गहरे तिमिर में पड़े जनसाधारण को प्रगति के पथ पर ला खड़ा किया। उनके प्रत्येक शब्द से देशप्रेम, भाषाप्रेम, संस्कृति प्रेम और देश-सेवा की भावना परिलक्षित होती है। नारी स्वतंत्रता के वे विशेष समर्थक थे और इसकी आवाज़ भी उन्होंने अपनी कविताओं द्वारा उठाई। अपनी उमंगभरी वाणी से गुलाम भारत के जन-जन का पथ प्रदर्शन किया। वाणी के वरदपुत्र महाकवि 'भारती' पर न केवल तमिल-भाषी, अपितु समूचे भारतवासी गर्व करते हैं।

'सुब्रह्मण्यम भारती नारी स्वतंत्रता के समर्थक थे।' यह बात उनकी ___________ में अभिलक्षित होती है।

(1) कविताओं

(2) कहानियों

(3) लेखों

(4) पुस्तकों

[Question ID = 305][Question Description = S12_Hindi Content/Pedagogy_Q125]

1. 1 [Option ID = 1217]

2. 2 [Option ID = 1218]
3. 3 [Option ID = 1219]
4. 4 [Option ID = 1220]

6) **दिए गए गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़िए तथा पूछे गए प्रश्न के लिए सबसे उपयुक्त विकल्प का चयन कीजिए।**

तमिल भाषा के कवियों में सुब्रह्मण्यम 'भारती' का स्थान बहुत ऊँचा है। सुब्रह्मण्यम जी बचपन से ही कविताएँ करने लगे थे। ग्यारह वर्ष की आयु तक होते-होते वे अच्छी कविताएँ करने लगे थे। उनकी कविताओं से प्रभावित होकर एट्टयपुरम् के राजा ने बालकवि सुब्रह्मण्यम को 'भारती' की उपाधि से विभूषित किया। उस समय वे केवल ग्यारह वर्ष के थे। भारती ने अपने युग की आवश्यकताओं और उमंगों को अपनी संजीवनी वाणी द्वारा घर-घर में पहुँचाया। पराधीनता के गहरे तिमिर में पड़े जनसाधारण को प्रगति के पथ पर ला खड़ा किया। उनके प्रत्येक शब्द से देशप्रेम,भाषाप्रेम, संस्कृति प्रेम और देश-सेवा की भावना परिलक्षित होती है। नारी स्वतंत्रता के वे विशेष समर्थक थे और इसकी आवाज़ भी उन्होंने अपनी कविताओं द्वारा उठाई। अपनी उमंगभरी वाणी से गुलाम भारत के जन-जन का पथ प्रदर्शन किया। वाणी के वरदपुत्र महाकवि 'भारती' पर न केवल तमिल-भाषी, अपितु समूचे भारतवासी गर्व करते हैं।

'घर-घर' शब्द युग्म है ___________।

(1) निरर्थक

(2) पुनरुक्त

(3) देशज

(4) आगत

[Question ID = 306][Question Description = S12_Hindi Content/Pedagogy_Q126]

1. 1 [Option ID = 1221]
2. 2 [Option ID = 1222]
3. 3 [Option ID = 1223]
4. 4 [Option ID = 1224]

7) **दिए गए गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़िए तथा पूछे गए प्रश्न के लिए सबसे उपयुक्त विकल्प का चयन कीजिए।**

तमिल भाषा के कवियों में सुब्रह्मण्यम 'भारती' का स्थान बहुत ऊँचा है। सुब्रह्मण्यम जी बचपन से ही कविताएँ करने लगे थे। ग्यारह वर्ष की आयु तक होते-होते वे अच्छी कविताएँ करने लगे थे। उनकी कविताओं से प्रभावित होकर एट्टयपुरम् के राजा ने बालकवि सुब्रह्मण्यम को 'भारती' की उपाधि से विभूषित किया। उस समय वे केवल ग्यारह वर्ष के थे। भारती ने अपने युग की आवश्यकताओं और उमंगों को अपनी संजीवनी वाणी द्वारा घर-घर में पहुँचाया। पराधीनता के गहरे तिमिर में पड़े जनसाधारण को प्रगति के पथ पर ला खड़ा किया। उनके प्रत्येक शब्द से देशप्रेम,भाषाप्रेम, संस्कृति प्रेम और देश-सेवा की भावना परिलक्षित होती है। नारी स्वतंत्रता के वे विशेष समर्थक थे और इसकी आवाज़ भी उन्होंने अपनी कविताओं द्वारा उठाई। अपनी उमंगभरी वाणी से गुलाम भारत के जन-जन का पथ प्रदर्शन किया। वाणी के वरदपुत्र महाकवि 'भारती' पर न केवल तमिल-भाषी, अपितु समूचे भारतवासी गर्व करते हैं।

'बचपन' शब्द है।

(1) जातिवाचक संज्ञा

(2) व्यक्तिवाचक संज्ञा

(3) भाववाचक संज्ञा

(4) गुणवाचक विशेषण

[Question ID = 307][Question Description = S12_Hindi Content/Pedagogy_Q127]

1. 1 [Option ID = 1225]
2. 2 [Option ID = 1226]
3. 3 [Option ID = 1227]
4. 4 [Option ID = 1228]

8)

दिए गए गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़िए तथा पूछे गए प्रश्न के लिए सबसे उपयुक्त विकल्प का चयन कीजिए।

तमिल भाषा के कवियों में सुब्रह्मण्यम 'भारती' का स्थान बहुत ऊँचा है। सुब्रह्मण्यम जी बचपन से ही कविताएँ करने लगे थे। ग्यारह वर्ष की आयु तक होते-होते वे अच्छी कविताएँ करने लगे थे। उनकी कविताओं से प्रभावित होकर एट्टयपुरम् के राजा ने बालकवि सुब्रह्मण्यम को 'भारती' की उपाधि से विभूषित किया। उस समय वे केवल ग्यारह वर्ष के थे। भारती ने अपने युग की आवश्यकताओं और उमंगों को अपनी संजीवनी वाणी द्वारा घर-घर में पहुँचाया। पराधीनता के गहरे तिमिर में पड़े जनसाधारण को प्रगति के पथ पर ला खड़ा किया। उनके प्रत्येक शब्द से देशप्रेम,भाषाप्रेम, संस्कृति प्रेम और देश-सेवा की भावना परिलक्षित होती है। नारी स्वतंत्रता के वे विशेष समर्थक थे और इसकी आवाज़ भी उन्होंने अपनी कविताओं द्वारा उठाई। अपनी उमंगभरी वाणी से गुलाम भारत के जन-जन का पथ प्रदर्शन किया। वाणी के वरदपुत्र महाकवि 'भारती' पर न केवल तमिल-भाषी, अपितु समूचे भारतवासी गर्व करते हैं।

'प्रत्येक' का संधि विच्छेद है ___________।

(1) प्र+त्येक

(2) प्रति+एक

(3) प्रति+येक

(4) प्रति+क

[Question ID = 308][Question Description = S12_Hindi Content/Pedagogy_Q128]

1. 1 [Option ID = 1229]
2. 2 [Option ID = 1230]
3. 3 [Option ID = 1231]
4. 4 [Option ID = 1232]

Topic:- HIN_Q129-135_L2_P2_CTET

1) **दिए गए गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़िए तथा पूछे गए प्रश्न के लिए सबसे उपयुक्त विकल्प का चयन कीजिए।**

दादा साहब फालके को भारत में सिनेमा कला का जनक कहा जाता है। फालके ने तय किया कि पहले एक छोटे बजट की फ़िल्म बनाई जाए। उन दिनों राजा हरिश्चंद्र विषय पर एक नाटक मुंबई में हिट जा रहा था इसलिए फालके ने भी राजा हरिश्चंद्र पर फ़िल्म बनाना तय किया। सन् 1912 में मानसून के बाद मुंबई के दादर इलाके में राजा हरिश्चंद्र के फिल्मांकन का काम आरंभ हुआ। दिनभर फ़िल्म की शूटिंग चलती और सभी काम करने वालों के लिए खाना बनता / रात को फ़िल्म को प्रोसेस करने और संपादन का काम किया जाता। रात–दिन लगकर पति–पत्नी ने छह माह में फ़िल्म तैयार की। फालके जानते थे कि अभी आधी लड़ाई ही जीती जा सकी है। 21 अप्रैल 1913 को मुंबई के ओलिंपिया सिनेमा में राजा हरिश्चंद्र का पहला शो गणमान्य नागरिकों और प्रेस के प्रतिनिधियों को दिखाया गया। भारतीय सिनेमा इस परिपाटी का आज तक पालन कर रहा है। तीन मई, 1913 को कोरोनेशन थियेटर में फ़िल्म का नियमित प्रदर्शन आरंभ हुआ। वहाँ यह लगातार 23 दिन तक चली, जो एक रिकॉर्ड था। उस जमाने में कोई भी फ़िल्म चार या छ: दिन से ज्यादा नहीं चलती थी।

दादा साहब फालके ने 'राजा हरिश्चंद्र' फ़िल्म कितने समय में तैयार की ?

(1) पाँच महीने में

(2) छह महीने में

(3) सात महीने में

(4) आठ महीने में

[Question ID = 309][Question Description = S12_Hindi Content/Pedagogy_Q129]

1. 1 [Option ID = 1233]
2. 2 [Option ID = 1234]
3. 3 [Option ID = 1235]
4. 4 [Option ID = 1236]

2) **दिए गए गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़िए तथा पूछे गए प्रश्न के लिए सबसे उपयुक्त विकल्प का चयन कीजिए।**

दादा साहब फालके को भारत में सिनेमा कला का जनक कहा जाता है। फालके ने तय किया कि पहले एक छोटे बजट की फ़िल्म बनाई जाए। उन दिनों राजा हरिश्चंद्र विषय पर एक नाटक मुंबई में हिट जा रहा था इसलिए फालके ने भी राजा हरिश्चंद्र पर फ़िल्म बनाना तय किया। सन् 1912 में मानसून के बाद मुंबई के दादर इलाके में राजा हरिश्चंद्र के फिल्मांकन का काम आरंभ हुआ। दिनभर फ़िल्म की शूटिंग चलती और सभी काम करने वालों के लिए खाना बनता / रात को फ़िल्म को प्रोसेस करने और संपादन का काम किया जाता। रात–दिन लगकर पति–पत्नी ने छह माह में फ़िल्म तैयार की। फालके जानते थे कि अभी आधी लड़ाई ही जीती जा सकी है। 21 अप्रैल 1913 को मुंबई के ओलिंपिया सिनेमा में राजा हरिश्चंद्र का पहला शो गणमान्य नागरिकों और प्रेस के प्रतिनिधियों को दिखाया गया। भारतीय सिनेमा इस परिपाटी का आज तक पालन कर रहा है। तीन मई, 1913 को कोरोनेशन थियेटर में फ़िल्म का नियमित प्रदर्शन आरंभ हुआ। वहाँ यह लगातार 23 दिन तक चली, जो एक रिकॉर्ड था। उस जमाने में कोई भी फ़िल्म चार या छ: दिन से ज्यादा नहीं चलती थी।

'राजा हरिश्चंद्र' फ़िल्म ने क्या रिकॉर्ड बनाया ?

(1) फ़िल्म लगातार तेईस दिन चली

(2) फ़िल्म छह महीने में बनाई

(3) फ़िल्म का संपादन बहुत अच्छा था

(4) फ़िल्म के कलाकार उत्कृष्ट कोटि के थे

[Question ID = 310][Question Description = S12_Hindi Content/Pedagogy_Q130]

1. 1 [Option ID = 1237]
2. 2 [Option ID = 1238]
3. 3 [Option ID = 1239]
4. 4 [Option ID = 1240]

3)

दिए गए गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़िए तथा पूछे गए प्रश्न के लिए सबसे उपयुक्त विकल्प का चयन कीजिए।

दादा साहब फालके को भारत में सिनेमा कला का जनक कहा जाता है। फालके ने तय किया कि पहले एक छोटे बजट की फ़िल्म बनाई जाए। उन दिनों राजा हरिश्चंद्र विषय पर एक नाटक मुंबई में हिट जा रहा था इसलिए फालके ने भी राजा हरिश्चंद्र पर फ़िल्म बनाना तय किया। सन् 1912 में मानसून के बाद मुंबई के दादर इलाके में राजा हरिश्चंद्र के फिल्मांकन का काम आरंभ हुआ। दिनभर फ़िल्म की शूटिंग चलती और सभी काम करने वालों के लिए खाना बनता / रात को फ़िल्म को प्रोसेस करने और संपादन का काम किया जाता। रात–दिन लगकर पति–पत्नी ने छह माह में फ़िल्म तैयार की। फालके जानते थे कि अभी आधी लड़ाई ही जीती जा सकी है। 21 अप्रैल 1913 को मुंबई के ओलिंपिया सिनेमा में राजा हरिश्चंद्र का पहला शो गणमान्य नागरिकों और प्रेस के प्रतिनिधियों को दिखाया गया। भारतीय सिनेमा इस परिपाटी का आज तक पालन कर रहा है। तीन मई, 1913 को कोरोनेशन थियेटर में फ़िल्म का नियमित प्रदर्शन आरंभ हुआ। वहाँ यह लगातार 23 दिन तक चली, जो एक रिकॉर्ड था। उस जमाने में कोई भी फ़िल्म चार या छ: दिन से ज्यादा नहीं चलती थी।

दादा साहब फालके ने फ़िल्म बनाने में बहुत परिश्रम किया। यह बात किस वाक्य से पता चलती है?

(1) दिनभर शूटिंग होती और रात को भोजन बनता

(2) दिन में शूटिंग रात में प्रोसेस और संपादन होता

(3) पति–पत्नी ने रात को भोजन बनाया और खिलाया

(4) पति–पत्नी ने दिनभर फ़िल्म की शूटिंग की

[Question ID = 311][Question Description = S12_Hindi Content/Pedagogy_Q131]

1. 1 [Option ID = 1241]
2. 2 [Option ID = 1242]
3. 3 [Option ID = 1243]
4. 4 [Option ID = 1244]

4) **दिए गए गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़िए तथा पूछे गए प्रश्न के लिए सबसे उपयुक्त विकल्प का चयन कीजिए।**

दादा साहब फालके को भारत में सिनेमा कला का जनक कहा जाता है। फालके ने तय किया कि पहले एक छोटे बजट की फ़िल्म बनाई जाए। उन दिनों राजा हरिश्चंद्र विषय पर एक नाटक मुंबई में हिट जा रहा था इसलिए फालके ने भी राजा हरिश्चंद्र पर फ़िल्म बनाना तय किया। सन् 1912 में मानसून के बाद मुंबई के दादर इलाके में राजा हरिश्चंद्र के फिल्मांकन का काम आरंभ हुआ। दिनभर फ़िल्म की शूटिंग चलती और सभी काम करने वालों के लिए खाना बनता / रात को फ़िल्म को प्रोसेस करने और संपादन का काम किया जाता। रात-दिन लगकर पति-पत्नी ने छह माह में फ़िल्म तैयार की। फालके जानते थे कि अभी आधी लड़ाई ही जीती जा सकी है। 21 अप्रैल 1913 को मुंबई के ओलिंपिया सिनेमा में राजा हरिश्चंद्र का पहला शो गणमान्य नागरिकों और प्रेस के प्रतिनिधियों को दिखाया गया। भारतीय सिनेमा इस परिपाटी का आज तक पालन कर रहा है। तीन मई, 1913 को कोरोनेशन थियेटर में फ़िल्म का नियमित प्रदर्शन आरंभ हुआ। वहाँ यह लगातार 23 दिन तक चली, जो एक रिकॉर्ड था। उस जमाने में कोई भी फ़िल्म चार या छः दिन से ज्यादा नहीं चलती थी।

गद्यांश में 'आधी लड़ाई ही जीती जा सकी' से क्या तात्पर्य है?

(1) फ़िल्म का बनना, शो का न होना

(2) फ़िल्म का छह महीने में बनना

(3) फ़िल्म का शो न हो पाना

(4) फ़िल्म का लगातार शो होना

[Question ID = 312][Question Description = S12_Hindi Content/Pedagogy_Q132]

1. 1 [Option ID = 1245]
2. 2 [Option ID = 1246]
3. 3 [Option ID = 1247]
4. 4 [Option ID = 1248]

5) **दिए गए गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़िए तथा पूछे गए प्रश्न के लिए सबसे उपयुक्त विकल्प का चयन कीजिए।**

दादा साहब फालके को भारत में सिनेमा कला का जनक कहा जाता है। फालके ने तय किया कि पहले एक छोटे बजट की फ़िल्म बनाई जाए। उन दिनों राजा हरिश्चंद्र विषय पर एक नाटक मुंबई में हिट जा रहा था इसलिए फालके ने भी राजा हरिश्चंद्र पर फ़िल्म बनाना तय किया। सन् 1912 में मानसून के बाद मुंबई के दादर इलाके में राजा हरिश्चंद्र के फिल्मांकन का काम आरंभ हुआ। दिनभर फ़िल्म की शूटिंग चलती और सभी काम करने वालों के लिए खाना बनता / रात को फ़िल्म को प्रोसेस करने और संपादन का काम किया जाता। रात-दिन लगकर पति-पत्नी ने छह माह में फ़िल्म तैयार की। फालके जानते थे कि अभी आधी लड़ाई ही जीती जा सकी है। 21 अप्रैल 1913 को मुंबई के ओलिंपिया सिनेमा में राजा हरिश्चंद्र का पहला शो गणमान्य नागरिकों और प्रेस के प्रतिनिधियों को दिखाया गया। भारतीय सिनेमा इस परिपाटी का आज तक पालन कर रहा है। तीन मई, 1913 को कोरोनेशन थियेटर में फ़िल्म का नियमित प्रदर्शन आरंभ हुआ। वहाँ यह लगातार 23 दिन तक चली, जो एक रिकॉर्ड था। उस जमाने में कोई भी फ़िल्म चार या छः दिन से ज्यादा नहीं चलती थी।

फ़िल्म का नियमित प्रदर्शन कहाँ हुआ?

(1) 2 मई 1912 में कोरोनेशन थियेटर में

(2) 2 मई 1913 में कोरोनेशन थियेटर में

(3) 3 मई 1913 में कोरोनेशन थियेटर में

(4) 3 मई 1912 में कोरोनेशन थियेटर में

[Question ID = 313][Question Description = S12_Hindi Content/Pedagogy_Q133]

1. 1 [Option ID = 1249]
2. 2 [Option ID = 1250]
3. 3 [Option ID = 1251]
4. 4 [Option ID = 1252]

6)

दिए गए गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़िए तथा पूछे गए प्रश्न के लिए सबसे उपयुक्त विकल्प का चयन कीजिए।

दादा साहब फालके को भारत में सिनेमा कला का जनक कहा जाता है। फालके ने तय किया कि पहले एक छोटे बजट की फ़िल्म बनाई जाए। उन दिनों राजा हरिश्चंद्र विषय पर एक नाटक मुंबई में हिट जा रहा था इसलिए फालके ने भी राजा हरिश्चंद्र पर फ़िल्म बनाना तय किया। सन् 1912 में मानसून के बाद मुंबई के दादर इलाके में राजा हरिश्चंद्र के फिल्मांकन का काम आरंभ हुआ। दिनभर फ़िल्म की शूटिंग चलती और सभी काम करने वालों के लिए खाना बनता / रात को फ़िल्म को प्रोसेस करने और संपादन का काम किया जाता। रात–दिन लगकर पति–पत्नी ने छह माह में फ़िल्म तैयार की। फालके जानते थे कि अभी आधी लड़ाई ही जीती जा सकी है। 21 अप्रैल 1913 को मुंबई के ओलिंपिया सिनेमा में राजा हरिश्चंद्र का पहला शो गणमान्य नागरिकों और प्रेस के प्रतिनिधियों को दिखाया गया। भारतीय सिनेमा इस परिपाटी का आज तक पालन कर रहा है। तीन मई, 1913 को कोरोनेशन थियेटर में फ़िल्म का नियमित प्रदर्शन आरंभ हुआ। वहाँ यह लगातार 23 दिन तक चली, जो एक रिकॉर्ड था। उस जमाने में कोई भी फ़िल्म चार या छः दिन से ज्यादा नहीं चलती थी।

'फ़िल्मांकन' का संधि–विच्छेद है –

(1) फ़िल्मां + अकन

(2) फ़िल्म + अंकन

(3) फ़िल्मा + अंकन

(4) फ़िल्म + आंकन

[Question ID = 314][Question Description = S12_Hindi Content/Pedagogy_Q134]

1. 1 [Option ID = 1253]
2. 2 [Option ID = 1254]
3. 3 [Option ID = 1255]
4. 4 [Option ID = 1256]

7) **दिए गए गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़िए तथा पूछे गए प्रश्न के लिए सबसे उपयुक्त विकल्प का चयन कीजिए।**

दादा साहब फालके को भारत में सिनेमा कला का जनक कहा जाता है। फालके ने तय किया कि पहले एक छोटे बजट की फ़िल्म बनाई जाए। उन दिनों राजा हरिश्चंद्र विषय पर एक नाटक मुंबई में हिट जा रहा था इसलिए फालके ने भी राजा हरिश्चंद्र पर फ़िल्म बनाना तय किया। सन् 1912 में मानसून के बाद मुंबई के दादर इलाके में राजा हरिश्चंद्र के फिल्मांकन का काम आरंभ हुआ। दिनभर फ़िल्म की शूटिंग चलती और सभी काम करने वालों के लिए खाना बनता / रात को फ़िल्म को प्रोसेस करने और संपादन का काम किया जाता। रात–दिन लगकर पति–पत्नी ने छह माह में फ़िल्म तैयार की। फालके जानते थे कि अभी आधी लड़ाई ही जीती जा सकी है। 21 अप्रैल 1913 को मुंबई के ओलिंपिया सिनेमा में राजा हरिश्चंद्र का पहला शो गणमान्य नागरिकों और प्रेस के प्रतिनिधियों को दिखाया गया। भारतीय सिनेमा इस परिपाटी का आज तक पालन कर रहा है। तीन मई, 1913 को कोरोनेशन थियेटर में फ़िल्म का नियमित प्रदर्शन आरंभ हुआ। वहाँ यह लगातार 23 दिन तक चली, जो एक रिकॉर्ड था। उस जमाने में कोई भी फ़िल्म चार या छः दिन से ज्यादा नहीं चलती थी।

'भारतीय' शब्द है –

(1) विशेषण

(2) संज्ञा

(3) सर्वनाम

(4) क्रिया

[Question ID = 315][Question Description = S12_Hindi Content/Pedagogy_Q135]

1. 1 [Option ID = 1257]
2. 2 [Option ID = 1258]
3. 3 [Option ID = 1259]
4. 4 [Option ID = 1260]

Topic:- HIN_Q136-150_L2_P2_CTET

1) बच्चे सामाजिक अन्त:क्रिया के माध्यम से भाषा अर्जित करते है। इस विचार को किसने समर्थित किया है?

(1) पियाजे

(2) व्यागोत्सकी

(3) चॉमस्की

(4) स्किनर

[Question ID = 316][Question Description = S12_Hindi Content/Pedagogy_Q136]

1. 1 [Option ID = 1261]
2. 2 [Option ID = 1262]
3. 3 [Option ID = 1263]
4. 4 [Option ID = 1264]

2) भाषा विकास की किस अवस्था में शिशु–लंबी तानों में व्यंजन–स्वर संयोजन को दोहराते हैं?

(1) बबलाना

(2) कूजन

(3) एक या दो शब्दीय वाक्य वाला वाक् (टेलिग्राफ़िक स्पीच)

(4) स्वयं आविष्कृत वाक्

[Question ID = 317][Question Description = S12_Hindi Content/Pedagogy_Q137]

1. 1 [Option ID = 1265]
2. 2 [Option ID = 1266]
3. 3 [Option ID = 1267]

4. 4 [Option ID = 1268]

3) भाषा अधिगम में, पूर्व बाल्यावस्था के दौरान अर्थविज्ञान उपलब्धि कब समझी जाएगी? जब

(1) बच्चे का भाषा बोलना भाषागत् समझ से कहीं आगे का हो

(2) बच्चे की भाषागत् समझ भाषा बोलने से कहीं आगे की हो

(3) भाषा बोध की भाषायी निपुणता

(4) बच्चे की स्वनिम जागरूकता उसके भाषा बोध से कहीं आगे की हो

[Question ID = 318][Question Description = S12_Hindi Content/Pedagogy_Q138]

1. 1 [Option ID = 1269]
2. 2 [Option ID = 1270]
3. 3 [Option ID = 1271]
4. 4 [Option ID = 1272]

4) मनुष्य के पास भाषा अर्जन की सहजात स्वाभाविक क्षमता है और उसे मौखिक निवेश द्वारा संवर्द्धित करने की जरूरत है, यह विचार किसके द्वारा समर्थित है?

(1) प्रकृतवादी

(2) व्यवहारवादी

(3) संज्ञानात्मक वादी

(4) रचनावादी

[Question ID = 319][Question Description = S12_Hindi Content/Pedagogy_Q139]

1. 1 [Option ID = 1273]
2. 2 [Option ID = 1274]
3. 3 [Option ID = 1275]
4. 4 [Option ID = 1276]

5) एक बालिका चार पहिए वाले सभी वाहनों को कार कहती है। यह आरंभिक शब्दभंडार त्रुटि जिसमें एक शब्द को वस्तुओं तथा घटनाओं के विस्तृत रूपों में प्रयुक्त किया जाता है, क्या कहलाता है?

(1) अधिकाधिक विस्तार

(2) अपूर्ण विस्तार (कम विस्तार देना)

(3) वाक् विकार

(4) हकलाना

[Question ID = 320][Question Description = S12_Hindi Content/Pedagogy_Q140]

1. 1 [Option ID = 1277]
2. 2 [Option ID = 1278]
3. 3 [Option ID = 1279]
4. 4 [Option ID = 1280]

6) कुशल पाठक बनने के लिए ज़रूरत है कि प्रतिदिन के जीवन से और अध्ययन के भिन्न-भिन्न विषयों से प्राप्त ज्ञान का इस्तेमाल लिखित सामग्री से तर्क करना सीखा जाए। इस आधार पर कहा जा सकता है कि कुशल पठन ____________ है।

(1) प्रवाहपूर्ण

(2) रचनात्मक

(3) विस्तृत

(4) डिकोडिंग

[Question ID = 321][Question Description = S12_Hindi Content/Pedagogy_Q141]

1. 1 [Option ID = 1281]

2. 2 [Option ID = 1282]
3. 3 [Option ID = 1283]
4. 4 [Option ID = 1284]

7) भाषा का अध्यापक अवकाश गृहकार्य के रूप में बच्चों को एक कार्य देता है कि वे दी गई सूची में से कोई एक उपन्यास पढ़े। पठन संबंधी यह गतिविधि क्या कहलाएगी?

(1) गहन पठन

(2) विस्तृत पठन

(3) बारीकी से पठन

(4) सहयोगात्मक पठन

[Question ID = 322][Question Description = S12_Hindi Content/Pedagogy_Q142]
1. 1 [Option ID = 1285]
2. 2 [Option ID = 1286]
3. 3 [Option ID = 1287]
4. 4 [Option ID = 1288]

8) निम्नलिखित में से कौन सा कथन 'कक्षा-कक्ष में संसाधन के रूप में बहुभाषावाद' के बारे में सही है?

(1) बच्चे भिन्न-भिन्न भाषिक पृष्ठभूमि से विद्यालय आते हैं। अत: कक्षा एक से ही अंग्रेजी पढ़ानी चाहिए

(2) भाषिक और सांस्कृतिक विभिन्नता को मानक मूल्यों से परे जाने के रूप में देखा जाना चाहिए

(3) शिक्षार्थी अपनी विद्यालयी शिक्षा मातृभाषा में शुरू करते हैं और जैसे-जैसे आगे बढ़ते हैं उनमें और भाषाएँ जोड़ते जाते हैं

(4) बच्चों की विविध भाषाओं का प्रयोग कक्षा में कदापि नहीं किया जाना चाहिए

[Question ID = 323][Question Description = S12_Hindi Content/Pedagogy_Q143]
1. 1 [Option ID = 1289]
2. 2 [Option ID = 1290]
3. 3 [Option ID = 1291]
4. 4 [Option ID = 1292]

9) आकलन का वह कौन सा प्रकार है जिसमें विद्यार्थी स्वत: अपने लिए निर्णय लेते हैं कि भाषा प्रयोग की उनकी प्रगति सही है या नहीं?

(1) योगात्मक आकलन

(2) समूह आकलन

(3) सहपाठी-आकलन

(4) स्वयं से आकलन

[Question ID = 324][Question Description = S12_Hindi Content/Pedagogy_Q144]
1. 1 [Option ID = 1293]
2. 2 [Option ID = 1294]
3. 3 [Option ID = 1295]
4. 4 [Option ID = 1296]

10) निम्नलिखित में से कौनसा 'बोली' और 'लहजे' के बारे में सही है?

(1) लहज़ा वास्तविक भाषा प्रयोग से संबंधित है और बोली भाषा बोलने के तरीके से संबंधित है

(2) लहज़ा –बोलचाल के उन शब्दों और वाक्यांशों से संबंधित है जो व्यक्ति की पहचान प्रतिबिम्बित करते हैं और बोली भाषा बोलने के तरीके से संबंधित है

(3) बोली–वास्तविक भाषा प्रयोग से संबंधित है और लहज़ा भाषा बोलने के तरीके से संबंधित है

(4) बोली बोलचाल के उन शब्दों और वाक्यांशों से संबंधित है जो व्यक्ति की पहचान प्रतिबिम्बित करते हैं और लहज़ा किसी संदर्भ विशेष में तकनीकी शब्द भंडार से संबंधित है

[Question ID = 325][Question Description = S12_Hindi Content/Pedagogy_Q145]

1. 1 [Option ID = 1297]
2. 2 [Option ID = 1298]
3. 3 [Option ID = 1299]
4. 4 [Option ID = 1300]

11) निम्नलिखित में से कौन-सी युक्ति पठन के बाद की युक्ति है?

(1) बहुविकल्पीय प्रश्न

(2) आरेखीय संयोजन

(3) सारांशीकरण

(4) अनुमान

[Question ID = 326][Question Description = S12_Hindi Content/Pedagogy_Q146]

1. 1 [Option ID = 1301]
2. 2 [Option ID = 1302]
3. 3 [Option ID = 1303]
4. 4 [Option ID = 1304]

12) भाषा अधिगम का संवर्द्धन किया जा सकता है यदि ___________।

(1) अध्यापक द्वारा अधिक से अधिक संख्या में शिक्षण सामग्री का इस्तेमाल किया जाए

(2) अध्यापक विद्यार्थी की प्रगति जानने के लिए साप्ताहिक परीक्षाओं का आयोजन करें

(3) अध्यापक कक्षा में ऐसी वास्तविक स्थितियाँ सृजित करें कि बच्चे एक दूसरे के साथ अन्त:क्रिया कर सकें

(4) अध्यापक बच्चों को याद करने के लिए कुछ संवाद दे और फिर उन्हें कक्षा में दोहराने के लिए कहे

[Question ID = 327][Question Description = S12_Hindi Content/Pedagogy_Q147]

1. 1 [Option ID = 1305]
2. 2 [Option ID = 1306]
3. 3 [Option ID = 1307]
4. 4 [Option ID = 1308]

13) नीचे आकलन की दो युक्तियाँ दी गई हैं :

(A) विद्यार्थियों को कक्षा में समूह में करने के लिए ऐसा कार्य देना जिससे कि वे आकलन हेतु तैयारी कर सके। उदाहरण के तौर पर एक-दूसरे की परीक्षा लेना

(B) विद्यार्थी योगात्मक आकलन हेतु अपने लिखित कार्यों का पोर्टफोलियो बनाते हैं जैसे कि अपने लिखित कार्यों में से कोई श्रेष्ठतम छह कार्य लेना विद्यार्थी अनुकूलन आकलन के लिए कौन सी युक्ति सही है?

(1) (A) सही है और (B) गलत है

(2) (B) सही है और (A) गलत है

(3) दोनों (A) और (B) सही हैं

(4) दोनों (A) और (B) गलत हैं

[Question ID = 328][Question Description = S12_Hindi Content/Pedagogy_Q148]

1. 1 [Option ID = 1309]
2. 2 [Option ID = 1310]
3. 3 [Option ID = 1311]
4. 4 [Option ID = 1312]

14) रघु, एक सोलह वर्षीय लड़का दो बजे के आस-पास विद्यालय से लौटा। वह गर्मी के कारण बहुत थक गया था। घर पर उसे कोई नहीं मिला। वह रसोई में गया, जग भरके शिकंजी बनायी। उसमें बर्फ के टुकड़े डाले। उसने बहुत सारी शिकंजी पी।

इसे किस प्रकार का लेखन कहा जाएगा?

(1) वर्णनात्मक लेखन

(2) व्याख्यात्मक लेखन

(3) समझ-बूझ आधारित लेखन

(4) कथात्मक लेखन (नैरेटिव)

[Question ID = 329][Question Description = S12_Hindi Content/Pedagogy_Q149]

1. 1 [Option ID = 1313]
2. 2 [Option ID = 1314]
3. 3 [Option ID = 1315]
4. 4 [Option ID = 1316]

15) निम्नलिखित में से किसे 'पोर्टफोलियो आकलन' कहेंगे?

(1) शिक्षार्थियों के सीखने संबंधी विभिन्न उद्धरणों का संग्रह और रिकॉर्डिंग, तथा शिक्षार्थियों के समग्र आकलन के लिए इनका प्रयोग करना

(2) शिक्षण अधिगम के लिए पूरे वर्ष के दौरान प्रत्येक शिक्षार्थी के रिकार्डों का संग्रह करना

(3) शिक्षार्थियों की सत्रांत परीक्षाओं का समग्र आकलन के लिए प्रयोग करना

(4) पूरे वर्ष के दौरान औपचारिक परीक्षाओं द्वारा आकलन

[Question ID = 330][Question Description = S12_Hindi Content/Pedagogy_Q150]

1. 1 [Option ID = 1317]
2. 2 [Option ID = 1318]
3. 3 [Option ID = 1319]
4. 4 [Option ID = 1320]